तापमान

अधिकतम 33.5 डिग्री

न्यूनतम 26.9 डिग्री

हरिभूमि

रायपुर भूमि

रायपुर, बुधवार 16 जुलाई 2025

12 रायपुर को अंतराष्ट्रीय एयरपोर्ट का दर्जा देने...

14 छात्रों ने मांगी रहने की जगह, पुलिस संग झड़प

अग्निशमन एवं औद्योगिक सुरक्षा प्रशिक्षण द्वारा 10th / 12th / स्नातक छात्राओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर

भिलाई। संस्था फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण केंद्र निजी संस्थान भिलाई में रोजगार मुखी प्रशिक्षण हेतु भर्ती योग्यता 10वीं 12वीं एवं स्नातक एवं स्नाकोत्तर किसी भी संकाय आयु 17 से 40 वर्ष फायर एवं औद्योगिक सुरक्षा डिग्री डिप्लोमा कार्यरत कमर्चारी पार्ट टाइम फुल टाइम प्रशिक्षण कर सकते हैं, मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थान एवं रोजगार विकास हेतु पंजीकृत FSDMI BHILAI मान्यता प्राप्त संस्था द्वारा विशेष प्रशिक्षण अग्निशमन एवं औद्योगिक सुरक्षा प्रबंध पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को रोजगार उपलब्धता है, फायर एवं औद्योगिक सुरक्षा की नियुक्ति फायर स्टेशन, कारखाने, खदानों, माइनिंग, पावर प्लांट, कागी हब फैक्ट्री कारखाने सरकारी एजेंसी, इंश्योरेंस कंपनी एवं अन्य जगहों में फायर अधिकारी, ट्रेनर, फायरमैन, औद्योगिक सुरक्षा निरीक्षक, सेफ्टी मैनेजर, फायर सुपरवाइजर, टीम लीडर जैसे अन्य पदों हेतु अवसर मिलते हैं तथा भविष्य में पदोन्नति की भरपूर संभावनाएं होती है साथ ही फायर एवं सेफ्टी ऑफिसर स्वयं रोजगार के लिए समर्थ होते हैं अनुमानित जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में बने नए जिलों में अनुमानित लगभग 2000 पद फायरमैन एवं अग्निशमन वाहन चालक की भर्तियां आने की

संभावना है, संस्था से प्रशिक्षण प्राप्त कर छात्र-छात्राएं विभिन्न कंपनियों जैसे रक्षा मंत्रालय भारत सरकार (DRDO), भिलाई स्टील प्लांट, रेल मंत्रालय ब्रेथवेट कंपनी लिमिटेड, पावर प्लांट, सीमेंट प्लांट, स्टील प्लांट, एवं अन्य कंपनियों में ठेकेदारी बेस से कार्यरत कर रहे हैं संस्था FSDMI भिलाई में चल रहे 6 माह, 1 वर्षीय, फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण की जानकारी सूचना केंद्र में बताई जाएगी, संस्था द्वारा उपलब्ध सुविधाएं प्रशिक्षण के दौरान आत्मनिर्भरता के लिए सुविधा अनुसार पार्ट-टाइम, फुल-टाइम नौकरी दिलवाने में सहायता की जाती है जिससे छात्र-छात्राएं अपनी प्रशिक्षण की शुल्क एवं रहने और खाने क्या खर्च स्वयं से निकाल सकते हैं, प्रशिक्षण प्राप्त उम्मीदवारों एवं सफल अभ्यर्थियों को सरकारी प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा प्रशिक्षण उपरांत छात्रों को निजी कंपनियों में नौकरी लगने में सहायता की जाती है, सभी जाति वर्ग के (SC, ST, OBC, GENERAL) छात्र-छात्राओं संस्था के द्वारा प्रशिक्षण शुल्क में विशेष छूट दी जाएगी। **अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: मो. 7697212782 पता: फायर सेफ्टी डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, (निजी संस्थान) इंदिरा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, नजदीक - गदा चौक, सुपेला भिलाई, दुर्ग (छ.ग.)** Advt.

छ.ग. के सभी शासकीय ITI में प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन
cgiti.admissions.nic.in
बी.एम. आई.टी.आई.
- कोपा
- इलेक्ट्रिशियन
- हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर
- डीजल मैकेनिक
- फायर टेक्नालॉजी
- स्टेनो हिन्दी
गोकुल नगर, पुलगांव, दुर्ग
8770638793, 9340311314
9303893829, 9300850065
अंतिम तिथि-18/07/25

कांग्रेस ने किया जमकर हंगामा, सदन से बहिर्गमन

रेत पर रार, कांग्रेस ने कहा- जमकर अवैध खनन सरकार बोली- पारदर्शी सिस्टम, सख्त कार्रवाई की

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मॉनसून सत्र के दूसरे दिन विपक्ष ने अवैध रेत खनन के मुद्दे पर जमकर हंगामा किया। विपक्ष के नेता चरण दास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कांग्रेस के अन्य सदस्यों ने दावा किया कि पुलिस और खनन अधिकारियों के संरक्षण में कई स्थानों पर अवैध रेत खनन हो रहा है। उन्होंने स्थगन प्रस्ताव पेश करके इस पर चर्चा की मांग की। विधानसभा अध्यक्ष ने कांग्रेस की इस मांग को अस्वीकार कर दिया, जिसके बाद विपक्षी विधायकों ने जमकर हंगामा किया और बहिर्गमन कर गए। वहीं इस मुद्दे पर छत्तीसगढ़ सरकार ने कहा है कि अवैध खनन पर सख्त कार्रवाई की गई है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कांग्रेस ने शून्यकाल में अवैध रेत खनन का मुद्दा उठाया था। उन्होंने दावा किया कि राज्य में ऐसी कोई नदी नहीं है, जहां कई स्थानों पर रेत का अवैध उत्खनन न हो रहा हो। कांग्रेस ने इस पर चर्चा की मांग की। कांग्रेस विधायकों ने आरोप लगाया कि पिछले 18 महीनों में स्थिति इतनी खराब हो गई है कि राज्य के बाहर से आए रेत माफिया गैंगवार, गोलीबारी, चाकूबाजी और वाहनों से कुचलने जैसी वारदात को अंजाम दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बलरामपुर जिले में राज्य के बाहर से आए रेत माफियाओं ने एक पुलिस आरक्षक को कुचलकर मार डाला। एक अन्य घटना में अवैध रेत खनन में शामिल लोगों ने वन विकास निगम के कई अधिकारियों की बुरी तरह पिटाई की, जबकि राजनांदगांव में एक घटना में अवैध रेत माफियाओं ने ग्रामीणों पर गोलियां चलाईं।

बारिश से पहले रेत का जमकर अवैध भंडारण
पारागांव में रेत के सैकड़ों टीले सेमरा में भी माफिया राज

15 से रेत खनन पर बैन, पर आदेश की धज्जियां, रात में चल रहीं मशीनें

स्पीकर ने कहा- मुद्दे पर ध्यानाकर्षण प्रस्ताव आ चुका

कांग्रेस विधायकों ने अपने स्थगन प्रस्ताव नोटिस पर चर्चा की मांग की। कांग्रेस सदस्यों की मांग पर विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने कहा कि कांग्रेस के कुछ सदस्य पहले ही इस मुद्दे पर चर्चा के लिए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का नोटिस दे चुके हैं। बाद में सिंह ने स्थगन प्रस्ताव नोटिस को अस्वीकार कर दिया। ▶▶| शेष पेज 13 पर

सरकार ने कहा पारदर्शी सिस्टम सख्त कार्रवाई की गई

शासन ने कहा है कि कांग्रेस शासन में संचालित रेत खदानों की संख्या 300 से घटकर लगभग 100-150 रह गई थी, जिससे निर्माण कार्य प्रभावित हुए और अवैध खनन को बढ़ावा मिला। वर्तमान में 119 रेत खदानें पर्यावरणीय स्वीकृति के साथ विधिवत संचालित हैं, जबकि 94 अन्य खदानों की मंजूरी प्रक्रिया ▶▶| शेष पेज 13 पर

हरिभूमि ने प्रमुखता से उठाया था मुद्दा

प्रदेशभर में रेत खनन का मुद्दा हरिभूमि ने प्रमुखता से उठाया था। हरिभूमि की टीम ने रायपुर जिले में रेत खदानों की पड़ताल की थी, जिसमें कई खदानों में अवैध रेत खनन का खुलासा हुआ था। रेत माफियाओं ने नियम की जमकर धज्जियां उड़ाई। कई जिलों से अवैध रेत खनन की खबरें प्रकाशित की गईं। खबर प्रकाशित होने के बाद कई खदानों में कारोबार बंद हो गया और प्रशासन ने भी कार्रवाई की थी।

अवैध खनन पर सख्त कार्रवाई

वर्ष 2024-25 से जून 2025 तक 6,331 अवैध खनन प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें से 18.02 करोड़ रुपए की वसूली, 184 मशीनों की जब्ती, 56 एफआईआर तथा 57 न्यायालयीन परिवाद दायर किए गए। जिला एवं राज्य स्तरीय टास्क फोर्सों द्वारा लगातार निगरानी और कार्रवाई की जा रही है, जिसमें खनिज, राजस्व, पुलिस, परिवहन और पर्यावरण विभाग के अधिकारी सम्मिलित हैं। राजनांदगांव और बलरामपुर सहित राज्य के विभिन्न जिलों में रेत से संबंधित विवादों एवं घटनाओं पर त्वरित कानूनी और प्रशासनिक कार्यवाही की गई है।

फरार रोहित की पत्नी गिरफ्तार

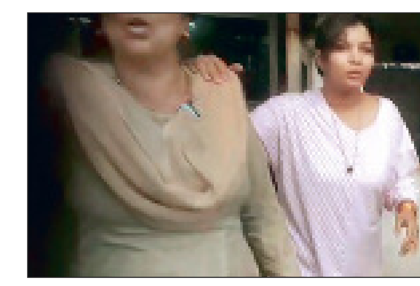

- दोनों भाइयों के संपर्क में होने की पुख्ता जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर के सूदखोरी, मारपीट एवं धमकाने के मामले में फरार चल रहे तोमर भाइयों को पकड़ने के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। इस प्रयास के दौरान मंगलवार को रोहित तोमर की पत्नी भावना तोमर को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस को पुख्ता सबूत मिले हैं कि रोहित की पत्नी फरार दोनों भाइयों से संपर्क में है और लगातार ▶▶| शेष पेज 13 पर

घर से मिले हथियार सहित लाखों रुपए नकदी-जेवरात

पुलिस ने सबसे पहले दोनों भाइयों के ठिकाने ए-1 साईं विला भाठागांव में दबिश दी थी। उस समय दोनों भाई घर पर नहीं थे, लेकिन घर की तलाशी के दौरान पुलिस को ▶▶| शेष पेज 13 पर

पांच हजार रुपए इनाम की घोषणा

इस मामले में कोर्ट ने दोनों भाइयों के खिलाफ वारंट जारी किया हुआ है। इस वारंट के बाद पुलिस पर भी दोनों आरोपियों को जल्द से जल्द पकड़ने का दबाव भी है। पुलिस दोनों आरोपियों की सूचना देने पर पांच हजार रुपए इनाम की घोषणा भी कर चुकी है। पुलिस ने यह भी घोषणा की है कि सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा। हालांकि इनाम की घोषणा जारी होने के बाद भी पुलिस को अब तक दोनों भाइयों का कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

खबर संक्षेप

ढाई किलो डोडा जब्त विक्रेता गिरफ्तार

रायपुर। कोतवाली पुलिस ने एक व्यक्ति को डोडा के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस को मंगलवार को सूचना मिली कि एक व्यक्ति महिला थाने के पास डोडा बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा है। इस सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर आरोपी शेख अब्दुल कादर उर्फ अब्दुर निवासी काशीराम नगर तेलीबांधा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक थैले में रखा 2.530 किलोग्राम डोडा बरामद किया। इसके अलावा उसके कब्जे से डोडा बिक्री के 15 सौ रुपए तथा एक मोबाइल जब्त किया। पुलिस ने उसके विरुद्ध धारा 15, 29 नारकोटिक एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया है।

सट्टा खिलाते धरे गए दो सटोरिए

रायपुर। गोबरा नवापारा पुलिस ने दो सटोरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को 14 जुलाई को सूचना मिली थी कि ग्राम कुर्रा स्थित महर्षि ढाबा के पास कुछ व्यक्ति सट्टा खिला रहे हैं। इस सूचना पर पुलिस ने मौके पर दबिश देकर किशन गिलहरे एवं अजय कुमार साहू निवासी गोबरा नवापारा को गिरफ्तार किया। इस दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नकदी 7230 रुपए एवं सट्टा पट्टी पर्ची जब्त की। दोनों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 6 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

जमीन बिक्री में मुनाफा दिलाने का झांसा, 32 लाख ठगे

रायपुर। पुरानी बस्ती पुलिस ने ठगी के मामले में एक व्यक्ति के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध किया है। प्रार्थी तारण दास डहरिया निवासी सेजबहार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी दिवाकर औसरिया ने जमीन की खरीदी-बिक्री में मुनाफा कराने का झांसा देकर उससे 32 लाख 55 हजार रुपए लिए थे। पैसे लेने के बाद उसे मुनाफा दिलाना छोड़ उसके दिए पैसे भी लौटाने में टालमटोल की। पुलिस ने इस मामले में आरोपी के विरुद्ध धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है।

3 महीने तक पानी की दिक्कत नहीं

गंगरेल से पानी लेना बंद खारुन में भरपूर जल एनीकट ओवरफ्लो

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगर निगम के जल विभाग ने शहरवासियों की पेयजल मांग पूरी करने गंगरेल डेम से फिलहाल पानी लेना बंद कर दिया है। शहर की जीवनदायिनी खारुन नदी में प्राकृतिक बहाव से भरपूर मात्रा में पानी आ रहा है, जिससे यह स्थिति निर्मित हुई है। मंगलवार को निगम का एनीकट 24 इंच ऊपर तक ओवरफ्लो होकर बहता रहा। दरअसल, मानसूनी सीजन में प्राकृतिक स्त्रोतों से मिलने वाला पानी भरपूर मात्रा में खारुन नदी में पहुंचने लगा है। इसीलिए निगम के जल विभाग ने सिंचाई विभाग को पत्र लिखकर गंगरेल डेम से रॉ वाटर की आपूर्ति बंद कराई है। सूत्रों के मुताबिक आगामी 3 माह तक नगर निगम को गंगरेल से पानी नहीं खरीदना पड़ेगा। निगम का जल विभाग सिंचाई विभाग को हर महीने गंगरेल डेम से शहर को रॉ वाटर की आपूर्ति के एवज में 1 करोड़ 10 लाख रुपये की राशि का भुगतान करता है। जुलाई से सितंबर तक मानसूनी बारिश के कारण नदी-नाले में प्राकृतिक बहाव का पानी खारुन नदी में पर्याप्त मात्रा में पहुंचने से अब 3 माह तक सिंचाई विभाग से कच्चा पानी खरीदने की नौबत नहीं आयेगी, इससे नगर निगम को 3 करोड़ 30 लाख रुपये की बचत होगी।

- नेचुरल वाटर से निगम को 3 करोड़ 30 लाख की बचत

अलग खबर

250 पीपीएम हुआ पानी का मटमैलापन

फिलहाल बारिश थमने के बाद नदी नाले से आ रहे पानी में मटमैलापन की मात्रा में कमी आनी शुरू हो गयी है। फिल्टर प्लांट के प्रभारी अधिकारी नरसिंग फरेन्द्र के मुताबिक सप्ताहभर पहले प्रदेश सहित राजधानी में तीन से चार दिनों तक लगातार मानसूनी बारिश के कारण पानी का मटमैलापन 1900 पीपीएम तक जा पहुंचा था, अब वह घटकर 250 पीपीएम तक चला गया है। इसी तरह रॉ वाटर को शुद्ध करने सप्ताहभर पहले प्रतिदिन 27 टन एलम की खपत हो रही थी, अब उसकी मात्रा घटकर 17 टन कर दी गयी है।

फिल्मी स्टाइल में ई-रिक्शा पर स्टंट, 3 हजार जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

फिल्मी स्टाइल में ई-रिक्शा में स्टंट करने वाले चालक से पुलिस ने तीन हजार रुपए जुर्माना वसूल किया। ई-रिक्शा चालक ने फिल्मी स्टाइल में वाहन का पहिया उठाकर स्टंट करने का रील बनवाया था, जिसे सोशल मीडिया पर अपलोड किया था। इस वीडियो को देखकर रायपुर पुलिस ने संज्ञान में लिया और ई-रिक्शा के पंजीयन नंबर से उसके चालक का पता लगाया। पुलिस ने चालक मो. मोहसीन निवासी हाउसिंग बोर्ड कालोनी सेजबहार के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उससे जुर्माना वसूल किया तथा भविष्य में दोबारा गलती नहीं करने की शपथ दिलाई।

...और अस्पताल के बाथरूम में हो गई डिलीवरी मचा हड़कंप, एमसीएच कालीबाड़ी की घटना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रसव के लिए कालीबाड़ी के मातृ शिशु अस्पताल में भर्ती महिला की सुबह-सुबह बाथरूम में डिलीवरी हो गई। सोमवार सुबह हुए इस वाकये के बाद अस्पताल में हड़कंप मच गया। आनन-फानन सक्रिय हुए चिकित्सा स्टाफ ने स्थिति संभाली, जिसके बाद जच्चा-बच्चा पूरी तरह स्वस्थ्य हैं। घटना के दौरान कुछ देर के लिए अटेंडरों और अस्पताल स्टाफ के बीच कहासुनी भी हो गई थी।

सूत्रों के मुताबिक अस्पताल प्रबंधन द्वारा मामले को दबाने का प्रयास किया गया, मगर बात बाहर आ गई। सूत्रों के मुताबिक शहर में रहने वाली गर्भवती महिला का इलाज मातृ एवं शिशु अस्पताल में चल रहा था। प्रसव की तारीख नजदीक आने पर उसे एक दिन पहले हास्पिटल में दाखिल किया गया था। बताया जाता है कि महिला की नार्मल डिलीवरी का प्रयास किया जा रहा था। सोमवार सुबह वह बाथरूम गई थी, इसी दौरान उसकी प्रसव पीड़ा बढ़ गई और वहीं डिलीवरी हो गई। मामले की जानकारी होने पर अस्पताल स्टॉफ में हड़कंप मच गया और महिला तथा नवजात को लाकर गहन चिकित्सा निगरानी में रखा गया। डाक्टरों की देखरेख में जच्चा-बच्चा स्वस्थ बताए गए हैं। घटना की जानकारी होने के बाद अस्पताल में मौजूद महिला के परिजनों और चिकित्सकीय स्टाफ के बीच कहासुनी हुई और काफी कोशिशों के बाद उन्हें समझाया गया। इस मामले में विभागीय अधिकारी घटना की जानकारी नहीं होने का हवाला देकर कुछ भी कहने से बचते रहे।

हरिभूमि खास

शुरू नहीं हुआ काम

एमसीएच कालीबाड़ी में जांच और इलाज के लिए आने वाले मरीजों की सुविधा के लिए वहां के द्वितीय तल के हाल में एसी लगाने और अतिरिक्त प्रतीक्षा कक्ष बनाने की घोषणा की गई थी। महीनेभर बीतने के बाद भी इस घोषणा पर अब तक काम शुरू नहीं हो पाया है। अस्पताल में मरीजों की भीड़ को देखते हुए चिकित्सकीय स्टाफ बढ़ाने की घोषणा भी स्वास्थ्य मंत्री ने की थी, मगर इस पर भी अब तक कोई कार्यवाही शुरू नहीं की गई है। प्रसव के मामले में मातृ शिशु चिकित्सालय जिले का दूसरा बड़ा स्वास्थ्य केंद्र है। आंबेडकर अस्पताल के बाद यहां डिलीवरी कराई जाती है। नियमित रूप से होने वाली ओपीडी में रोजाना डेढ़ से दो सौ लोग पहुंचते हैं।

अंतिम चरण की मेरिट लिस्ट में कटऑफ पहुंच गया है 48 प्रतिशत

निजी विवि में बढ़े दाखिले, क्योंकि अटेंडेंस में छूट, वहीं सरकारी कालेजों में लाले पड़े

प्रतियोगिता जैसी कोई स्थिति नहीं आसानी से उपलब्ध हैं सीटें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सोमवार को जारी महाविद्यालयों में प्रवेश की तीसरी और अंतिम सूची में कटऑफ 48 प्रतिशत पर पहुंच गया है। ना केवल निजी महाविद्यालय, बल्कि शासकीय महाविद्यालयों में भी यही स्थिति है। बीकॉम में दाखिले के लिए एक वक्त दुर्गा महाविद्यालय में मारामारी की स्थिति रहती थी। यहां दूसरे चरण तक 860 में से 300 करीब सीटें ही भर सकीं। शेष सीटों के लिए तीसरे चरण में छात्रों के नाम जारी किए गए हैं। छात्रों के रुझान को देखते हुए रिक्त सीटों के पूरी तरह भरने की संभावना बहुत कम है। इसी महाविद्यालय में बीए की 500 में से 102 सीटों पर ही प्रवेश ▶▶| शेष पेज 13 पर

खास खबर

स्कूल पहुंचकर पाठ्यक्रम की जानकारी

पिछले सत्र में भी इसी तरह की स्थिति निर्मित हुई थी। इसके बाद रविवि ने कैंपस विजिट प्रोग्राम शुरू किया था। इसके अंतर्गत महाविद्यालय स्कूल पहुंचकर छात्रों को पाठ्यक्रम की जानकारी देते थे। कई महाविद्यालयों ने बारहवीं कक्षा के छात्रों को अपने कैंपस का टूर भी करवाया था। रविवि अध्ययनशाला का भी दौरा छात्रों द्वारा किया गया। इस दौरान उन्हें विवि द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं और छात्रवृत्ति सहित अन्य जानकारियां दी गईं। लेकिन इसका भी कोई विशेष लाभ नहीं मिल सका।

कोरोना के बाद बदलाव

शिक्षाविदों के अनुसार, नियमित रूप से कॉलेज नहीं आने की प्रवृत्ति छात्रों में कोरोनाकाल के बाद आई है। छात्र अब घर बैठकर ही पढ़ाई करना चाहते हैं। इसके लिए वे यू-ट्यूब और अन्य साइट्स का सहारा ले रहे हैं। उत्तरपुस्तिकाओं में उनके उत्तर के पैटर्न में इसकी झलक भी मिल जाती है। खेल पाठ्यक्रम, विज्ञान और प्रायोगिक कार्यों की अधिकता वाले कई ऐसे विषय हैं, जिनमें नियमित उपस्थिति अनिवार्य होती है अर्थात इनकी पढ़ाई प्राइवेट स्टूडेंट के रूप में नहीं की जा सकती है। निजी विवि में ऐसे पाठ्यक्रमों में ही छात्र अधिक प्रवेश ले रहे हैं। इसके अतिरिक्त ऐसे छात्र जो कुछ दिन ही कॉलेज जाना चाहते हैं, वे भी निजी विश्वविद्यालयों में प्रवेश ले रहे हैं।

प्रक्रिया में विलंब भी कारण

शासकीय विश्वविद्यालयों की तुलना में निजी विवि में प्रवेश जल्द प्रारंभ हुए। कई विद्यार्थियों ने इंतजार करने के स्थान पर निजी विवि में प्रवेश ले लिया।

- डॉ. प्रोतिभा मुखर्जी, प्राचार्य, दुर्गा महाविद्यालय

डिग्री बांटने का केंद्र

शासकीय विवि और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में न्यूनतम उपस्थिति अनिवार्य होती है। निजी विवि इसे लेकर कड़ाई नहीं बरतते। छात्र सिर्फ परीक्षा दिलाने जाते हैं।

- डॉ.देवाशीष मुखर्जी, प्राचार्य महंत कॉलेज

बायोमैट्रिक्टस अटेंडेंस की तैयारी

यदि बगैर उपस्थिति छात्रों को परीक्षा दिलाने की अनुमति दी जा रही है तो बायोमैट्रिक्स अटेंडेंस की व्यवस्था करेंगे। किसी भी तरह का फर्जीवाड़ा ना हो, यह सुनिश्चित करेंगे।

- प्रो.वीके गोयल, अध्यक्ष, निजी विवि विनियामक आयोग

- प्रधानमंत्री मोदी की रणनीतिक दक्षता के लिए हार्दिक अभिनंदन
- विपक्ष ने चर्चा के बीच असंतुष्ट होकर किया बहिष्कार

ऑपरेशन सिंदूर पर धन्यवाद प्रस्ताव, सीएम बोले- भारत की ताकत, संकल्प और वैश्विक नेतृत्व क्षमता का प्रमाण

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा में मंगलवार को ऑपरेशन सिंदूर के सफल संचालन के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया गया। इस अवसर पर ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कुशल रणनीति और नेतृत्व क्षमता को पूरे देश ने देखा है। यह केवल एक मिशन नहीं था, बल्कि भारत की ताकत, संकल्प और वैश्विक नेतृत्व क्षमता का जीवंत प्रमाण है। इस प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान विपक्ष कुछ देर शामिल रहा, लेकिन बाद में चर्चा का बहिष्कार कर सदन से बाहर चला गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिन्दूर ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि भारत अब ऐसा राष्ट्र बन चुका है जो अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए किसी भी परिस्थिति में, किसी भी सीमा तक जाकर, त्वरित, निर्णायक और प्रभावी कार्यवाही करने में सक्षम है। ऐसे अभियान केवल सैन्य या कूटनीतिक सफलता का प्रतीक नहीं होते, बल्कि वे संपूर्ण राष्ट्र की भावना का प्रतिनिधित्व करते हैं। हमारे राष्ट्रीय नेतृत्व का दृष्टिकोण स्पष्ट है। हर भारतीय का जीवन बहुमूल्य है, चाहे वह देश में हो या विदेश में। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस ऑपरेशन के केंद्र में समन्वय और निर्णय क्षमता की जो धुरी रही, वह हैं - प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। प्रधानमंत्री श्री मोदी की सक्रिय भागीदारी, व्यक्तिगत निगरानी और स्पष्ट निर्देशों के कारण ही यह मिशन समयबद्ध, सुरक्षित और सफलतापूर्वक सम्पन्न हो पाया।

भारत मूकदर्शक नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम "वसुधैव कुटुंबकम" की भावना की बात करते हैं, तो ऐसे मिशन हमें यह विश्वास दिलाते हैं कि भारत केवल अपने नागरिकों की ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता की रक्षा के लिए भी कर्तव्यनिष्ठ है। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत की साख अंतरराष्ट्रीय मंचों पर नई ऊंचाइयों को स्पर्श कर रही है। ऑपरेशन गंगा, ऑपरेशन कावेरी, ऑपरेशन देवी शक्ति, और अब ऑपरेशन सिन्दूर। भारत ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि वह वैश्विक संकटों में मूक दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय संकट-निवारक राष्ट्र है।

पहलगाम की पीड़ा को मैंने देखा है

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहलगाम की वीभत्स घटना के बाद हमारे प्रदेश के सपूत स्वर्गीय दिनेश मिरानिया का पार्थिव शरीर भी लौटकर आया। मैंने स्वयं उनके परिवार की पीड़ा को देखा। हमारी बहन ने अपनी आंखों के सामने अपना सुहाग उजड़ते देखा- यह पीड़ा कितनी गहरी है, यह पूरा सदन समझ सकता है। आतंकियों ने उन्हें केवल इस कारण मार डाला कि वे नहीं चाहते थे कि जम्मू-कश्मीर, जो भारत का अभिन्न अंग है, उसमें अन्य प्रांतों के नागरिकों की आवाजाही हो सके। उन्हें धर्म देखकर मारा गया। देश भर की माताओं-बहनों के बिलखने की तस्वीरें सामने आईं और इनके साथ पूरा देश रोया। यह एक ऐसी अमानवीय घटना थी, जिसमें सम्पूर्ण मानवता तार-तार हो गई।

आंतकियों ने निर्दोषों का खून बहाया

मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां आतंकवादियों ने निर्दोष लोगों का रक्त बहाया, वहीं भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई में इस बात का विशेष ध्यान रखा कि पाकिस्तान के आम नागरिकों को कोई क्षति न पहुँचे। हमारे नेतृत्व ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत किसी को छेड़ता नहीं, परंतु छेड़ने वालों को छोड़ता भी नहीं। ऑपरेशन सिन्दूर के माध्यम से भारत ने स्पष्ट संदेश दिया है कि हम प्रत्येक रक्त की बूँद का हिसाब लेते हैं। जिन आतंकी ठिकानों पर हमला किया गया, वे संसद हमले, मुंबई हमले, अक्षरधाम हमला और पुलवामा जैसी भीषण घटनाओं में लिप्त थे। भारत ने आतंकवाद को शह देने वाले देशों को विश्व मंच पर बेनकाब किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ऑपरेशन सिन्दूर केवल आतंकवाद के विरुद्ध कार्रवाई नहीं, बल्कि यह नारी सम्मान और राष्ट्रीय गौरव का भी प्रतीक है, मातृशक्ति को समर्पित एक ऐतिहासिक सैन्य-संकल्प है।

सत्ता-विपक्ष के बीच नोकझोंक

इस प्रस्ताव पर चर्चा की शुरुआत के समय विपक्ष के सदस्य सदन में मौजूद थे, लेकिन इसी दौरान भाजपा सदस्य धरमजीत सिंह व कांग्रेस सदस्य रामकुमार यादव के बीच नोकझोंक होती रही। इस दौरान विपक्ष व सत्ता पक्ष के अन्य सदस्यों के बीच टीका टिप्पणी भी हुई। मंत्री द्वारा प्रस्ताव रखे जाने के बाद चर्चा की शुरुआत भाजपा सदस्य अजय चंद्राकर ने की। इस दौरान कांग्रेस सदस्य द्वारिकाधीश यादव और देवेंद्र यादव ने टोका-टाकी की।

विपक्ष ने किया बहिष्कार

इस शोर शराबे और टोकाटाकी के बीच नेता प्रतिपक्ष डा. चरणदास महंत खड़े हुए उन्होंने कहा- मैं बोल रहा हूं, आप लोग थोड़ा सुन लीजिए। समाप्ति जी, ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारतीय सेना ने पाकिस्तान के ध्वस्त करने की जो बात कही थी, यह ऐतिहासिक कदम है। हम भारतीय सेना की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हैं। (मेजों की थपथपाहट) हम यहां पूरे सौहार्द के साथ हमारी सेनाओं को बधाई देने के लिए व उनका उत्साहवर्धन करने के लिए आये है, मगर यहां पर एक ऐसा सिपाही बैठा हुआ है, जो हम लोगों को बार-बार उत्तेजित कर रहा है। यहां हमारी सौजन्यता, सरलता व सज्जनता पर आप बार-बार हमको उल्टे-सीधे दिखाना चाहते हैं, इसलिए हम इस चर्चा में भाग नहीं लेना चाहते हैं और बहिष्कार करते हैं। कांग्रेस के बहिर्गमन के बाद सत्ता पक्ष के सदस्य किरणदेव, धरमजीत सिंह, अमर अग्रवाल, धरमलाल कौशिक ने अपनी बात रखी।

केदार ने रखा प्रस्ताव

ऑपरेशन सिंदूर के संबंध में धन्यवाद प्रस्ताव संसदीय कार्यमंत्री केदार कश्यप ने रखा। दिनांक 07 मई, 2025 को 'ऑपरेशन सिंदूर' द्वारा आतंकी ठिकानों को भारतीय सेना द्वारा हमले से ध्वस्त किए जाने के उठाये गये ऐतिहासिक कदम पर भारतीय सेना के अदम्य साहस एवं वीरता तथा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री की रणनीतिक दक्षता के प्रदर्शन के लिए ये सदन हार्दिक अभिनंदन करता है। उन्होंने कहा मैंने आज जो प्रस्ताव लाया है, निश्चित तौर पर ऑपरेशन सिंदूर भारत की दृढ़ इच्छा शक्ति का, जो कि आतंकवाद के खिलाफ लाया गया था, का एक शक्तिशाली प्रतीक है, जो देश के यशस्वी प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में लाया गया और हम सभी इस बात के लिए अपने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का, हमारे गृह मंत्री अमित शाह का धन्यवाद ज्ञापित करते हैं।

रेडी-टू-ईट सप्लाई के मामले में स्व-सहायता समूह के चयन पर बवाल

सदन में रेडी टू ईट एवं फोर्टिफाइड आटा आपूर्ति के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जमकर तकरार हुई। ध्यानाकर्षण में नेता-प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने मामले को उठाते हुए गलत तरीके से स्व-सहायता समूहों के चयन का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, योजना में भारी भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने गड़बड़ी करने वाले विभागीय अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की। नेता प्रतिपक्ष ने कहा, रेडी टू ईट और फोर्टिफाइड आटा आपूर्ति, केंद्र प्रवर्तित योजना के तहत आदर्श महिला स्व सहायता समूह के चयन के संबंध में सीईओ जिला पंचायत की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है। समिति द्वारा चयनित नामों को ही इसमें शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि कोरबा जिले में आवेदन नहीं देने वाले समूह का चयन कर लिया गया है। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा टंकण त्रुटि के कारण नाम जारी हो गया था। पसान में लक्ष्मी महिला स्व सहायता समूह और जय मां महिला स्व सहायता समूह का आवेदन आया था। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि चयन के दौरान समिति ने कई समतियों को मनमाने नंबर देकर चयन कराया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा, जिस महिला स्व सहायता समूह का चयन किया गया है, वह डिफाल्टर है। मंत्री ने कहा चयन के समय सभी बातों पर ध्यान दिया गया है।

भिड़े अजय-उमेश

चर्चा के दौरान सदन में भाजपा विधायक अजय चंद्राकर और कांग्रेस विधायक उमेश पटेल के बीच नियम-प्रक्रिया के सवाल पर तीखी बहस हुई। इस दौरान महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने सदन से बहिर्गमन किया।

विधानसभा परिसर में 'उत्कृष्टता अलंकरण' समारोह आज

छत्तीसगढ़ विधान सभा सचिवालय परिसर में बुधवार को वर्ष 2024 के लिए चयनित उत्कृष्ट विधायकों, संसदीय पत्रकार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया रिपोर्टर को राज्यपाल रमेन डेका पुरस्कृत करेंगे। सायं 6 बजे होने वाले आयोजन के बाद समारोह में मैथिली ठाकुर द्वारा सुगम संगीत की प्रस्तुति दी जायेगी। कार्यक्रम में विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत, संसदीय कार्यमंत्री केदार कश्यप, मंत्री, विधायक, निगम मंडल के अध्यक्ष उपस्थित रहेंगे।

विभागीय मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष के विधायकों ने किया बहिर्गमन

जल जीवन मिशन पर हंगामा, विपक्ष का आरोप- कई जिलों में नहीं मिल रहा पानी, साव बोले- 10 लाख कनेक्शन दिए

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जल जीवन मिशन का मामला उठाते हुए इसके फेल होने का आरोप लगाया। डिप्टी सीएम और विभागीय मंत्री अरुण साव ने कहा, हमने 10 लाख नल कनेक्शन दिया है, इस पर विपक्ष के विधायकों ने गलत जानकारी देने की बात कही और जवाब से असंतुष्ट विपक्ष के विधायकों ने सदन से बहिर्गमन किया। प्रश्नकाल में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जल जीवन मिशन का मामला उठाते हुए पूछा कि साल 2022-23, 2023-24 और 2024-25 में कितनी राशि खर्च हुई। लक्ष्य के विरुद्ध कितने घरों में पानी पहुंचा। उन्होंने कई जिलों में कम राशि खर्च करने पर सवाल उठाया। वहीं कई जिलों में दूसरे जिलों के मुकाबले बहुत कम घरों में पानी पहुंचा है। जवाब में डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा, अब तक साल 2022-23 से 15 हजार 45 करोड़ मतलब 57 प्रतिशत राशि खर्च हुई है। 31 लाख 16 हजार 398 घरों में नल से पानी दे रहे हैं। 3 हजार 836 गांवों में पूरी तरह नल से पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। राशि का भुगतान काम के प्रोग्रेस के मुताबिक किया जाता है, इसलिए अलग-अलग जिलों में स्थिति अलग है। 49 लाख से ज्यादा घरों में नल कनेक्शन के जरिए पानी पहुंचाना है। देर से काम शुरू हुआ है।

कांग्रेस सरकार में बगैर पानी नल की टोटी लगवाई

भूपेश बघेल ने कहा, डबल इंजन की सरकार में सिर्फ 3 हजार 500 करोड़ रुपये योजना पर खर्च हुआ। सिर्फ 57 प्रतिशत का लक्ष्य हासिल हुआ है। इस पर अरुण साव ने कहा, साल 2023 के आखिर तक 36 लाख परिवारों तक नल का कनेक्शन दिखाया गया, सिर्फ आंकड़े दिखाने के लिए ये किया गया। हमने जब वेरिफिकेशन किया, तो पता चला कि सिर्फ 21 लाख घरों में पानी जा रहा था, बाकी 15 लाख में सिर्फ नल लगाया गया था। आपने समय पर काम किया होता, तो ये हालात नहीं बनते। आपकी सरकार ने बगैर पानी के नल की टोटी लगाई।

2 साल में 10 लाख घरों में पानी

भूपेश बघेल ने कहा, 21 लाख घरों में हमने पानी दिया। अब तक 31 लाख घरों में पानी पहुंच रहा कह रहे हैं, मतलब करीब 2 साल में डबल इंजन की सरकार ने सिर्फ 10 लाख घरों में नल से पानी दिया। ये भी सही है या आंकड़ेबाजी है। नल से पानी नहीं मिलने के मामले पर सदन में विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। पक्ष-विपक्ष के बीच नोक-झोंक हुई। विपक्षी विधायकों ने झूठा आंकड़ा बताने का आरोप लगाते हुए कहा, कई जिलों में पानी तक नहीं मिल रहा।

20 माह की सरकार में सिर्फ 7 प्रतिशत काम : महंत

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा, 20 महीने की सरकार में सिर्फ 7 प्रतिशत काम हुआ है, जबकि हमने अपनी सरकार के दौरान करीब 74 प्रतिशत काम किया है। फिर ज्यादा काम किसने किया, इस पर अरुण साव ने कहा, हमने 10 लाख नल कनेक्शन पानी के साथ दिया। भूपेश बघेल ने कहा, 7 महीने में कितने नल कनेक्शन दिए और कितनी राशि खर्च की। अरुण साव ने कहा, 10 लाख नल कनेक्शन दिया है। जवाब पर विपक्ष के विधायकों ने गलत जानकारी देने की बात कही। जवाब से असंतुष्ट विपक्ष के विधायकों ने सदन से बहिर्गमन किया।

एक भी अधिकारी पर क्यों नहीं हुई कार्रवाई-धरमलाल

एक अन्य सवाल में प्रश्नकाल में ही भाजपा विधायक

धरम लाल कौशिक ने पूछा राज्य स्तरीय उच्च पावर समिति की अनुशंसा पर क्या कार्रवाई की गई? उन्होंने कहा, जब इसमें प्रमाणित पाया गया है, तो एक के खिलाफ आपने कार्रवाई की तो बाकी के खिलाफ क्यों नहीं की? अधिकारियों को दिशा निर्देश हाईकोर्ट से प्राप्त हुआ है। जवाब में उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा, जिसने शपथ पत्र प्रस्तुत किया था, उसके खिलाफ एफआईआर की है। बाकी को ब्लैक लिस्टेड कर रहे हैं। 12 अनुबंध निरस्त किए हैं।

पंचायती राज संस्थाओं ने किया आय से अधिक खर्च, नगरीय निकायों में करोड़ों का गबन

छत्तीसगढ़ की 24 पंचायती राज संस्थाओं का आडिट राज्य संपरीक्षा विभाग ने किया। खुलासा ये हुआ है कि इनमें से कई संस्थाओं ने आय से अधिक खर्च कर दिया। खास बात ये है कि ये स्थिति वर्ष 2019-20 से लेकर 2022 तक के आडिट में देखने में आई है। इसी तरह नगरीय निकायो में गबन के मामले भी सामने आए हैं। निकायों के पदाधिकारियों, अधिकारियों कर्मचारियों ने विभिन्न मदों से प्राप्त होने वाली या वसूल की जाने वाली राशि निकाय के लेखे (अकाउंट) में नहीं लाई। राज्य संपरीक्षा विभाग के वार्षिक प्रतिवेदन 2023-24 की रिपोर्ट से यह तथ्य सामने आया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि संपरीक्षा में यह भी प्रकाश में आया है कि कुल संपरीक्षित 24 पंचायती राज संस्थाओं में से 20 वित्तीय वर्षों के वास्तविक आय की तुलना में वास्तविक व्यय अधिक किया गया है। यह निकायों की स्वस्थ आर्थिक परिस्थिति को इंगित नहीं करता है। निकायों को वास्तविक आय के अनुसार ही व्यय किया जाना चाहिए।

प्रावधान और निर्देशों का पालन नहीं

रिपोर्ट में इस संबंध में अनुशंसा की गई है पंचायत राज संस्थाओं को बजट तैयार कर निर्धारित समयावधि में अनुमोदन प्राप्त करने संबंध में समय समय पर निर्देश जारी किए गए हैं। इसके बाद भी पंचायत राज संस्थाओं द्वारा पंचायत राज अधिनियम 1993 के प्रावधानों एवं निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा है। यह भी कहा गया है कि निर्देशों का अनुपालन करते हुए गत वर्षों के वास्तविक आय व्यय के आधार पर बजट अनुमान तैयार करने एवं सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन प्राप्त किया जाए। साथ संपरीक्षा के दौरान बजट संबंधी अभिलेखों को प्रस्तुत किया जाए। ताकि पंचायत राज संस्थाओं के लेखों में पारर्शिता आने के साथ ही अधिनियम के प्रावधानों एवं शासन के निर्देशों का पालन हो सके।

कमाई से ज्यादा खर्च

राज्य के जिन पंचायत राज संस्थाओं ने आय से अधिक खर्च किया वह कुल मिलाकर 28 करोड़ 56 लाख 26 हजार रुपयों से अधिक का है। खास बात ये है कि कुछ संस्थाओं ने लगातार तीन साल यही गड़बड़ी की है। यही नहीं बजट भी अनुमोदित नहीं करवाया गया है। जिन संस्थाओं में ये गड़बड़ी पाई गई है। उनके नाम इस प्रकार हैं। जनपद पंचायत पाली जिला कोरबा, जनपद पंचायत पेंड्रा, जनपद पंचायत नवागढ़, मानपुर, डौंडी लोहारा, पथरिया, डभरा, सक्ती, बलौदाबाजार, मरवाही, मोहला, पामगढ़, मुंगेली, जनपद पंचायत दुर्ग, पालीस पथरिया और अकलतरा शामिल हैं।

खबर संक्षेप

इस बार एलर्जी की दवा में शिकायत, सीजीएमएससी ने उपयोग पर लगाई रोक

रायपुर। शिकायत के बाद एक बार फिर एलर्जी की रोकथाम के लिए उपयोग की जाने वाली दवा प्रेडनिसोलोन के उपयोग पर रोक लगाई गई है। सनलाइफ साइंस नामक कंपनी द्वारा इसका निर्माण किया गया है। शिकायतों के बाद उपयोग पर रोक लगाने वाला यह पांचवा आयटम है, जिसके उपयोग की मनाही की गई है। सीजीएमएससी द्वारा आम लोगों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए अनुबंध के आधार पर विभिन्न कंपनियों से दवा, उपकरण सहित अन्य सामानों की सप्लाई सरकारी अस्पतालों में की जाती है। पिछले कुछ समय से इन दवाओं सहित अन्य सामानों की शिकायत सामने आ रही है। जिसके बाद दवा कार्पोरेशन तमाम अस्पतालों को पत्र भेजकर उपयोग पर रोक लगाने का निर्देश जारी कर रहे हैं। इसी दौर में छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन द्वारा जारी आदेश में टैबलेट प्रेडनिसोलोन को आगामी आदेश तक बैच क्रमांक टी-240368 के उपयोग में रोक लगाने के लिए कहा गया है।

भाजपा के जिलों की कार्यकारिणी इसी माह से लेने लगेगी आकार

प्रदेश कार्यकारिणी के लिए अभी करना होगा इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

प्रदेश के भाजपा संगठन में अब जाकर करीब पांच माह में मंडलों की नई कार्यकारिणी बन सकी है। मंडलों के बाद अब इसी माह से जिलों की कार्यकारिणी भी आकार लेने लगेगी। जिलों के बाद ही प्रदेश की कार्यकारिणी बनेगी। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव पहले ही कह चुके हैं कि मंडल और जिलों के बाद उनकी नई टीम बनेगी। वैसे भी अभी भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव बचा है। इसके चुनाव के बाद ही किरण देव की नई टीम बनेगी।

भाजपा के प्रदेश संगठन के चुनाव पूरे हो चुके हैं। सितंबर में पहले सदस्यता अभियान चलाया गया इसके बाद बूथ, मंडल, जिलों के चुनाव के बाद 17 जनवरी को भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष का चुनाव हुआ। इसमें एक बार फिर से किरण देव को प्रदेश की कमान सौंपी गई। किरण देव को विधानसभा चुनाव के बाद 2019 में तब अध्यक्ष बनाया गया था, जब विधानसभा का चुनाव जीतने के बाद प्रदेशाध्यक्ष अरुण साव को डिप्टी सीएम बना दिया गया था। ऐसे में किरण देव का कार्यकाल करीब सवा साल का ही रहा। अब उनको पूर्णकालिक अध्यक्ष बना दिया गया है।

पहले मंडल, अब जिलों का नंबर

भाजपा के संगठन चुनाव में जिस तरह से बूथ स्तर के बाद मंडल और जिलों में अध्यक्षों के चुनाव कराए गए थे, उसी तरह से अब कार्यकारिणी के गठन में भी नीचे के स्तर से शुरुआत की गई है। पहले चरण में मार्च से मंडलों में कार्यकारिणी बनाने का काम प्रारंभ किया गया। पहले इसकी डेड लाइन दस मार्च रखी गई, इसके बाद इसको 20 मार्च किया गया। लेकिन पूरा मार्च निकलने के बाद भी कार्यकारिणी नहीं बनी तो फिर अप्रैल में समय दिया गया। अप्रैल भी पूरा समाप्त होने के बाद इसके लिए मई में समय तय किया गया। मई में भी सभी मंडलों की कार्यकारिणी पूरी नहीं हो सकी तो जून का समय दिया है। जून में भी सभी मंडलों की कार्यकारिणी नहीं बन सकी। अब जाकर जुलाई में सभी मंडलों की कार्यकारिणी बनी है। रायपुर के सभी 20 मंडलों की भी कार्यकारिणी बन गई है और इसका ऐलान भी हो गया है। अब जिलों की कार्यकारिणी बनाने की कवायद प्रारंभ की जा रही है। जिलों की कार्यकारिणी बनाने के बाद उसको अनुमोदन करने के लिए प्रदेश संगठन के पास भेजा जाएगा, वहां से मंजूरी मिलने पर इसका ऐलान होगा।

रायपुर को अंतराष्ट्रीय एयरपोर्ट का दर्जा देने बृजमोहन की मांग

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल रायपुर को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का दर्जा दिलाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। इसी कड़ी में अपने दिल्ली प्रवास के दौरान मंगलवार को केंद्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू से मुलाकात कर छत्तीसगढ़ के स्थापना के रजत जयंती 1 नवंबर से पहले रायपुर को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का दर्जा दिए जाने की मांग की।

इसके अलावा श्री अग्रवाल ने भिलाई के नंदनी एयरपोर्ट में फ्लाइंग स्कूल खोलने का और रायपुर एयरपोर्ट की कैपेसिटी बढ़ाते हुए यहां नया टर्मिनल बनाने का भी अनुरोध किया। श्री अग्रवाल ने मंत्री श्री नायडू से रायपुर से बिलासपुर, अंबिकापुर, जगदलपुर हवाई मार्ग में कनेक्टिविटी बढ़ाने पर भी बात की। साथ ही रायपुर में अंतरराष्ट्रीय कार्गो को शुरू करने का भी आग्रह किया। श्री अग्रवाल के अनुसार रायपुर को अंतरराष्ट्रीय

एयरपोर्ट का दर्जा मिलने से रायपुर के आर्थिक विकास को और नए पंख लगेंगे। कनेक्टिविटी में बेहतर सुधार होगा। मंत्री श्री नायडू ने श्री अग्रवाल को प्रस्ताव पर जल्द से जल्द कदम उठाने का आश्वासन दिया है। मुलाकात के दौरान रायपुर एयरपोर्ट कमेटी के मेंबर और एविएशन गुरू डॉक्टर सुमीत सुशीलन भी उपस्थित रहे।

हीरापुर आईटीआई में आज से दिया जाएगा प्रशिक्षण

रायपुर। हीरापुर, अटारी स्थित शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) में प्रवेश सत्र 2025-26 में विभिन्न व्यवसायों में प्रशिक्षणार्थियों को 16 से 23 जुलाई तक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस संबंध में संस्था के प्राचार्य डीपी डाहिरे ने बताया कि छात्र-छात्राओं को स्मार्टफोन टेक्निशियन कम एप टेस्टर, कोपा, सोलर टेक्निशियन, आईओटी टेक्नीशियन स्मार्ट हेल्थकेयर सहित मैकेनिक कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक एप्लायसेंस का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

NAME CHANGE

It is Inform to the general public that I **Nirmal Kumar Prajapati S/O Mohanlal Prajapati** resident of H.No 144 Boriakhurd Road, Santoshi nagar opposite Motinagar Raipur (C.G.) have changed my old name **NIRMAL KUMAR PRAJAPATI S/O MOHANLAL PRAJAPATI**.

So in future i should be recognized by my name that is **NIRMAL PRAJAPATI S/O MOHANLAL PRAJAPATI**, in all goverment and other documents.

NIRMAL PRAJAPATI
Boriakhurd Road,
opp. Motinagar
Raipur (C.G.)

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है मेरे पक्षकार ने विक्रेता अलीशा, पिता श्री दिनेश मालती किन्नर, निवासी वार्ड क्रमांक 10, सीतामणी रेलवे स्टेशन रोड नाहरपारा कोरबा टाउन कोरबा छत्तीसगढ़, वर्तमान पता B 2/8 लोटस टावर फेस 1 ढेबर सिटी भाटागांव रायपुर छत्तीसगढ़ के मालिक हैं। जिसका क्षेत्रफल 820 वर्गफुट है वह इस संपत्ति को श्रीमती हर्षिता मानिकपुरी पति श्री अर्पित खरे पता नेहरू नगर पुलिस लाइन के सामने रायपुर छत्तीसगढ़ से टोकन राशि लेकर सौदा पक्का कर लिया है एवं बैनामा का पंजीयन कराना शेष है, अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति संस्था शासकीय अर्ध शासकीय बैंक बीमा वित्तीय संस्था निगम निकाय बोर्ड प्राधिकरण आदि किसी को भी किसी प्रकार की आपत्ति है तो ये आम सूचना प्रकाशन के सात दिन के भीतर अपनी उजर आपत्ति का दावा मेरे कार्यालय में सुसंगतमय दस्तावेज के साथ प्रस्तुत करें अन्यथा बाद म्याद की गई किसी भी प्रकार की उजर, आपत्ति या दावा के लिए मेरे पक्षकार पर कोई बंधनकारी नहीं होगा और यह अपनी पक्ष में रजिस्ट्री बैनामा करवा लेगा सो सूचना जाने।

रायपुर छत्तीसगढ़
दिनांक 11.07.25

रजनीश वर्मा (अधिवक्ता)
21, फर्स्ट फ्लोर विजेता कॉम्प्लेक्स
शास्त्री बाज़ार रायपुर छत्तीसगढ़
मो.नं. 9827175093

वाटर जग की खरीदी ही निरस्त हो चुकी है : देवलाल

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

भाजपा के प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा, बलौदाबाजार जिले के आदिवासी विकास विभाग द्वारा छात्रावास के लिए वाटर जग की जो खरीदी प्रस्तावित थी, उसे 23 फरवरी 2025 को ही जेम पोर्टल पर निरस्त कर दिया गया है। 32,499.50 प्रति जग की दर से 160 नग की कुल संभावित राशि 51 लाख का कोई भी भुगतान या आपूर्ति नहीं हुई है।

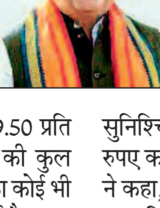

श्री ठाकुर ने कहा, जेम पोर्टल पर उत्पाद चयन एक प्रारंभिक प्रक्रिया है। इसके बाद मूल्य और गुणवत्ता का मूल्यांकन, अनुमोदन और अंतिम स्वीकृति की बहुस्तरीय प्रक्रिया होती है, जिसमें यह प्रस्ताव रद्द कर दिया गया। शासन के जेम पोर्टल के माध्यम से खरीदी के स्पष्ट दिशा-निर्देश हैं। सभी विभागीय खरीदी जेम पोर्टल के माध्यम से और भंडार क्रय नियमों के अनुसार ही की जाती है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि हर रुपए का सही उपयोग हो। श्री ठाकुर ने कहा, बिना पूरी जानकारी के एक प्रस्तावित (और रद्द हो चुकी) खरीदी को आधार बनाकर झूठे दावे करना, जनता की भावनाओं के साथ खिलवाड़ है और निंदनीय है।

HEALTH TOWN

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
रखें आपके सेहत का ख्याल
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953 एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
ओपीडी 50% Off
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

आयुर्वेद संजीवनी क्लीनिक
सेक्स, नामर्द, नपुंसकता, स्वप्न दोष, शीघ्रपतन, वैवाहिक जीवन की कमजोरी, आयुर्वेदिक दवा द्वारा शर्तिया इलाज, दवा की पहली खुराक से असर शुरू
त्वचा रोग, चर्म रोग, खाज-खुजली का आयुर्वेदिक इलाज | बवासीर, भगंदर का शर्तिया इलाज किया जाता है
डॉ. संजीव नवजीवन गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या. गेट, धमतरी रोड, पचपेड़ी नाका, रायपुर 9770705718

रामकथा आंख एवम् कान नाक गला अस्पताल
डॉ. संतोष जायसवाल एम.बी.बी.एस., एम.एस. (कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ) मो. 70891-60782
कान से मवाद एवं परदे में छिद्र का दूरबीन पद्धति द्वारा ऑपरेशन
बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सामने कर्मा धाम मंदिर गली बोरिया रोड संतोषी नगर रायपुर, फोन 0771-4001080

मेल इंफर्टिलिटी
शीघ्रपतन, लिंग में तनाव की कमी वीर्य की कमी, वेरीकोसील फायमोसिस का ईलाज
मेडिसीन शॉक वेव थैरेपी पी शॉट एवं सर्जरी द्वारा
डॉ. वैभव राज सिंह
एमबीबीएस एम.एस.- लेज़र व दूरबीन सर्जन
(MBBS, MS Surgery)
Laporoscopic Laser Surgeon
Call 9890716410
लेजर पाईल्स क्योर
पाल्स, फिशर, फिस्टुला, वेरीकोस वेन्स, पाईलोनाईडल साइनस का लेजर द्वारा सर्जरी, 24 घंटे में छुट्टी, बिना चीरा सभी दूरबीन व लेजर सर्जरी
श्री राम शांति मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल दही हाण्डी मैदान के सामने, श्रीनगर, गुढ़ियारी, रायपुर

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

धनेंद्र साहू ने एआईसीसी ओबीसी काउंसिल की बैठक में हुए शामिल

अभनपुर। बैंगलोर में आयोजित एआईसीसी के ओबीसी एडवाइजरी काउंसिल की बैठक में मंगलवार को छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री धनेंद्र साहू जी शामिल हुए। अखिल भारतीय कांग्रेस के ओबीसी विभाग के लिए गठित एडवाइजरी काउंसिल की पहली बैठक आज 15 जुलाई को बेंगलुरु में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के अध्यक्षता में हो रही है। इस बैठक में चार राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हुए हैं। बैठक में देश के पिछड़े वर्ग के प्रमुख मुद्दों पर चर्चा होगी। मुद्दों को जनता के बीच लाने अभियानों और कार्यक्रम पर चर्चा हो रही हैं। आगामी चुनाव को देखते हुए रणनीति बनाई जाएगी।

समोदा में प्लेसमेंट कर्मचारीयों का हड़ताल जारी

आरंग। नगर पंचायत समोदा मे प्लेसमेंट कर्मचारीयों का 4 माह से लंबित वेतन की मांग हेतु हड़ताल जारी है। जिससे नगर पंचायत का मुलभुत कार्य प्रभावित हो रहा है। साथ ही नागरिकों को भी भारी असुविधा हो रही है। हड़ताल के समर्थन मे आरंग जनपद सदस्य सभापति संजय चेलक, पूर्व नगर अध्यक्ष आजूराम वंशे, कांग्रेस कमेटी जोन अध्यक्ष शिवकुमार साहू, मिडिया प्रभारी युवा कांग्रेस पुनमचंद साहू, पूर्व सदस्य नारायण कुर्रे एवं पार्षद प्रतिनिधि लेखु साहू, शोभा साहू, वैशालिनी साहू, पार्षद प्रतिनिधि अमित राय एवं जोहार छत्तीसगढ़ क्रांति सेना जिला अध्यक्ष योगेश साहू एवं उनके समस्त पदाधिकारीगण उपस्थित होकर इन्हे समर्थन दिया। वही प्लेसमेंट कर्मचारी संघ समोदा अध्यक्ष शीतल पाड़े के द्वारा जब तक 4 माह का वेतन नहीं मिलेगा तब तक हड़ताल जारी रखने की जानकारी दी गई एवं मांग पुरी नहीं होने के स्थिति मे परिवार सहित उग्र आंदोलन करने की चेतावनी शासन प्रशासन को दिया।

चर्म शिल्पकार विकास बोर्ड अध्यक्ष ने किया पौधा रोपण

आरंग। सोमवार को छत्तीसगढ़ चर्म शिल्पकार बोर्ड अध्यक्ष ध्रुव कुमार मिर्धा ने रविदास नगर आरंग में अमलतास के पौधे रोपितकर हरियाली का संदेश दिया। इस अवसर उन्होंने कहा प्रकृति है तो हम है।

निधन

बीरसिंग पटेल

आरंग। मंगलवार को ग्राम गौरभाट निवासी 70 वर्षीय बीरसिंग पटेल का आकस्मिक निधन हो गया। वह दुर्गेश पटेल और सुरेंद्र पटेल के पिता थे। उनके अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में ग्रामीण और समाज के लोग शामिल हुए।

महंगाई भत्ता, समयमान वेतनमान व नियमितीकरण को लेकर रैली आज

हरिभूमि न्यूज ▸▸| आरंग

छत्तीसगढ़ कर्म.अधिकारी फेडरेशन के प्रांतीय इकाई के आह्वान एवं जिला ईकाई के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ के कर्मचारी-अधिकारीगण विधानसभा चुनाव के पूर्व मोदी की गारंटी के रूप जारी घोषणापत्र में सरकार द्वारा किए गए वादे के अनुरूप राज्य के कर्म.अधिकारी एवं पेंशनरों को केंद्र के समान देय दिनांक से महंगाई भत्ता प्रदान करने, पूर्व के लंबित महंगाई भत्ते की एरियर्स राशि को जीपीएफ खाते में समायोजित करने,सभी कर्मचारी-अधिकारियों को सेवाकाल के दौरान चार स्तरीय समयमान वेतनमान प्रदान करने, दैनिक वेतनभोगी एवं संविदा कर्मचारियों को नियमित करने, वर्तमान में लंबित दो प्रतिशत महंगाई भत्ता प्रदान करने सहित ग्यारह सूत्रीय लंबित मांगो को लेकर चरणबद्ध आंदोलन का आगाज किया है।

कर्म. अधिकारी फेडरेशन आरंग के संयोजक माणिक लाल मिश्रा ने बताया कि इसी क्रम में आरंग तहसील, ब्लॉक के समस्त कर्म. अधिकारीगण 16 जुलाई को वादा निभाओ रैली निकालकर मुख्य मंत्री, मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन के नाम ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी आरंग को सौंपकर निवेदन करेंगे।

ये हुए शामिल

छ.ग कर्म. अधि. फेडरेशन आरंग उपसंयोजक टी के बैस, महासचिव संतलाल साहू, संबद्ध संगठनो से डी के राहंगडाले, ओंकार प्रसाद वर्मा, भूखन चंद्राकर, शैलेन्द्र शुक्ल, धनेश कुमार बघेल, रामकुमार सिन्हा, केशव कुमार डहरिया, पीताम्बर दास मानिकपुरी, राहुल जोशी, हरीश दीवान, अरविन्द कुमार वैष्णव, विनोद चंद्राकर, छ ग कर्म. अधि. पेंशनर फोरम के अध्यक्ष लक्ष्मण प्रसाद पनका, जी आर टंडन, अनुराग तिवारी, एवन बंजारे, धनेश कुमार चंद्राकर, उपेन्द्र देशलहरे, प्रफुल्ल मांझी आदि ने वादा निभाओ रैली सभी कर्मचारी-अधिकारियों को शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

ट्रेनों में अब कन्फर्म यात्री ही कर रहे सफर, इसलिए नियमित सफाई से व्यवस्था में सुधार

वेटिंग घटते ही ट्रेनों में सफाई बेहतर, कम हुई गंदगी और शिकायतें, यात्रियों को राहत

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

भारतीय रेलवे बोर्ड के वेटिंग यात्रियों को सफर करने से रोक लगाने के बाद ट्रेनों में अनावश्यक भीड़ तो कम हुई ही है, साथ ही सफाई व्यवस्था भी पहले से बेहतर हो चुकी है। अब रेलवे ने ट्रेनों में वेटिंग यात्रियों की संख्या सीमित कर दी है, जिसमें रायपुर से गुजरने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों में जहां एक दिन में सफाई को लेकर शिकायत दर्जन से अधिक होती थी, जो अब सप्ताह में मिल रही है। हरिभूमि ने मंगलवार को आधा दर्जन से अधिक ट्रेनों में सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। वेटिंग यात्रियों के कम होने से बाथरूम, बेसिन साफ नजर आए। इसके अलावा सीट के नीचे भी कचरे की सफाई भी देखने को मिली। पहले स्लीपर कोच में भीड़ अधिक होने की स्थिति में नियमित सफाई नहीं हो पाती थी, लेकिन अब वेटिंग यात्रियों की भीड़ कम होने के बाद कोच में गंदगी भी कम हुई है। छत्तीसगढ़, गोंडवाना, संपर्कक्रांति, सारनाथ समेत दूसरे जोन की ट्रेन दरभंगा, समरसता, पूरी-अहमदाबाद समेत अन्य ट्रेनों में भी भीड़ कम होने से कोच में सफाई व्यवस्था से यात्रियों का सफर भी आरामदायक हो चुका है।

■ सफाई व्यवस्था बेहतर होने से रेलवे के लिए यात्रियों की नाराजगी हुई कम

शिकायतों में आई कमी

ट्रेनों में भीड़ कम होने से निश्चित रूप से सफाई व्यवस्था बेहतर हुई है। आमतौर पर भीड़ की वजह से सफाई कर्मचारियों को आने जाने में दिक्कत होती थी। अब ऐसी स्थिति नहीं है। नई व्यवस्था से सुधार हुआ है। शिकायतों में लगातार कमी हो रही है। त्योहारी सीजन में भी यात्रियों को सफर के दौरान अच्छा अनुभव मिलेगा।

अवधेश कुमार त्रिवेदी
सीनियर डीसीएम, रायपुर मंडल

डस्टबिन और बेसिन भी पूरी तरह साफ

ट्रेनों में ज्यादातर यात्रियों की शिकायत रहती थी कि डस्टबिन की गदंगी पूरे कोच में फैली हुई है। ऐसी स्थित अधिक यात्रियों के सफर करने से होती थी। शाम 3 बजे पुरी- अहमदाबाद में डस्टबिन में कचरा पूरी तरह साफ नजर आया। इसके अलावा बेसिन में गंदगी भी नहीं फैली हुई थी। शौचालय में साफ था। कोच में अनावश्यक भी भीड़ नहीं थी। केवल कन्फर्म टिकट वाले यात्री ही सफर कर रहे थे। इसी तरह छत्तीसगढ़ और गोंडवाना में सफाई को लेकर सबसे अधिक शिकायत होती थी। ट्रेन में जायजा लेने पर कोच में गंदगी नजर नहीं आई। डस्टबिन भी निर्धारित जगह पर था। गोंडवाना के शौचालय में भी गंदगी नहीं थी। छत्तीसगढ़ के स्लीपर कोच के सीट नीचे में भी प्लास्टिक झिल्लियां या फिर अन्य कचरा नजर नहीं आया।

हर दिन शिकायतों की मॉनिटरिंग

यात्रियों ने वेटिंग टिकट के साथ सफर बंद करने लगे हैं। नई व्यवस्था से इनकी संख्या भी कम हुई है। रेलवे का कहना है कि यात्रियों की लगातार भीड़ और सफाई को लेकर शिकायत कम हुई है। रोज शिकायतों की मॉनिटरिंग की जाती है। पहले सफाई को लेकर हर दिन दर्जनों शिकायत देखने को मिलती थी, जो अब काफी कम हो चुकी है। जून से जुलाई के बीच शिकायत का औसत कम हुआ है। हम विभाग के जिम्मेदार अधिकारी को व्यवस्था बेहतर करने का सीधे निर्देश दे रहे हैं। सफाई व्यवस्था को लेकर लोगों की नाराजगी कम हुई है।

मवेशियों से फसल बचाने रोका-छेका की मांग, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| आरंग

ग्राम नारा स्थित गौठान में रविवार को 25 ग्रामों से बड़ी संख्या में आए किसानों की उपस्थिति में सम्पन्न बैठक में खरीफ व उन्हारी फसलों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चर्चा हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि गांवों में घूमते मवेशियों के कारण धान के नाजुक पौधों को भारी नुकसान हो रहा है, जिससे न केवल वर्तमान फसल प्रभावित हो रही है, बल्कि आगामी तिलहन व दलहन फसलों की बुवाई भी संकट में पड़ सकती है।किसानों ने फसल सुरक्षा के लिए तत्काल रोका-छेका व्यवस्था को पुनः सक्रिय करने तथा प्रत्येक गांव में स्थित गौठानों में मवेशियों को रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। इस किसान हितकारी निर्णय को प्रशासन तक पहुंचाने के उद्देश्य से क्षेत्रीय जिला पंचायत सदस्य वतन चन्द्राकर ने एस.डी.एम. आरंग को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि यदि समय रहते रोका-छेका की व्यवस्था नहीं की गई, तो किसानों की मेहनत पर पानी फिर जाएगा, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति और अधिक कमजोर हो जाएगी। ज्ञापन में इस बात पर बल दिया गया कि गौठानों का निर्माण ही मवेशियों को नियंत्रित करने व फसल बचाने के उद्देश्य से हुआ था, परंतु वर्तमान में इनका उपयोग बंद हो जाने के कारण किसान फिर से संकट में आ गए हैं। चन्द्राकर ने एस.डी.एम. से मांग की कि किसान हित में इस निर्णय को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए ताकि फसलें सुरक्षित रह सकें और क्षेत्र के किसान आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने कहा कि खेती ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, और इसकी सुरक्षा करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।

अमानत में खयानत करने वाले आरोपी को नेवरा पुलिस ने किया गिरफ्तार

तिल्दा नेवरा। प्रार्थी अजीत पाल कोहका हाउसिंग बोर्ड निवासी ने नेवरा थाना में शिकायत दर्ज कर बताया कि रिश्ते में उनका भांजा अभिजीत सिंह बघेल पिता विष्णु सिंह बघेल उम्र 28 वर्ष पुजारी नगर टिकरापारा रायपुर निवासी प्रार्थी के पास कोहका आना-जाना करता था। लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व अभिजीत सिंह बघेल बोला कि ट्रेवल्स का काम करना है। मेरे ट्रैवल्स में अपनी गाड़ी लगा दो जहां प्रार्थी अपनी वैगन आर कार क्रमांक CG04 पीपी 6865 एवं कार क्रमांक सीजी 04 पी जे 2757 व दो एक्टिवा वाहन क्रमांक CG04 पीजे 1751 व सीजी 04 पीटी 2951 को दिया था, रिश्तेदारी में भांजा होने के कारण लिखा पढ़ी नहीं करवाया मौखिक रूप से दोनों वाहनों कार का भाड़ा 10-10 हजार रुपए एवं दोनों वाहनों का फाइनेंस मासिक किस्त क्रमशः 14080 व 13425 रुपए एवं एक्टिवा वाहन क्रमांक सी जी 04 पी टी 2951 का प्रतिमा फाइनेंस 3095 रुपए का उनके द्वारा भुगतान करने की बातचीत हुई, फिर शुरू शुरू में कुछ माह दोनों कार का भुगतान करने के बाद किस्त पटाना बंद कर दिया, एक्टिवा वाहन का कोई भी किस्त नहीं पटाया व आज तक किराया भाड़ा भी नहीं दिया और ना ही वाहनों को वापस कर रहा था। प्रार्थी द्वारा उसके घर में संपर्क करने पर घर पर नहीं मिल रहा था, जहां पर नेवरा पुलिस ने शिकायत के बाद मामला दर्ज कर लिया और सोमवार को आरोपी अभिजीत सिंह बघेल को धारा 316 (3) बीएनएस के गिरफ्तार किया गया है। साथ ही उसके कब्जे से एक कार और दो एक्टिवा वाहन को भी बरामद किया गया है।

गुरू खुशवंत पर हुए हमले की जांच को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

आरंग। समस्त सतनामी समाज आरंग द्वारा एसडीएम आरंग को गुरु खुशवंत साहेब के उपर हुए जानलेवा हमले की जांच, कड़ी कार्यवाही एवं सुरक्षा प्रदान करने के सम्बन्ध मे ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में उन्होंने बताया की सतनामी समाज के धर्मगुरू एवं विधायक गुरु खुशवंत साहेब के उपर हुए जानलेवा हमले से पूरा मानव समाज व्यथित है। यह हमला लोकतांत्रिक व्यवस्था, सामाजिक सद्भाव और संत परंपरा पर हमला है। गुरु खुशवंत धर्मगुरु के साथ ही एक लोकप्रिय जनप्रतिनिधि है जिनका प्रवास पूरे छत्तीसगढ़ के अलावा अन्य प्रदेशों में रहता है तथा अन्य प्रदेशो में भी लोकप्रिय है। सामाजिक व जनकल्यालकारी कार्यों के लिए उनका अन्य प्रदेशों में आना जाना लगा रहता है। उक्त कृत्य दर्शाता है कि कुछ तत्व राजनीतिक विद्वेष और वैचारिक दिवालियापन के चलते छत्तीसगढ़ को अशांत करने पर आमदा है। बेमेतरा के भोइनाभाठा में घटित हुई घटना की सूक्ष्म जांच करते हुए जो अपराधी है तत्काल उनकी गिरफतारी हो। गुरु खुशवंत साहेब की सुरक्षा की समीक्षा करते हुए उनकी सुरक्षा की स्थायी व्यवस्था के तहत जेड प्लस सुरक्षा प्रदान किया जाए। जिससे उनकी जान-माल की सुरक्षा बना रहे। जिससे एक जनप्रतिनिधी को समाज व लोक कल्याण के कार्य में सहूलियत हो। साथ ही छत्तीसगढ़ प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों में आना जाना सुरक्षित और सुनिश्चित हो सके। ज्ञापन सौपने वालो मे मुख्य रूप से अरविंद टंडन, दीपक सायतोड़े, अभय टंडन, भागीरथी कुर्रे, हीरालाल सोनवानी, धीरज बांधे, देवेश साहू आदि है।

मानसिक विकास पर केंद्रित मातृ-गोष्ठी का सरस्वती शिशु मंदिर में हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| तिल्दा नेवरा

सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तिल्दा, सासाहोली में मातृ- गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्यअतिथि बिन्देश्वरी वर्मा अभिभाविका, विशेष अतिथि तुलसी राम निषाद अभिभावक, शाला के प्राचार्य श्रवण कुमार साहू उपस्थित रहें। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती, ओम एवं मां भारती के छाया चित्रों पर दीप प्रज्वलित कर सरस्वती वंदना के साथ हर्षोल्लास वातावरण में किया गया। जिसमें कक्षा अरूण नर्सरी से द्वितीय कक्षा तक 105 माता-पिता एवं अभिभावकों की उपस्थिति रही। ज्ञानवी पाटिल के द्वारा मंचस्थ अतिथियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात विद्यालय की दीदी नीलम पाण्डेय के द्वारा उपस्थित माताओं को जानकारी दी कि स्वर्ण प्रासन औषधि खिलाने से बच्चों की शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक क्षमताओं का सतत विकास होता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ता है। इस औषधि को स्वर्ण भस्म, देशी गाय की घी एवं अन्य आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों को मिला कर बनाया जाता है। जिन्हें शुभ मुहूर्त में प्रत्येक मास के पुष्य नक्षत्र के दिन मंत्रोच्चारण के साथ एक माह के शिशु से लेकर 12 वर्ष तक बच्चों को खिलाये जा सकते हैं। जिससे बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता के साथ शारीरिक, बौद्धिक एवं मानसिक विकास भी होता है। अंत में कल्याण मंत्र के साथ मातृ-गोष्ठी कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम को सम्पन्न कराने में कक्षाअरुण से द्वितीय कक्षा तक के सभी दीदियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

प्लास्टिक से बचने के लिए जागरूकता अभियान शुरू

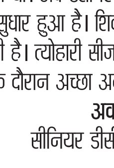

तिल्दा नेवरा। रानी सौरभ जैन पर्यावरण की रक्षा के लिए प्लास्टिक से बचने के महत्व को समझाने के लिए एक जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और पर्यावरण को बचाने के लिए प्रेरित करना है। तिल्दा नेवरा नगर पालिका परिषद की पार्षद सामाजिक कार्यकर्ता सभापति शिक्षा, स्वास्थ्य रानी सौरभ जैन ने अपने वार्ड सहित नगर के विभिन्न क्षेत्र के महिलाओं से संपर्क कर अपील करते हुए कहा कि नागरिकों को रीयूज़ेबल बैग, स्टील की बोतलें, और पेपर का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, इसके अलावा प्लास्टिक को रिसाइकल करने और उसका सही तरीके से निपटान करने के महत्व पर भी जोर दिया दिया जाना चाहिए।जैन का कहना है। हमें लगता है कि प्लास्टिक से बचने के लिए हमें सभी को मिलकर काम करना होगा। हमें अपने दैनिक जीवन में प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और पर्यावरण को बचाने के लिए प्रयास करना होगा। जैन ने नगर के सभी नागरिको, व्यापारी वर्ग से अपील करते हुए कहा कि आप भी इस अभियान में शामिल हो सकते हैं।

उद्योगों की मनमानी पर विधानसभा में गरमाई बहस विधायक शर्मा ने पूछे सवाल

हरिभूमि न्यूज ▸▸| धरसींवा

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र 2025 के दूसरे दिन धरसींवा विधायक अनुज शर्मा ने अपने क्षेत्र में मनमाने ढंग से संचालित हो रहे उद्योगों पर तीखे सवाल उठाए, जिससे उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन असहज नजर आए और अपनी ही सरकार में घिरते दिखाई दिए। विशेष रूप से इंडस्ट्रीज, सिलतरा के ब्लास्ट फर्नेस और पावर प्लांट के संचालन को लेकर विधायक शर्मा ने कई महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे। हालांकि, पूर्व के सवालों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जायसवाल निको प्लांट की जांच में लगभग 71 धाराओं का उल्लंघन पाया गया था। इनमें कारखाना अधिनियम, न्यूनतम वेतन अधिनियम, संविदा श्रमिक अधिनियम, वेतन भुगतान अधिनियम, समान पारिश्रमिक अधिनियम, उपादान भुगतान अधिनियम, और श्रम कल्याण निधि अधिनियम जैसे कई महत्वपूर्ण कानून शामिल थे। यह भी सामने आया था कि प्लांट प्रबंधन द्वारा 3 दिनों के भीतर दिए गए जवाब से विभाग संतुष्ट होकर मामले को बंद कर दिया गया था।

रामलला दर्शन यात्रा में आरंग के श्रद्धालु हुए शामिल

आरंग। छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के रजत जयंती वर्ष में प्रदेशवासियों को श्रीराम लला के दर्शन का सौभाग्य प्रदान करने की दिशा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल से श्री रामलला दर्शन योजना जन-जन के जीवन से जुड़ रही है। इस योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली विशेष ट्रेन 15 जुलाई को रायपुर रेलवे स्टेशन से अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई। इस यात्रा में आरंग ब्लॉक के 100 यात्री शामिल हुए। ब्लॉक मुख्यालय आरंग में इन सभी यात्रियों के बस को झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर तारकेश्वरी मुरली साहू जनपद अध्यक्ष आरंग, देवनाथ साहू मंडल अध्यक्ष आरंग, डॉ संदीप जैन अध्यक्ष नगर पालिका परिषद आरंग, केके भारद्वाज वरिष्ठ नेता भाजपा, सूरज साहू, टिकेश्वर ग्रीतलहरे, ज्ञानी साहू सहित भाजपा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

पेज 11 के शेष...

स्पीकर ने कहा- मुद्दे पर...

इसके बाद कांग्रेस सदस्यों ने सरकार पर अवैध रेत खनन को संरक्षण देने का आरोप लगाया और सदन से बहिर्गमन किया।

सरकार ने कहा पारदर्शी...

अंतिम चरण में है। साथ ही, आगामी 1 से 1.5 वर्षों में 300 से अधिक नई खदानों को स्वीकृति दिए जाने की योजना है, जिससे रेत की आपूर्ति सुलभ बनी रहेगी और निर्माण कार्यों को गति मिलेगी।

फरार रोहित की...

मोबाइल के जरिए बातचीत भी हो रही है। इस सबूत के आधार पर पुलिस ने भावना से पूछताछ की कि दोनों भाई कहां छिपे हुए हैं। पुलिस सूत्रों से यह भी पता चला कि पूछताछ में रोहित की पत्नी सहयोग नहीं कर रही हैं। पुलिस के अनुसार, भावना भी जमीन की खरीदी-बिक्री में तोमर भाइयों के साथ संलिप्त थी और बकायदा एक कंपनी भी बना रखी थी। पुलिस ने भावना के खिलाफ बीएनएस की धारा 308(2) 111(1) धारा 4 छत्तीसगढ़ ऋणियों का संरक्षण अधिनियम के तहत जुर्म दर्ज किया है। तेलीबांधा क्षेत्र में एक व्यवसायी से मारपीट की घटना की शिकायत पर पुलिस ने दोनों भाइयों पर शिकंजा कसना शुरू किया। हालांकि इससे पहले भी दोनों भाइयों के खिलाफ थाने में सूदखोरी, धमकाने और मारपीट जैसे कई मामले दर्ज थे। दोनों भाई पहले ब्याज पर पैसे उधार देते थे और फिर अपने सहयोगियों एवं बाउंसरों की मदद से उधार लेने वालों को डरा-धमका कर उनसे मूलधन के अलावा कई गुना ब्याज वसूल किया करते थे। दोनों भाइयों के चंगुल में फंसकर कई लोगों को लाखों रुपए से हाथ धोना पड़ा है। इसका पर्दाफाश तब हुआ, जब पुलिस ने दोनों भाइयों पर अपना शिकंजा कसना शुरू किया। सिविल लाइन, तेलीबांधा, पुरानी बस्ती थाने में कई प्रकरण दर्ज तोमर भाइयों के विरुद्ध सिविल लाइन, तेलीबांधा, पुरानी बस्ती सहित अन्य थाने में कई प्रकरण दर्ज हैं। ज्यादातर प्रकरणों में अवैध वसूली, मारपीट, जान से मारने की धमकी, ब्लैकमेल के तहत अपराध दर्ज किए गए हैं। सूत्रों के अनुसार तोमर भाइयों ने कई लोगों की जमीन पर भी कब्जा किया हुआ है। अभी तक दोनों भाइयों की गुंडागर्दी के कारण लोग उनके खिलाफ शिकायत नहीं कर रहे थे, लेकिन पुलिस कार्रवाई को देखते हुए लोग भी अब सामने आकर उनके खिलाफ शिकायत दर्ज करा रहे हैं। जैगुआर कार भी गिरवी की निकली, 3 लाख की जगह 8 लाख दे चुका है मालिक

सूत्रों के अनुसार हिस्ट्रीशीटर तोमर भाइयों के घर से जब्त की गई लग्जरी जैगुआर कार भी गिरवी की निकली। यह कार भिलाई निवासी किसी मनोज वर्मा नामक व्यक्ति की है, जिसने पांच साल पहले 15 लाख की कार गिरवी रखकर 3 लाख रुपए उधार लिए थे,इसके बाद भी उससे 10 लाख रुपए की मांग की जा रही थी और कार को नहीं लौटा रहे थे। बताया जा रहा है कि इस मामले में भी तोमर भाइयों के विरुद्ध अपराध दर्ज करने की कार्यवाही चल रही है।

घर से मिले हथियार...

नकदी 37 लाख रुपए, 860 ग्राम सोने-चांदी के जेवर, महंगी कार बीएमडब्ल्यू, थार, ब्रेजा, कई प्रॉपर्टी के दस्तावेज, नोट गिनने की मशीन, लेन-देन संबंधी रजिस्टर बरामद हुए। इसके अलावा एक तलवार, एक पिस्टल, एक रिवाल्वर, जिंदा राउंड, आवाजी कारतूस, 5 तलवार, एक बुलेट भी जब्त की। इसके बाद पुलिस ने तोमर भाइयों की तलाश करने उनके कई करीबियों के यहां भी छापा मारा। इस दौरान कुछेक करीबियों के यहां से भी बेनामी चल-अचल संपत्ति का भी पता चला था।

निजी विवि में बढ़े...

और डिग्री गर्ल्स कॉलेज की अधिकतर सीटें भर जाया करती थीं। यहां भी सीटें पूर्ण रूप से भरने तीसरे चरण तक इंतजार करना पड़ रहा है। इसके उलट निजी विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या में इजाफा हुआ है। निजी विश्वविद्यालयों में उपस्थिति को लेकर किसी तरह की कड़ाई नहीं बरती जा रही है। सालभर अनुपस्थित रहने वाले छात्रों को भी परीक्षा में बैठने की इजाजत दी जा रही है। जबकि शासकीय विवि से संबद्ध महाविद्यालयों में 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होती है। शासकीय विवि से संबद्ध महाविद्यालय अपनी सीटें भरने के लिए कड़ी मशक्कत कर रहे हैं। जिन छात्रों के नाम सूची में आए हैं, लेकिन वे प्रवेश के लिए नहीं पहुंच सके हैं, ऐसे विद्यार्थियों को प्रबंधन द्वारा फोन भी किए जा रहे हैं।

खबर संक्षेप

सीएम से राज्य पुलिस सेवा के अफसरों ने की सौजन्य भेंट

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से विधानसभा स्थित कार्यालय में राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों ने सौजन्य भेंट कर मंत्रिपरिषद की बैठक में वर्ष 2005 से 2009 बैच तक के अर्हकारी सेवा अवधि पूर्ण कर चुके अधिकारियों को वरिष्ठ प्रवर श्रेणी वेतनमान प्रदान किए जाने के निर्णय हेतु आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि 11 जुलाई को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य पुलिस सेवा संवर्ग के समुचित प्रबंधन हेतु 30 सांख्येतर पदों का सृजन करते हुए वरिष्ठ प्रवर श्रेणी वेतनमान प्रदान करने का निर्णय लिया गया। यह निर्णय उन अधिकारियों के लिए लिया गया है जिन्होंने सेवा में निर्धारित अर्हता अवधि पूर्ण कर ली है। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले, कीर्तन राठौर, अनंत साहू, डॉ. संगीता माहेलकर एवं प्रज्ञा मेश्राम उपस्थित थीं।

तैराकी प्रतियोगिता के विजेताओं का सम्मान

रायपुर। रायपुर डिस्ट्रिक्ट स्वीमिंग द्वारा सब-जूनियर बालक-बालिका जिला स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह स्पर्धा जीई रोड स्थित अंतर्राष्ट्रीय तरणताल में मंगलवार को हुई। जिसमें मुख्य अतिथि स्वामी आत्मानंद वार्ड के पार्षद आनंद अग्रवाल ने विजेता तैराकों को पुरस्कृत किया। इसी दौरान संघ के अध्यक्ष डॉ. मनीष शुक्ला और सचिव नरसिंह नाथा फरिकार ने विजेता तैराकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि चयनित तैराक आगामी राज्यस्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में रायपुर दल का प्रतिनिधित्व करेंगे।

एचपीसीएल के स्थापना दिवस पर लगाए एक हजार पौधे

रायपुर। छतौना स्थित एचपीसीएल के नए पीओएल डिपो में कंपनी का 51वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर डिपो परिसर में एक हजार पौधों का रोपण किया गया, जिसमें मुख्य रूप से नीम, आम, कटहल, अशोक, नीबू, काजू आदि हैं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि नापतौल उपनियंत्रक बीआर सिदार के अलावा डिपो मुख्य प्रबंधक गौतम कुमार, वरिष्ठ परियोजना प्रबंधक अमित कुमार, जयश्री एवं अन्य डिपो के स्टाफ सहित छग एचपीसीएल डीलर एसोशिएसन के अध्यक्ष विजय पांडे, सचिव राजेश तल्लेवार, उपाध्यक्ष आशुतोष साव, कोषाध्यक्ष सचिन अग्रवाल के अलावा आसिफा खान, प्रियांशु पांडे आदि उपस्थित रहे।

निधन

आरतीबेन देसाई

रायपुर। शिवानंद नगर सेक्टर-2 निवासी आरतीबेन देसाई (48) का

15 जुलाई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार देवेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे केतनभाई देसाई की पत्नी, प्रवीणभाई देसाई, निर्मलाबेन देसाई की पुत्रवधू और संजयभाई, स्मिताबेन की भाभी थीं।

लक्खा सिंह राणा

रायपुर। टैगोर नगर निवासी सरदार लक्खा सिंह राणा (87) का 15

जुलाई को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 16 जुलाई को दोपहर 12 बजे उनके निवास स्थान से न्यू राजेंद्र नगर मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे बलजीत सिंह राणा, बुध सिंह राणा के पिता थे।

महिला आयोग पहुंचा अनोखा प्रकरण, पत्नी-पुत्र से संबंध होने से किया इंकार, डीएनए जांच के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग में मंगलवार को एक अनोखे प्रकरण पर सुनवाई हुई, जिसमें एक व्यक्ति ने एक बच्चे की मां को अपनी पत्नी मानने से इनकार किया है। इस प्रकरण में आयोग ने महिला, बच्चे और व्यक्ति तीनों का छत्तीसगढ़ के फॉरेंसिक लैब से डीएनए जांच कराने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने इस संबंध में कवर्धा और गरियाबंद के कलेक्टर को पत्र भी लिखा है, जिसमें डीएनए जांच की संपूर्ण प्रक्रिया को दोनों जिलों के पुलिस अधीक्षकों की निगरानी में कराए जाने के लिए कहा गया है।

अलग खबर

आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक, सदस्य लक्ष्मी वर्मा, सरला कोसरिया व ओजस्वी मंडावी ने छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग के कार्यालय रायपुर में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों पर सुनवाई की। इस सुनवाई में राजिम गरियाबंद निवासी एक महिला ने शिकायत की थी कि उसका पति उसे और उसके बेटे को अपना मानने से इनकार कर रहा है। आयोग की सुनवाई के दौरान भी अनावेदक ने महिला और उसके बेटे से संबंध होने से इनकार किया है। इसके बाद आयोग ने तीनों का डीएनए टेस्ट मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी गरियाबंद छत्तीसगढ़ के फॉरेंसिक लैब से कराए जाने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर कवर्धा व गरियाबंद को डीएनए जांच कराने आयोग ने भेजा पत्र

भरण-पोषण के लिए हर माह देना होगा दो हजार

आयोग ने एक अन्य प्रकरण में एक व्यक्ति को निर्देश दिए हैं कि तलाक हुई पत्नी को भरण-पोषण के लिए हर महीने दो हजार रुपए तब तक देना होगा जब तक आवेदिका दूसरा विवाह नहीं कर लेती। इस प्रकरण में महिला ने शिकायत की थी कि उसने रजामंदी के साथ अपने पति से तलाक लिया था, लेकिन तलाक के ऑर्डरशीट में यह उल्लेखित है कि भरण-पोषण का अधिकार आवेदिका के पास सुरक्षित है। महिला ने जब अनावेदक से भरण -पोषण के लिए हर महीने दो हजार रुपए मांगे, तो उसने इससे इनकार कर दिया। आयोग ने इस मामले में सुनवाई करने के बाद अनावेदक को प्रति माह की 10 तारीख तक आवेदिका के खाते में 2 हजार रुपए जमा करने के निर्देश दिए हैं।

ट्रेनों में अब कन्फर्म यात्री ही कर रहे सफर, इसलिए नियमित सफाई से व्यवस्था में सुधार

वेटिंग घटते ही ट्रेनों में सफाई बेहतर, कम हुई गंदगी और शिकायतें, यात्रियों को राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारतीय रेलवे बोर्ड के वेटिंग यात्रियों को सफर करने से रोक लगाने के बाद ट्रेनों में अनावश्यक भीड़ तो कम हुई ही है, साथ ही सफाई व्यवस्था भी पहले से बेहतर हो चुकी है। अब रेलवे ने ट्रेनों में वेटिंग यात्रियों की संख्या सीमित कर दी है, जिसमें रायपुर से गुजरने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों में जहां एक दिन में सफाई को लेकर शिकायत दर्जन से अधिक होती थी, जो अब सप्ताह में मिल रही है। हरिभूमि ने मंगलवार को आधा दर्जन से अधिक ट्रेनों में सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। वेटिंग यात्रियों के कम होने से बाथरूम, बेसिन साफ नजर आए। इसके अलावा सीट के नीचे भी कचरे की सफाई भी देखने को मिली। पहले स्लीपर कोच में भीड़ अधिक होने की स्थिति में नियमित सफाई नहीं हो पाती थी, लेकिन अब वेटिंग यात्रियों की भीड़ कम होने के बाद कोच में गंदगी भी कम हुई है। छत्तीसगढ़, गोंडवाना, संपर्कक्रांति, सारनाथ समेत दूसरे जोन की ट्रेन दरभंगा, समरसता, पुरी-अहमदाबाद समेत अन्य ट्रेनों में भी भीड़ कम होने से कोच में सफाई व्यवस्था से यात्रियों का सफर भी आरामदायक हो चुका है।

- सफाई व्यवस्था बेहतर होने से रेलवे के लिए यात्रियों की नाराजगी हुई कम

शिकायतों में आई कमी

ट्रेनों में भीड़ कम होने से निश्चित रूप से सफाई व्यवस्था बेहतर हुई है। आमतौर पर भीड़ की वजह से सफाई कर्मचारियों को आने जाने में दिक्कत होती थी। अब ऐसी स्थिति नहीं है। नई व्यवस्था से सुधार हुआ है। शिकायतों में लगातार कमी हो रही है। त्योहारी सीजन में भी यात्रियों को सफर के दौरान अच्छा अनुभव मिलेगा।

अवधेश कुमार त्रिवेदी
सीनियर डीसीएम, रायपुर मंडल

डस्टबिन और बेसिन भी पूरी तरह साफ

ट्रेनों में ज्यादातर यात्रियों की शिकायत रहती थी कि डस्टबिन की गदंगी पूरे कोच में फैली हुई है। ऐसी स्थित अधिक यात्रियों के सफर करने से होती थी। शाम 3 बजे पुरी- अहमदाबाद में डस्टबिन में कचरा पूरी तरह साफ नजर आया। इसके अलावा बेसिन में गंदगी भी नहीं फैली हुई थी। शौचालय में साफ था। कोच में अनावश्यक भी भीड़ नहीं थी। केवल कन्फर्म टिकट वाले यात्री ही सफर कर रहे थे। इसी तरह छत्तीसगढ़ और गोंडवाना में सफाई को लेकर सबसे अधिक शिकायत होती थी। ट्रेन में जायजा लेने पर कोच में गंदगी नजर नहीं आई। डस्टबिन भी निर्धारित जगह पर था। गोंडवाना के शौचालय में भी गंदगी नहीं थी। छत्तीसगढ़ के स्लीपर कोच के सीट नीचे में भी प्लास्टिक झिल्लियां या फिर अन्य कचरा नजर नहीं आया।

हर दिन शिकायतों की मॉनिटरिंग

यात्रियों ने वेटिंग टिकट के साथ सफर बंद करने लगे हैं। नई व्यवस्था से इनकी संख्या भी कम हुई है। रेलवे का कहना है कि यात्रियों की लगातार भीड़ और सफाई को लेकर शिकायत कम हुई है। रोज शिकायतों की मॉनिटरिंग की जाती है। पहले सफाई को लेकर हर दिन दर्जनों शिकायत देखने को मिलती थी, जो अब काफी कम हो चुकी है। जून से जुलाई के बीच शिकायत का औसत कम हुआ है। हम विभाग के जिम्मेदार अधिकारी को व्यवस्था बेहतर करने का सीधे निर्देश दे रहे हैं। सफाई व्यवस्था को लेकर लोगों की नाराजगी कम हुई है।

महापौर मीनल चौबे इज़राइल दौरे पर, शहरी प्रबंधन, नवाचार पर करेंगी अनुभव साझा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगर निगम की महापौर मीनल चौबे एक महत्वपूर्ण आधिकारिक दौरे पर इज़राइल रवाना हुई हैं। यह दौरा शहरी विकास, जल प्रबंधन और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में इज़राइल की आधुनिक तकनीकों और नवाचारों का अध्ययन करने के उद्देश्य से किया गया है। अपने दौरे में रायपुर महापौर मीनल चौबे शहरी प्रबंधन और नवाचार पर अपने अनुभव भी साझा करेंगी।

- इज़राइल में भारत के राजदूत जेपी सिंह से हुई चर्चा

इज़राइल में इंटरनेशनल कांफ्रेंस और एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें रायपुर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे भारत के महापौरों के प्रतिनिधिमंडल के साथ शामिल होंगी। आयोजन में विश्वभर के नगर प्रशासक, नीति-निर्माता एवं शहरी विशेषज्ञ नगरीय जीवन की चुनौतियों, नवाचारों और समाधानों पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। इज़राइल पहुंचने पर महापौर मीनल चौबे की मुलाकात इज़राइल में भारत के राजदूत जेपी सिंह से हुई।

चर्चा के दौरान राजदूत श्री सिंह ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शुभकामना संदेश भी प्रेषित किया। उन्होंने भारत-इज़राइल संबंधों की मजबूती, आपसी सहयोग की संभावनाओं और द्विपक्षीय संबंधों के बढ़ते आयामों पर भी विस्तार से बात की। यह यात्रा इज़राइल की मिनिस्ट्री ऑफ फॉरेन अफेयर्स द्वारा आमंत्रित की गई है और संपूर्ण यात्रा व्यय इज़राइल सरकार द्वारा वहन किया गया है। यात्रा से पूर्व नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय के सचिव अरुण कुमार चटर्जी से महापौर मीनल चौबे ने शिष्टाचार भेंट की, जिसमें उन्हें इज़राइल में प्रस्तावित कार्यक्रमों, तकनीकी विषयों एवं शहरी योजनाओं की जानकारी दी गई।

आधा दर्जन से ज्यादा इलाकों में सुबह नहीं आया पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगर निगम जोन 1 क्षेत्र के यतियतन लाल वार्ड की गंगानगर-गोवर्धन नगर पानी टंकी के वाल्व में खराबी आने से मंगलवार सुबह 7 मोहल्ले में जल आपूर्ति प्रभावित रही। 32 लाख लीटर की क्षमता वाली इस पानी टंकी के वाल्व में 14 तारीख को खराबी आने से सोमवार के दिन शाम के समय पानी आपूर्ति बाधित रही। सुधार कार्य चलने के कारण मंगलवार सुबह भी 7 मोहल्लों में लोगों को पानी नहीं मिल पाया। प्रभावित इलाके में नगर निगम के जल विभाग ने पानी टैंकर भेजकर लोगों की प्यास बुझाई।

- टंकी के वाल्व में खराबी, नया वाल्व लगाने के कारण पूरी नहीं भर पाई टंकी
- गंगानगर-गोवर्धन नगर की 32 लाख लीटर की पानी टंकी का वाल्व हुआ था खराब

शहर से लगी गोंदवारा बस्ती, गोवर्धन नगर, सरदार टिंबर मार्केट क्षेत्र, न्यू गोंदवारा, बिहारी मोहल्ला, न्यू आनंद नगर, रामेश्वर नगर भनपुरी, केबिनपारा में मंगलवार सुबह लोगों के घरों में पानी नहीं आया। इससे इन इलाकों के रहवासी परेशान रहे। गंगानगर-गोवर्धन नगर पानी टंकी का वाल्व खराब होने से नया वाल्व लगाने के कारण यह टंकी सिर्फ 2.5 मीटर ही भर पायी। इसके कारण 7 रहवासी इलाकों में मंगलवार सुबह जल आपूर्ति बाधित रही। जल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि शाम के समय संबंधित इलाकों में नियमित आपूर्ति होगी।

आपातकाल पर निबंध प्रतियोगिता की अंतिम तिथि अब 30 जुलाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

लोकतंत्र सेनानी संघ, छत्तीसगढ़ के सहयोगी संगठन लोकतंत्र प्रहरी द्वारा आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने एवं संविधान हत्या दिवस के अवसर पर प्रदेश स्तरीय निबंध प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है।

इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के लिए विषय संविधान हत्या दिवस की सार्थकता तथा विद्यालय स्तर के विद्यार्थियों के लिए विषय आपातकाल कभी विस्मृत न हो निर्धारित किया गया है। लोकतंत्र प्रहरी के राष्ट्रीय संयोजक सच्चिदानंद उपासने एवं प्रदेश अध्यक्ष विशाल राजहंस ने बताया, प्रतियोगिता में दोनों स्तरों पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को क्रमशः 31 हजार, 21 हजार एवं 11 हजार के नगद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। साथ ही, 10 प्रोत्साहन पुरस्कार भी दिए जाएंगे।

इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों के

विद्यालय/महाविद्यालय के प्राचार्यों को भी सम्मानित किया जाएगा। पूर्व में निर्धारित अंतिम तिथि 15 जुलाई थी, जिसे अब विशेष आग्रह पर 30 जुलाई 2025 तक बढ़ा दिया गया है। प्रतियोगी अपने निवास स्थान से ही निबंध लिखकर, संबंधित संस्था के प्राचार्य की अनुशंसा के साथ, लोकतंत्र सेनानी संघ, प्रांतीय कार्यालय (उपासने निवास), सेक्टर-3, सड़क-3, प्रोफेसर कॉलोनी, वामन राव लाखे वार्ड क्रमांक-66, रायपुर के पते पर भेज सकते हैं।

मेडिकल कालेजों के आधा दर्जन गैर क्लीनिकल विभाग में पीएचडी शिक्षकों की संख्या होगी दोगुनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

चिकित्सा महाविद्यालयों में संचालित गैर क्लीनिकल विभागों में शिक्षकों की कम संख्या को देखते हुए पीएचडी टीचर्स की संख्या 15 से बढ़ाकर 30 फीसदी कर दी गई है। इसके साथ ही माइक्रोबायोलॉजी, फार्मकोलॉजी में एमडी शिक्षकों की अनिवार्यता को भी शिथिल कर दिया गया है। एनएमसी द्वारा चिकित्सा शिक्षकों की नियुक्ति के संबंध में बनाए गए वर्ष 2023 के नियम में संशोधन किया है।

जानकारी के अनुसार दो साल पहले संबंधित विषय में एमएससी और पीएचडी करने वाले को मेडिकल कालेज में संचालित होने वाले माइक्रोबायोलॉजी, फार्मकोलॉजी, एनाटॉमी, बायोकेमेस्ट्री और फिजियोलॉजी के छात्रों को पढ़ाने दी जाने वाली नियुक्ति का विरोध किया गया था। इसके बाद राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एनएमसी) द्वारा उनकी संख्या घटाकर 15 फीसदी कर दी गई थी। दो साल तक इस नियम को लागू किया गया, इसके बाद पर्याप्त संख्या में विषय विशेषज्ञ यानी एमडी डाक्टर नहीं मिलने की दिक्कतों को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2025-26 में एनएमसी ने पुनः नियम में संशोधन करते हुए हुए इन विभागों में गैर चिकित्सा शिक्षकों की संख्या 30 फीसदी तक बढ़ा दी गई है। यानी इन विभागों में अगर विषय विशेषज्ञ शिक्षक नहीं मिलते तो 10 में से 3 डाक्टर पीएचडी धारक की नियुक्ति की जा सकती है।

नियम में संशोधन

- विषय विशेषज्ञ नहीं मिलने पर अब 30 फीसदी गैर चिकित्सा शिक्षकों की होगी नियुक्ति
- माइक्रोबायोलॉजी, फार्मकोलॉजी में एमडी शिक्षकों की अनिवार्यता भी शिथिल की गई

निजी कालेजों में बढ़ेगी संख्या

सूत्रों का कहना है कि एनएमसी द्वारा किए गए नियम में संशोधन के बाद निजी कालेजों में एमएससी और संबंधित विषय में पीएचडी करने वालों की संख्या में बढ़ जाएगी। उनका तर्क है कि एमबीबीएस के बाद संबंधित विषयों में एमडी करने वाले डाक्टरों के ज्यादा वेतन देना पड़ता है। गैर चिकित्सा शिक्षकों की नियुक्ति कम वेतन पर आसानी से हो जाएगी। प्रदेश में पीएचडी धारक चिकित्सा शिक्षकों की संख्या काफी है।

एमबीबीएस छात्रों को डेढ़ सौ सीट का नुकसान

रिश्वतखोरी के मामले में सीबीआई जांच के दायरे में आए रावतपुरा निजी मेडिकल कालेज में वर्ष 2025-26 में एमबीबीएस के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। एनएमसी द्वारा जारी किए गए इस आदेश के बाद राज्य में चिकित्सा की पढ़ाई करने वाले 150 छात्रों की सीटों का नुकसान हो गया है। प्राइवेट कालेज में पढ़ाई का शौक रखने वालों के पास अब चार कालेज का विकल्प रहेगा। रावतपुरा कालेज में एमबीबीएस की पढ़ाई पिछले साल से प्रारंभ हुई थी। पुराने छात्रों की पढ़ाई पर जीरो ईयर का असर नहीं होगा।

पेज 11 के शेष

स्पीकर ने कहा- मुद्दे पर...

इसके बाद कांग्रेस सदस्यों ने सरकार पर अवैध रेत खनन को संरक्षण देने का आरोप लगाया और सदन से बहिर्गमन किया।

सरकार ने कहा पारदर्शी...

अंतिम चरण में है। साथ ही, आगामी 1 से 1.5 वर्षों में 300 से अधिक नई खदानों को स्वीकृति दिए जाने की योजना है, जिससे रेत की आपूर्ति सुलभ बनी रहेगी और निर्माण कार्यों को गति मिलेगी।

फरार रोहित की...

मोबाइल के जरिए बातचीत भी हो रही है। इस सबूत के आधार पर पुलिस ने भावना से पूछताछ की कि दोनों भाई कहां छिपे हुए हैं। पुलिस सूत्रों से यह भी पता चला कि पूछताछ में रोहित की पत्नी सहयोग नहीं कर रही हैं। पुलिस के अनुसार, भावना भी जमीन की खरीदी-बिक्री में तोमर भाइयों के साथ संलिप्त थी और बकायदा एक कंपनी भी बना रखी थी। पुलिस ने भावना के खिलाफ बीएनएस की धारा 308(2) 111(1) धारा 4 छत्तीसगढ़ ऋणियों का संरक्षण अधिनियम के तहत जुर्म दर्ज किया है।

तेलीबांधा क्षेत्र में एक व्यवसायी से मारपीट की घटना की शिकायत पर पुलिस ने दोनों भाइयों पर शिकंजा कसना शुरू किया। हालांकि इससे पहले भी दोनों भाइयों के खिलाफ थाने में सूदखोरी, धमकाने और मारपीट जैसे कई मामले दर्ज थे। दोनों भाई पहले ब्याज पर पैसे उधार देते थे और फिर अपने सहयोगियों एवं बाउंसरों की मदद से उधार लेने वालों को डरा-धमका कर उनसे मूलधन के अलावा कई गुना ब्याज वसूल किया करते थे। दोनों भाइयों के चंगुल में फंसकर कई लोगों को लाखों रुपए से हाथ धोना पड़ा है। इसका पर्दाफाश तब हुआ, जब पुलिस ने दोनों भाइयों पर अपना शिकंजा कसना शुरू किया।

सिविल लाइन, तेलीबांधा, पुरानी बस्ती थाने में कई प्रकरण दर्ज- तोमर भाइयों के विरुद्ध सिविल लाइन, तेलीबांधा, पुरानी बस्ती सहित अन्य थाने में कई प्रकरण दर्ज हैं। ज्यादातर प्रकरणों में अवैध वसूली, मारपीट, जान से मारने की धमकी, ब्लैकमेल के तहत अपराध दर्ज किए गए हैं। सूत्रों के अनुसार तोमर भाइयों ने कई लोगों की जमीन पर भी कब्जा किया हुआ है। अभी तक दोनों भाइयों की गुंडागर्दी के कारण लोग उनके खिलाफ शिकायत नहीं कर रहे थे, लेकिन पुलिस कार्रवाई को देखते हुए लोग भी अब सामने आकर उनके खिलाफ शिकायत दर्ज करा रहे हैं।

जैगुआर कार भी गिरवी की निकली, 3 लाख की जगह 8 लाख दे चुका है मालिक- सूत्रों के अनुसार हिस्ट्रीशीटर तोमर भाइयों के घर से जब्त की गई लग्जरी जैगुआर कार भी गिरवी की निकली। यह कार भिलाई निवासी किसी मनोज वर्मा नामक व्यक्ति की है, जिसने पांच साल पहले 15 लाख की कार गिरवी रखकर 3 लाख रुपए उधार लिए थे, लेकिन इसके एवज में वह अब तक 5 लाख रुपए दोनों भाइयों को दे चुका है। इसके बाद भी उससे 10 लाख रुपए की मांग की जा रही थी और कार को नहीं लौटा रहे थे। बताया जा रहा है कि इस मामले में भी तोमर भाइयों के विरुद्ध अपराध दर्ज करने की कार्यवाही चल रही है।

घर से मिले हथियार...

नकदी 37 लाख रुपए, 860 ग्राम सोने-चांदी के जेवर, महंगी कार बीएमडब्ल्यू, थार, ब्रेजा, कई प्रॉपर्टी के दस्तावेज, नोट गिनने की मशीन, लेन-देन संबंधी रजिस्टर बरामद हुए। इसके अलावा एक तलवार, एक पिस्टल, एक रिवाल्वर, जिंदा राउंड, आवाजी कारतूस, 5 तलवार, एक बुलेट भी जब्त की। इसके बाद पुलिस ने तोमर भाइयों की तलाश करने उनके कई करीबियों के यहां भी छापा मारा। इस दौरान कुछेक करीबियों के यहां से भी बेनामी चल-अचल संपत्ति का भी पता चला था।

निजी विवि में बढ़े...

हुए हैं। महंत कॉलेज में कटऑफ 48 प्रतिशत तक पहुंच गया है। प्रथम चरण में ही साइंस कॉलेज, छग कॉलेज और डिग्री गर्ल्स कॉलेज की अधिकतर सीटें भर जाया करती थीं। यहां भी सीटें पूर्ण रूप से भरने तीसरे चरण तक इंतजार करना पड़ रहा है।

इसके उलट निजी विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या में इजाफा हुआ है। निजी विश्वविद्यालयों में उपस्थिति को लेकर किसी तरह की कड़ाई नहीं बरती जा रही है। सालभर अनुपस्थित रहने वाले छात्रों को भी परीक्षा में बैठने की इजाजत दी जा रही है। जबकि शासकीय विवि से संबद्ध महाविद्यालयों में 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होती है। शासकीय विवि से संबद्ध महाविद्यालय अपनी सीटें भरने के लिए कड़ी मशक्कत कर रहे हैं। जिन छात्रों के नाम सूची में आए हैं, लेकिन वे प्रवेश के लिए नहीं पहुंच सके हैं, ऐसे विद्यार्थियों को प्रबंधन द्वारा फोन भी किए जा रहे हैं।

बकाया राशि और समान मासिक वेतन दिलाने की मांग

रायपुर। भिलाई इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड उरला फैक्ट्री में इलेक्ट्रीशियन पद पर कार्यरत प्रेमलाल साहू ने श्रम विभाग सचिव से दण्डात्मक कार्यवाही कर बकाया राशि दिलाने की मांग की है। कर्मचारी श्री साहू ने बताया कि भिलाई इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड, उरला प्रबंधन द्वारा 23 जुलाई 2022 में दी गई सहमति का उल्लंघन कर पुनः बहाली से आज तक मेरे साथी चरण सिंह कुशवाहा के समान मासिक वेतन एवं बैक वेजेस की राशि नहीं दी जा रही है। उन्होंने बताया कि भिलाई इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड, उरला, रायपुर फैक्ट्री में इलेक्ट्रीशियन पद पर 14 अगस्त 2003 से आज तक कार्यरत है। वर्ष 2007 में 'नौकरी से निकाले जाने के बाद प्रबंधन द्वारा सहायक श्रमायुक्त के समक्ष 23 जुलाई 2012 दी गई सहमति का उल्लंघन कर प्रतिमाह लगभग 5000 रुपए मासिक वेतन कम दिया जा रहा है। इस कारण परिवार का भरण-पोषण करने में परेशानी हो रही है। आर्थिक स्थिति व मानसिक स्थिति कमजोर हो गई है। नवा रायपुर श्रम विभाग मंत्री से अविलंब कार्यवाही कर समान मासिक वेतन अंतर की राशि, बैक वेजेस की बकाया राशि दिलाने की मांग की है।

खबर संक्षेप

इंजीनियर भर्ती परीक्षा के प्रवेशपत्र जारी

रायपुर। व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा इंजीनियर भर्ती परीक्षा के प्रवेशपत्र जारी कर दिए गए हैं। जल संसाधन विभाग के अंतर्गत सिविल तथा विद्युत-यांत्रिकी उप अभियंता के रिक्त पदों पर इस भर्ती परीक्षा के माध्यम से नियुक्ति होगी। व्यापम द्वारा लागू किए गए ड्रेस कोड तथा परीक्षा संबंधित अन्य नियम 20 जुलाई को आयोजित होने वाले इस भर्ती परीक्षा से लागू होंगे। इसके लिए व्यापम ने विशेष दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

बीएएलएलबी की प्रवेश सूची जारी

रायपुर। रविवि अध्ययनशाला में संचालित बीएएलएलबी के लिए प्रवेश सूची जारी कर दी गई। जिन छात्रों के नाम सूची में हैं, उन्हें 18 जुलाई तक विधि विभाग में संपर्क कर आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे। छात्रों की सूची सहित प्रवेश के लिए आवश्यक दस्तावेज भी रविवि ने साझा किए हैं। किसी तरह की समस्या होने पर छात्र हेल्पडेस्क में संपर्क कर सकते हैं।

जिला अस्पताल में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए शिविर 18 को

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के नेतृत्व में जिला अस्पताल पंडरी में थैलेसीमिया पीड़ितों के लिए 18 जुलाई को विशेष कैंप का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश चौधरी ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य यह है कि स्थानीय लोगों में थैलेसीमिया, इसकी रोकथाम और अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण के माध्यम से उपलब्ध उपचार के बारे में जागरूकता पैदा करनी है। शिविर में निशुल्क एचएलए परीक्षण और विशेष चिकित्सा परामर्श तथा उपचार की व्यवस्था रहेगी। यदि आवश्यक हो तो रोगियों और परिवारों को आगे की देखभाल और उपचार विकल्पों के बारे में मार्गदर्शन दिया जाएगा। शिविर में जिला अस्पताल पंडरी के विशेषज्ञ डॉक्टर एवं फोर्टिस मेमोरियल इंस्टिट्यूट गुरुग्राम के विशेषज्ञ डॉ. विकास दुआ अस्थि, मज्जा प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ. परमिंदर पाल सिंह, रक्त विकार विशेषज्ञ एवं ऑनकोलॉजिस्ट क्रॉस फाउंडेशन रायपुर की टीम द्वारा किया जाएगा।

विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की दी जानकारी

रायपुर। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के पुनः उन्मुखीकरण पर सोमवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय में लागू स्नातक पाठ्यक्रमों में नई शिक्षा नीति की एक वर्ष की सफलता और आवश्यक सुधारों पर विचार-विमर्श करना था। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति एवं संभागायुक्त महादेव कावरे ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति न केवल नए रोजगार के अवसर पैदा करेगी, बल्कि युवाओं को उनकी स्थानीय ज्ञान एवं परंपरा से जोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि एनईपी 2020 छात्रों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रखेगी।

ओपन विवि : कुलपति के लिए मिली थी 76 अर्जी, 10 को साक्षात्कार के लिए बुलावा, इनमें मात्र 2 प्रदेश

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

पं.सुंदरलाल शर्मा मुक्त विवि को इस माह नया कुलपति मिल सकता है। कुलपति चयन की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। केवल राजभवन से नामों की घोषणा शेष है। बिलासपुर स्थित प्रदेश के एकमात्र शासकीय ओपन विवि के लिए 7 मई तक आवेदन मांगे गए थे। इसके लिए 76 आवेदन प्राप्त हुए। आवेदनकर्ताओं में प्रदेश के विश्वविद्यालयों में सेवाएं दे रहे प्राध्यापकों के साथ अन्य प्रदेशों के प्रोफेसर और कुलपति भी शामिल रहे। प्राप्त आवेदनों में से 10 का चयन साक्षात्कार के लिए किया गया था। इन कैंडिडेट्स का साक्षात्कार 28 जून को हुआ। पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से उम्मीदवारों ने विश्वविद्यालय के लिए अपनी रणनीति बताई। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिन 10 उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया था, उनमें से मात्र 2 प्राध्यापक ही छग से हैं। शेष दूसरे राज्यों के हैं। ओपन यूनिवर्सिटी का जिम्मा फिलहाल संभागायुक्त, बिलासपुर संभाल रहे हैं। अन्य विश्वविद्यालयों की तरह ओपन विवि में भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति विभिन्न चरणों में आयोजित की जा रही है। कुलपति का पद रिक्त होने के कारण कई तरह की जटिलताएं इसमें आ रही हैं।

7 मई तक मांगे गए थे आवेदन, 28 जून को हुआ इंटरव्यू

जो कहीं कुलपति, वे उम्मीदवार रेस से बाहर

ऐसे उम्मीदवार जो वर्तमान में किसी विवि में कुलपति के पद पर कार्यरत हैं, उनका चयन साक्षात्कार के लिए नहीं किया गया। इन्हें पहले ही रेस से बाहर कर दिया गया था। कुलपति चयन की प्रक्रिया में यह बदलाव पिछली कुछ नियुक्तियों से किया जा रहा है ताकि नए व्यक्ति के अनुभव और कार्यशैली का लाभ छात्रों को मिल सके। बीते दिनों राज्य में हुई कुलपति भर्तियों में से अधिकतर में यह पैटर्न अपनाया गया था। सूत्रों के अनुसार, जिन 10 लोगों को इंटरव्यू के लिए बुलाया गया था, उनमें से सभी वर्तमान में प्राध्यापक पद पर सेवाएं दे रहे हैं।

इन्होंने किया था आवेदन

जिन 76 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, उनमें रायगढ़ विवि के कुलपति डॉ.ललित पटेरिया, अंबिकापुर विवि के प्रो.श्रीवास्तव, गुहावटी विवि की भारती दास, पं.रविशंकर शुक्ल विवि के प्रो.शम्स परवेज सहित मैनेजमेंट डिपार्टमेंट के एक प्राध्यापक का नाम शामिल है। छग के जिन दो प्राध्यापकों को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया है, उनमें एक रविवि से हैं।

प्रदेशभर में प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपेंगे

मोदी की गारंटी लागू करवाने जिला-ब्लाक मुख्यालयों में आज रैली, दो दिन हड़ताल भी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के आव्हान पर प्रदेशभर के कर्मचारी व अधिकारी मोदी की गारंटी लागू करवाने की मांग को लेकर आंदोलन करेंगे। 16 जुलाई को राज्य के सभी जिला, विकासखंड और तहसील मुख्यालय में रैली प्रदर्शन किया जाएगा। इसी तरह प्रदेशभर के 16 हजार संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी 16 जुलाई से दो दिनों तक काम ठप कर हड़ताल पर रहेंगे।

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रवक्ता चंद्रशेखर तिवारी ने बताया 16 जुलाई को बस्तर से लेकर सरगुजा तक सभी विकासखंड, तहसील तथा जिला मुख्यालय में वादा निभाओ रैली निकाली जाएगी, साथ ही मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर व एसडीएम को ज्ञापन सौंपा जाएगा। आंदोलन के बाद भी यदि सरकार मोदी की गारंटी लागू नहीं करती, तो 22 अगस्त को कर्मचारी, अधिकारी टोकन स्ट्राइक करेंगे।

प्रमुख मांगें इस तरह

- प्रशासकीय सेवकों एवं पेंशनरों को केन्द्र के समान डीए, डीआर दिया जाए
- लंबित डीए एरियर्स राशि जीपीएफ खाते में समायोजित करने की मांग
- चार स्तरीय वेतनमान देने और केन्द्र के समान 33 वर्ष के स्थान पर 25 वर्ष सेवा पूरी करने पर पूर्ण पेंशन दिया जाए
- नि:शर्त अनुकम्पा नियुक्ति देने की मांग
- अनियमित/संविदा/दैनिक वेतनभोगी/अतिथि शिक्षक सहित विभिन्न संवर्ग का नियमितीकरण
- सहायक शिक्षकों की वेतन विसंगति दूर हो
- लिपिकों, सहायक शिक्षकों एवं अन्य संवर्ग के वेतन विसंगति के लिए गठित पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक किया जाए
- पंचायत सचिवों का शासकीयकरण करने की मांग
- अर्जित अवकाश 240 दिन के स्थान पर 300 दिन करने, प्रदेश में कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की मांग

आज से दो दिन तक स्वास्थ्य सेवाएं बाधित 16 हजार संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी हड़ताल पर

प्रदेश में दो दिनों तक स्वास्थ्य सेवाएं बाधित रहेंगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के 16 हजार संविदा कर्मचारी अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर 16 जुलाई से हड़ताल पर रहेंगे। लामबंद कर्मचारियों ने 16 और 17 जुलाई को दो दिवसीय हड़ताल का ऐलान किया है। इसमें डॉक्टर, नर्स, फार्मासिस्ट, लैब व एक्सरे टेक्नीशियन, एएनएम सहित कार्यालयिन एवं अस्पतालों के सफाई और हाउस कीपिंग स्टाफ शामिल होंगे। हड़ताली कर्मचारियों का कहना है, उनकी इस हड़ताल से प्रदेशभर की स्वास्थ्य सेवाएं बाधित होंगी। संविदा कर्मचारी संविलयन स्थायीकरण, पब्लिक हेल्थ केडर की स्थापना और ग्रेड पे निर्धारण सहित अन्य मांग को लेकर प्रदर्शन करेंगे। संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अमित कुमार मिरी ने कहा है कि पिछले 2 साल से संघ ने शासन-प्रशासन से हर स्तर पर संवाद के प्रयास किए, पर कोई ठोस परिणाम नहीं निकला।

इन सेवाओं पर पड़ सकता है असर

टीबी, कुष्ठ मलेरिया टीकाकरण, लैब की जांच, दवा वितरण, स्कूल और आंगनबाड़ी केन्द्रा में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण, नवजात शिशु की देखभाल केन्द्र, पोषण पुनर्वास केन्द्र, बुजुर्गों की फिजियोथैरेपी, गांव के आयुष्मान केन्द्रों में ओपीडी, मौसमी स्वास्थ्य बीमारियों की रोकथाम जैसी सेवाएं।

पदयात्रा कर स्कूल सफाई कर्मचारी आज पहुंचेंगे रायपुर

प्रदेशभर के अंशकालीन स्कूल सफाई कर्मचारी कलेक्टर दर पर वेतन भुगतान और युक्ति युक्तकरण के तहत कर्मचारियों को यथावत रखने की मांग को लेकर अलग-अलग जिलों से पदयात्रा कर 16 जुलाई को रायपुर पहुंचेंगे। वे सिविल लाइन स्थित मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर अपनी दो सूत्रीय मांग के संबंध में ज्ञापन सौंपेंगे। कर्मचारियों ने यह चेतावनी दी है कि राज्य सरकार द्वारा सकारात्मक पहल नहीं किये जाने पर प्रदेशभर के 43 हजार से अधिक स्कूल सफाई कर्मचारी नवा रायपुर के तूता धरना स्थल पर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठेंगे।

राज्य में अब कोरोना के केवल सात एक्टिव केस, 2 घर पर और 5 अस्पताल में

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

- राज्य में अब तक सामने आ चुके 230 केस, तीन मौत भी हो चुकी

राज्य में अब कोरोना के एक्टिव केस घटकर मात्र सात रह गए हैं। इनमें दो होम आइसोलेशन में अपना इलाज करवा रहे हैं और पांच अस्पताल में भर्ती हैं। राज्य में अब तक कोरोना के कुल 230 केस सामने आ चुके हैं, जिसमें तीन लोगों की मौत भी हो चुकी है। विभागीय स्तर पर कोरोना की नियमित रिपोर्टिंग हो रही है, मगर आम लोगों के बीच इसका स्तर सर्दी-खांसी की समस्या से अधिक नहीं है।

प्रदेश में कोरोना का पहला मामला मई के अंतिम सप्ताह में सामने आया था। उस दौरान दूसरे राज्यों में इसका संक्रमण बढ़ने के बाद यहां अतिरिक्त सावधानी बरती जा रही थी। विभाग का ध्यान भी अस्पतालों में मौजूद व्यवस्था की तरफ गया था। कुछ दिनों तक नियमित रूप से चार पांच केस सामने आ रहे थे, जिसे लेकर थोड़ा डर का माहौल बनने लगा था। इस बीच केंद्र स्तर पर इस बात की पुष्टि हो गई कि कोरोना अपने बदले स्वरूप के दौरान ज्यादा असरदार नहीं है। इसके बाद इसकी जांच में थोड़ी शिथिलता बरती गई। कोरोना के लक्षण बेहद सामान्य हैं, इसलिए ज्यादातर लोगों को घर में रहकर सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है। अस्पताल तक वही लोग पहुंचे, जिन्हें दूसरी बड़ी बीमारी थी और जांच के दौरान उनमें कोरोना निकल आया था। मंगलवार को एक भी नया केस सामने नहीं आया और एक पुराने संक्रमित के ठीक होने के बाद एक्टिव केस सात रह गए हैं। इनमें से पांच लोग दूसरी तरह गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। कोरोना पीड़ित तीन लोगों की अब तक राज्य में जान जा चुकी है, इसमें दो राजनांदगांव जिले के रहने वाले थे और एक कांकेर जिले से संबंधित है।

समय-समय पर उतार-चढ़ाव

महामारी नियंत्रक डॉ. एसके पामभोई के मुताबिक कोरोना का प्रभाव बेहद कमजोर हो चुका है। एंफ्लूएंजा समूह के वायरस समय-समय पर अपना स्वरूप बदलते हैं। नया स्वरूप कैसा होगा, यह उसके सामने आने के बाद पता चलता है। लोगों को ऐसी बीमारियों से बचाव के लिए थोड़ी सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

ओपन एग्जाम के लिए स्कूलों को देना होगा इन्फ्रास्ट्रक्चर और लॉजिस्टिक सपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

- 12वीं की पूरक परीक्षाएं समाप्त 10वीं की 22 जुलाई तक

ओपन स्कूलिंग की परीक्षा के लिए विद्यालयों द्वारा एनआईओएस अर्थात नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग को परीक्षा केंद्र, इन्फ्रास्ट्रक्चर और लॉजिस्टिक सपोर्ट मुहैया कराए जाएंगे। इसके लिए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने अपने सभी मान्यता प्राप्त स्कूलों से अपील की है। सीबीएसई ने एक सर्कुलर जारी करते हुए स्कूल प्रिंसिपलों और संस्थान प्रमुखों को निर्देश दिया है कि वे कि वे नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग के आगामी सार्वजनिक इम्तिहानों में पूरी तरह से सहयोग करें। कई स्कूलों द्वारा अपने भवन को परीक्षा केंद्र के रूप में प्रदान नहीं करने सहित कई तरह की शिकायतें समय-समय पर मिलती रही हैं। इन शिकायतों को देखते हुए सीबीएसई ने यह सर्कुलर जारी किया है, ताकि ओपन स्कूलिंग के जरिए पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को परीक्षा केंद्र सहित अन्य सुविधाएं प्रदान करने में सुविधा हो।

पूरक परीक्षाएं प्रारंभ

सीबीएसई की कक्षा 10वीं और 12वीं की पूरक परीक्षाएं मंगलवार से शुरू हो गईं हैं। 12वीं के सभी विषयों की पूरक परीक्षा एक ही दिन में आयोजित की गई, जबकि 10वीं की पूरक परीक्षाएं 22 जुलाई तक चलेंगी। प्रवेश पत्र अपलोड करने के अलावा केंद्रों पर परीक्षा सामग्री पहुंचाई जा चुकी है। रीडिंग के लिए 15 मिनट का समय दिया गया। परीक्षा केंद्र पर कम्युनिकेशन डिवाइस सहित अन्य चीजों पर प्रतिबंध रहा। छात्रों को समय से 30 मिनट पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचने कहा गया था, ताकि जांच सहित अन्य गतिविधियां सुचारू रूप से हो सके।

उत्तरी हिस्से में दिखने लगा प्रभाव शहर में शाम बाद मामूली बारिश

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

- दोपहर बाद छाए रहे बादल पर नहीं हुआ ज्यादा असर

बंगाल की खाड़ी में बने नये सिस्टम का असर प्रदेश की उत्तरी इलाके में दिखने लगा है। मंगलवार को रायगढ़, बिलासपुर समेत कई इलाकों में बारिश हुई। राजधानी रायपुर समेत मध्य हिस्से में दोपहर तक मौसम सामान्य रहा फिर बादल छाए और देर शाम हल्की बारिश हुई। बुधवार को बिलासपुर और सरगुजा संभाग में भारी बारिश और रायपुर, दुर्ग में हल्का असर रहने की संभावना है।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक तैयार सिस्टम की दिशा में थोड़ा बदलाव होने की वजह इसका प्रभाव एक दायरे में सिमट गया है। रायपुर में इसका सामान्य और बस्तर में बेहद मामूली असर होना है। मंगलवार को सिस्टम का प्रभाव नजर आया और उत्तरी हिस्से के दोनों संभाग में जमकर बारिश हुई। पिछले चौबीस घंटे में सरगुजा संभाग के लटोरी में 8, चांदो में 7, कुनकुरी में 6 और रामानुजगंज, मालखरौदा, सामरी, कोटाडोल, बलरामपुर में 5 सेमी. तक बारिश हुई। मंगलवार को दिन में बिलासपुर, पेंड्रा, अंबिकापुर में बारिश हुई।अगले चौबीस घंटे में भी इसी तरह का असर रहने की संभावना है। अभी एक चिन्हित निम्न दाब का क्षेत्र उत्तर झारखंड और उससे लगे दक्षिण बिहार के ऊपर स्थित है। जो झारखंड दक्षिण बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश की तरफ अगले 24 घंटे में आगे बढ़ने की संभावना है।

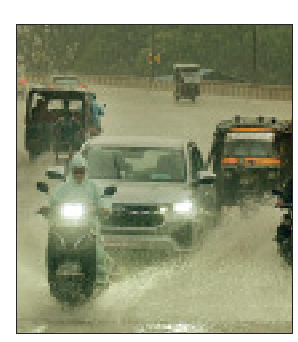

मानसून द्रोणिका बीकानेर, उत्तर राजस्थान, हमीरपुर, उत्तर झारखंड, कोंटई और उसके बाद पूर्व दक्षिण पूर्व की ओर उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी तक स्थित है।

मेडिकल कॉलेज में हॉस्टल निर्माण की मांग को लेकर एनएसयूआई ने घेरा स्वास्थ्य मंत्री निवास

छात्रों ने मांगी रहने की जगह, पुलिस संग झड़प

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

मेडिकल कॉलेज में हॉस्टल निर्माण की मांग को लेकर छात्रों ने मंगलवार को स्वास्थ्य मंत्री निवास का घेराव किया। एनएसयूआई द्वारा यह विरोध-प्रदर्शन किया गया। राजधानी के पंडित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में वर्षों से छात्रावास निर्माण लंबित है। इसकी मांग लेकर एनएसयूआई ने प्रदेश स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निवास का घेराव किया। निवास घेराव के लिए आगे बढ़ रहे छात्रों को पुलिस द्वारा रोके जाने के प्रयास में तीखी झड़प की स्थिति उत्पन्न हो गई। पहले लेयर के बैरिकेड्स को छात्रों ने कर लिया।

पहले लेयर की बैरिकेड पार करने के बाद प्रदर्शनकारी छात्रों को रोकने पुलिस द्वारा हल्का बल प्रयोग किया गया। इसके बाद घंटेभर तक नारेबाजी चलती रही। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व एनएसयूआई के जिला उपाध्यक्ष तारीक अनवर खान ने किया। प्रदर्शन में प्रदेश सचिव कुणाल दुबे, अतिक मेमन, जिला महासचिव संस्कार पांडे, आशीष बाजपाई, शत्रुंजय शुक्ला, मोहम्मद जिशान, कपिल दानदे, नितिन सागर, अथर्व श्रीवास्तव सहित अनेक एनएसयूआई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रभावित हो रही पढ़ाई

प्रदर्शन कर रहे छात्रनेताओं ने कहा कि छात्र हॉस्टल नहीं मांग रहे, बल्कि अपने हक की जमीन मांग रहे हैं। यदि सरकार ने शीघ्र निर्णय नहीं लिया, तो मेडिकल छात्रों के समर्थन में प्रदेशव्यापी आंदोलन खड़ा किया जाएगा। यह केवल भवन निर्माण की नहीं, बल्कि छात्र गरिमा और सुरक्षित शिक्षा के अधिकार की लड़ाई है। जिला महासचिव संस्कार पांडे ने कहा कि सैकड़ों मेडिकल छात्र किराए के कमरों में असुरक्षित वातावरण में रहने को मजबूर हैं, जिससे उनकी पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। एनएसयूआई ने कहा, जब तक रायपुर मेडिकल कॉलेज में छात्रावास निर्माण को लेकर स्पष्ट और समयबद्ध निर्णय नहीं लिया जाता, आंदोलन क्रमबद्ध रूप से जारी रहेगा। हॉस्टल के मुद्दे को लेकर एनएसयूआई पहले भी विरोध दर्ज करवा चुकी है।

निगम में ईई का नवीन पदस्थापना आदेश

रायपुर। निगम आयुक्त विश्वदीप ने सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से मंगलवार को आदेश जारी कार्यपालन अभियंताओं की नवीन पदस्थापना की है। इसके अंतर्गत जोन 10 के कार्यपालन अभियंता दिनेश सिन्हा को जोन 6, जोन 6 प्रभारी कार्यपालन अभियंता अतुल चोपड़ा को जोन 10 भेजा गया है। मुख्यालय कार्यपालन अभियंता शरद ध्रुव को जोन को जोन 9, नगर निगम मुख्यालय कार्यपालन अभियंता अंशुल शर्मा सीनियर जोन 9 और जोन 10 कार्यपालन अभियंता आशीष शुक्ला को मुख्यालय विद्युत विभाग का कार्य सौंपा गया है। जोन 1 के कार्यपालन अभियंता गजानंद कंवर अब मुख्यालय में उद्यान, संस्कृति, खेलकूद और युवा कल्याण विभाग का कार्य, जोन 9 के कार्यपालन अभियंता पदमाकर श्रीवास को जोन 8 कार्यपालन अभियंता पद पर नवीन पदस्थापना आदेश जारी किया है। आयुक्त की ओर से जारी यह प्रशासनिक आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या
अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न
नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

ग्रीन आर्मी और नगर निगम ने मिलकर रखी 'डेंस फॉरेस्ट' की नींव

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

प्रकृति के संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाते हुए ग्रीन आर्मी संस्था ने नगर निगम रायपुर के साथ मिलकर एक महत्वपूर्ण वृक्षारोपण अभियान चलाया। संस्था के मीडिया प्रभारी शशिकांत यदु ने बताया कि हिमालयन हाइट्स देवपुरी के सामने 1500 पौधे लगाकर एक सघन 'डेंस फॉरेस्ट' (घना जंगल) की नींव रखी गई है। इस वन की पूरी देखरेख की जिम्मेदारी ग्रीन आर्मी को सौंपी गई है। यह पहल न केवल रायपुर के हरित भविष्य की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता का भी प्रतीक है। इस अवसर पर रायपुर ग्रामीण के विधायक मोतीलाल साहू और जोन-10 के कमिश्नर विवेकानंद दुबे ने भी इस अभियान की सराहना की। प्रदेश अध्यक्ष एवं संस्थापक अमिताभ दुबे ने सभी उपस्थितजनों और स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भोलाराम साहू एमआईसी सदस्य, नगर निगम पर्यावरण, गुरदीप टुटेजा रायपुर जिला अध्यक्ष, मोनिका बागरेचा, भारती श्रीवास, विनीत शर्मा और ग्रीन आर्मी के अन्य जोन के सदस्य उपस्थित थे।

बिजनेस साइट

डॉ. सुनील कालड़ा को 'गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड' से सम्मान

रायपुर। प्रख्यात प्लास्टिक और कॉस्मेटिक सर्जन डॉ. सुनील कालड़ा को उनके सामाजिक सरोकारों और चिकित्सा सेवा के प्रति समर्पण के लिए 'गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड' से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान निशुल्क 210 ट्रांसजेंडर सर्जरी करने के लिए दिया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के हाथों यह सम्मान प्राप्त करते हुए डॉ. कालड़ा ने बताया कि वे विगत 35 वर्षों से प्लास्टिक, कॉस्मेटिक और बर्न सर्जरी के क्षेत्र में कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि रायपुर स्थित चौबे कॉलोनी के कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर और पचपेड़ी नाका स्थित उनके नवनिर्मित अस्पताल में मरीजों का उपचार करते हैं। उन्होंने कहा कि वे मरीजों से सिर्फ अस्पताल और दवाइयों का खर्च लेते हैं, लेकिन अपनी सर्जरी फीस नहीं लेते।

02

सावन के श्रृंगार में रंगी लड्डू गोपाल ...

जॉब अलर्ट

सीसीआरएएस में एलडीसी व स्टेनोग्राफर सहित कई पदों पर निकली भर्ती

रायपुर। केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद ग्रुप-ए, ग्रुप-बी और ग्रुप-सी के विभिन्न पदों पर भर्ती प्रक्रिया जल्द ही शुरू होने वाली है। फिलहाल सीसीआरएएस की ओर से पद और पात्रता मानदंड से संबंधित विज्ञापन जारी कर दिया गया है। इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवार इन पदों पर आवेदन 1 अगस्त 2025 से कर सकेंगे। सीसीआरएएस की ओर से ग्रुप-ए, ग्रुप-बी और ग्रुप-सी के कुल 394 पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट ccras.nic.in पर जाकर विजिट कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2025 निर्धारित की गई है। इसके अलावा आवेदन पत्र में संशोधन के लिए करेक्शन विंडो 3 से 5 सितंबर 2025 तक खुली रहेगी।

सामान्य व ओबीसी के लिए 1000 रुपए शुल्क

सीसीआरएएस में ग्रुप-ए, ग्रुप-बी और ग्रुप-सी के पदों पर आवेदन करने के लिए एप्लीकेशन फीस भी अलग-अलग निर्धारित की गई है। ग्रुप-ए के पदों पर आवेदन करने के लिए सामान्य व ओबीसी उम्मीदवारों के लिए 1000 रुपए शुल्क लगेगा। ग्रुप-बी के पदों पर आवेदन करने के लिए सामान्य व ओबीसी उम्मीदवारों की आयु 500 रुपए फीस निर्धारित की गई है। इसके अलावा, ग्रुप-सी के पदों पर आवेदन करने के लिए सामान्य व ओबीसी उम्मीदवारों के लिए आवेदन शुल्क 200 रुपए देने होंगे। हालांकि अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति और महिला उम्मीदवारों को आयु-सीमा में छूट प्रदान की गई है। ग्रुप-ए के पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों ने भारत के किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से पैथोलॉजी या आयुर्वेद में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की हो। ग्रुप-बी के पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों ने भारत के किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से एम फार्मा, बीएससी नर्सिंग, स्नातक व स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की हो। ग्रुप-सी के पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों के पास कक्षा बारहवीं, फार्मेसी में डिप्लोमा, एम फार्मा, एमएससी व अन्य निर्धारित पात्रताएं होनी चाहिए। ग्रुप-ए, ग्रुप-बी और ग्रुप-सी के पदों पर आवेदन करने के लिए आयु-सीमा पदानुसार निर्धारित की गई है। उम्मीदवारों की पदानुसार अधिकतम आयु 27, 28, 30, 35 व 40 निर्धारित की गई है। इसके अलावा विशेष वर्ग के उम्मीदवारों को आयु-सीमा में छूट भी प्रदान की जाएगी।

● आयुर्वेद महाविद्यालय कैंपस के औषधि वाटिका में लगे 254 प्रजाति के औषधीय पादप व पेड़

सिरसा की छाल से मुंहासे, गुड़मार से शुगर और नीरगुंडी पौधों से पंचकर्म की औषधि बना रहे छात्र

> आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय कैंपस में विकसित बॉटनिकल गार्डन अध्ययन, अध्यापन व शोध कार्य के लिए उपयोगी सिद्ध हो रहा है। 90 एकड़ क्षेत्र में स्थापित महाविद्यालय व चिकित्सालय की औषधि वाटिका व पूरे कैंपस में औषधीय गुणों के करीब 254 प्रजाति के करीब 10 हजार पादप व पेड़ लगे हुए हैं। औषधीय गुण के इन्हीं पेड़-पौधों की छाल, फूल, पत्तियों, फल, जड़ आदि औषधीय महत्व के भागों का संग्रहण कर उसका प्रयोगशाला में शोध-परीक्षण कर विविध बीमारियों के उपचार के लिए ताजा आयुर्वेदिक औषधियां तैयार कर रहे हैं।

रायपुर। आयुर्वेदिक महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक पंचकर्म विभाग के डॉ. त्रिभुवन सिंह पावले ने बताया कि महाविद्यालय में आयुर्वेद चिकित्सा के बीएमएस, एमडी और एमएस के जूनियर-सीनियर स्टूडेंट्स अपने-अपने विभाग के अध्यापकों के मार्गदर्शन में महाविद्यालय के औषधि वाटिका व कैंपस से औषधीय महत्व के पेड़-पौधों से सीधे तौर पर प्रायोगिक अध्ययन-अध्यापन व शोध कार्य को संपादित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि निरगुंडी, धतूरा, अर्क, शीग्रु, वाशा, नीम, करंज, अमलतास, हरितिकी, विभितकी जैसे पड़े-पौधों से पंचकर्म की औषधियां तैयार की जा रही हैं। वहीं महाविद्यालय की अगदतंत्र विभाग की एमडी सेकंड ईयर की स्टूडेंट्स डॉ. रश्मि और एमडी फर्स्ट ईयर की डॉ. हिना कुशरे ने बताया कि वे महाविद्यालय की औषधि वाटिका से सिरसा पेड़ की छाल लेने जा रही हैं। इन्हें प्रयोगशाला में शोधित व परीक्षित कर मुंहासे के उपचार से संबंधित घनवटी तैयार करेंगी। इसी तरह गुड़मार की पौधे से शुगर लेवल कंट्रोल करने की आयुर्वेदिक औषधि तैयार की जाएगी। आयुर्वेदिक महाविद्यालय व चिकित्सालय के स्टूडेंट्स व प्रोफेसर्स का कहना है कि महाविद्यालय कैंपस की औषधि वाटिका उनके अध्ययन व अध्यापन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है।

ओपीडी में रोजाना औसतन 500 मरीज

चिकित्सालय के फार्मेसी में आयुर्वेदिक औषधियों की आवश्यकता यहां पहुंच रहे विविध रोग के मरीजों की संख्या से लगाई जा सकती है। जानकारी के मुताबिक, 10 विभागों की ओपीडी में मंगलवार को कुल 536 रोगी पहुंचे। इसमें महिला 263, पुरुष 237, बालिका 24, बालक की संख्या 12 रही। विभागवार ओपीडी में काय-चिकित्सा विभाग में 224, पंचकर्म 154, शल्य 32, शालाक्य 35, स्त्री एवं प्रसूति 24, बालरोग 25, विष चिकित्सा 20, स्वस्थ्यवृत्त एवं योग 22 रोगी पहुंचे।

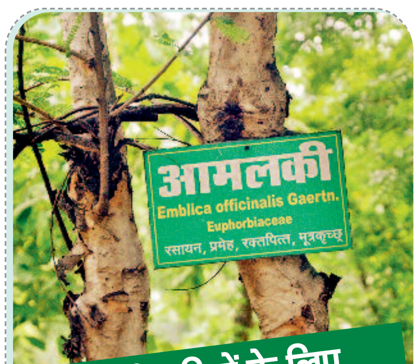

इन बीमारियों के लिए तैयार कर रहे औषधियां

वात रोग जैसे संधिवात यानी जोड़ों के दर्द, पक्षाघात यानी पैरालिसिस, गठियावाद, सिरोराग यानी माइग्रेन, बालों से संबंधित समस्या, मोटापा, उदर विकार जैसे लाइफस्टाइल में आहार व विहार के असंतुलित जीवनशैली के वजह से होने वाले विविध तरह के रोगों का उपचार आवुर्वेदिक पद्धति से महाविद्यालय के प्रयोगशाला में शोधार्थी छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों के संयुक्त प्रयोग से औषधि वाटिका के औषधि पादप, पेड़ों का उपयोग किया जा रहा है। रसशात्र एवं भैषज्य विभाग के डॉ. नम्रता कंवर ने बताया कि डायबिटीज के उपचार के लिए प्रयोगशाला में भस्म तैयार की जा रही है। डॉ. कंवर ने बताया कि आयुर्वेदिक औषधि तैयार करने कॉलेज की प्रयोगशाला में लगातार नवाचार शोध कार्य चल रहे हैं।

मरीजों पर उपयोग से पहले जीव-जंतुओं पर प्रयोग

आयुर्वेदिक महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक पंचकर्म विभाग के डॉ. त्रिभुवन सिंह पावले का कहना है कि औषधीय पादप व पेड़ों से तैयार आयुर्वेदिक औषधियों का शोधन कार्य पूरी तरह से प्रयोगशाला में सफल परीक्षण के उपरांत ही फार्मेसी में मरीजों के लिए उपलब्ध कराया जाता है। इन औषधियों का शोध व प्रयोग परीक्षण पहले जीव-जंतुओं पर किया जाता है। चूंकि औषधीय पादप व पेड़ों से तैयार औषधियां विषकारक होती हैं। जब तक यह पूर्ण रूप से विशेषज्ञ, शोधकर्ता, डॉक्टरों व विभागों से प्रमाणित नहीं हो जाता, तब तक मरीजों को उपलब्ध नहीं कराते।

सिटी इवेंट

लोकगीतों पर महिलाओं ने दी प्रस्तुति नृत्य में झलकी राजस्थानी संस्कृति

रायपुर। 'मनड़े रा मोर, बोले सा..राठौड़ा ने खम्मा घणी...हाथा मा तलवार थाने कमर कटारा सोवे...राजस्थानी लोकगीत पर महिलाओं की सामूहिक नृत्य प्रस्तुति दर्शकों ने लिए आकर्षण का केंद्र बनी रही। शानदार एंट्री ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया, जहां नीलम सिंग, प्रीति बघेल, दीपिका और समृद्धि रात्रे ने नृत्य के माध्यम से राजस्थानी परंपरा एवं संस्कृति के मूल्यों को दर्शाया। महिलाओं की प्रस्तुति के दौरान सभागार तालियों से गूंज उठा, ऐसे में महिलाएं भी राजस्थानी अंदाज में हाथ जोड़कर खम्म घणी करती दिखीं।'बुजुर्गों की चौपाल संस्था महिला विंग द्वारा सावन क्वीन कार्निवल-2025 का आयोजन मंगलवार को किया गया। वृंदावन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में रैंप वॉक, मिस एंड मिसेज सावन क्वीन, नृत्य-संगीत प्रतियोगिता विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इस दौरान महिलाएं राजस्थानी, गुजराती, छत्तीसगढ़ी, साउथ इंडियन, पंजाबी परिधान में सोलह श्रृंगार में नजर आईं। वहीं नाटक, शास्त्रीय नृत्य-संगीत, योग, चिकित्सा, व्यवसाय, पत्रकारिता एवं समाजसेवी क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 11 महिलाओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

देवरानी-जेठानी की जोड़ी ने मचाई धूम

चूड़ी मजा न देगी, कंगन मजा न देगा...नगाड़ा संग ढोल बाजे....डोला रे डोला..गाने पर शिवानी और प्रियंका की देवरानी-जेठानी की जोड़ी ने जोशीले अंदाज में नृत्य की प्रस्तुति दी। प्रस्तुति के दौरान दर्शकों में उत्साह देखा गया, जहां नृत्य के दौरान दर्शक भी खुद को थिरकने से रोक न सके। दर्शकदीर्घा में बैठी अन्य महिलाएं भी अपने स्थान पर ही झूमती नजर आईं। ऐसे में रायपुर के गोलबाजार...ऐ गोरी वो...सावन में मोरनी बनके मैं तो छम-छम...जैसे रिमिक्स सांग पर अंजली यादव एवं साथियों ने सामूहिक प्रस्तुति दी। इस दौरान सभी पारंपरिक छत्तीसगढ़ी वेशभूषा में मनमोहक अंदाज और सुंदर परिवेश में नृत्य करती रहीं।

रैंप वॉक में दिखी विभिन्न राज्यों की विशेषता

मिस एंड मिसेज सावन क्वीन के सलेक्शन के लिए रैंप वॉक का आयोजन किया गया, जहां महिलाओं की एंट्री अनोखे अंदाज में हुई। परिधान के अनुसार एंट्री के दौरान गाने सुनने को मिले, दूसरी ओर महिलाओं ने अपना परिचय विभिन्न संस्कृति एवं परंपराओं के आधार पर दिया। ऐसे में विभिन्न राज्यों की विशेषताओं पर दर्शकों को संबोधित किया गया।

कोरियन कल्चर का बढ़ा क्रेज, स्किन केयर से लेकर फूड तक युवाओं को आ रहे पसंद

रायपुर। लाइफस्टाइल को बेहतर बनाने की चाह में युवाओं के बीच इन दिनों विदेशी प्रोडक्ट्स का चलन तेजी से बढ़ रहा है। खासकर कोरियन स्किन केयर और फूड प्रोडक्ट्स को लेकर राजधानी रायपुर में खास क्रेज देखने को मिल रहा है। अब तक ये उत्पाद केवल ऑनलाइन ही उपलब्ध थे, लेकिन अब मॉल्स में भी आसानी से मिलने लगे हैं, जिससे युवाओं की रुचि और भी बढ़ गई है। मैग्नेटो मॉल में कोरियन ब्रांड्स के प्रोडक्ट्स की रेंज 300 से 2000 रुपए तक है। युवाओं को खासतौर पर कोरियन स्टाइल की बोतलें पसंद आ रही हैं, जिनकी कीमत 600 से 700 रुपए के बीच है। साथ ही खरगोश, भालू और पांडा जैसे कैरेक्टर्स के बॉक्स मॉडल्स और सॉफ्ट टॉयज भी युवाओं को लुभा रहे हैं। इन सॉफ्ट टॉयज का उपयोग रूम और बेड डेकोरेशन में किया जा रहा है। इनकी कीमत 450 से शुरू होकर 1700 रुपए तक है। वहीं कोरियन इंस्टेंट नूडल्स की डिमांड भी तेजी से बढ़ रही है, जिसे युवा ट्रेंड और स्वाद दोनों के लिहाज से अपना रहे हैं।

महिलाएं और यूथ कर रहे इस्तेमाल

अपनी स्किन को ग्लोइंग और हेल्दी बनाए रखने के लिए युवाओं में कोरियन ब्यूटी प्रोडक्ट्स की मांग तेजी से बढ़ी है। शहर के ब्यूटी पार्लर में भी अब कोरियन स्किन केयर रेंज का उपयोग बढ़ गया है। ब्यूटी एक्सपर्ट प्रीति साहनी बताती हैं कि महिलाएं और युवा दोनों ही कोरियन प्रोडक्ट्स को पसंद कर रहे हैं। स्किन को हाइड्रेटेड रखने, ऑयलीनेस कम करने, डार्क स्पॉट हटाने और नेचुरल ग्लो के लिए मेडिक्यूब सीरम, फ्रूट फेसमास्क, फेसशीट मास्क, फेशियल किट और सनस्क्रीन जैसे उत्पाद खूब बिक रहे हैं। इनकी कीमत 1000 से 2000 रुपए तक है, लेकिन इसके बावजूद यूजर्स इन्हें रूटीन स्किन केयर में शामिल कर रहे हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि नियमित इस्तेमाल से चेहरे पर निखार आता है और स्किन हेल्दी बनी रहती है।

एनएसएस इकाई ने रोपे पौधे छात्राओं ने ली देखभाल की शपथ

रायपुर। प्रमिला गोकुलदास डागा कन्या महाविद्यालय से एनएसएस विभाग द्वारा एक दिवसीय पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विभाग के छात्राओं और प्राध्यापकों की उपस्थिति दर्ज की गई। एक दिवसीय कार्यक्रम के दौरान 20 से अधिक पौधों का रोपण किया गया, यहां फलदार और छायादार वृक्षों की संख्या अधिक रही। इससे पहले छात्राओं को विभिन्न वृक्षों के लाभ के बारे में बताया गया, जिसमें पौधे के फल, जल और पत्तियों की विशेषता बताई गई।

छात्राओं ने 20 से अधिक पौधे लगाए

पं. रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय परिसर के ज्ञानसरोवर कक्ष के नजदीक एनएसएस कैंप लगाया गया, जहां छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। यह आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत किया गया, जहां छात्राओं ने पौधारोपण को लेकर लोगों को जागरूक किया। इस मौके पर 25 छात्राओं का समूह शामिल हुआ, जिन्होंने पौधे रोपने के साथ ही उन्हें जीवित रखने के लिए निरंतर देखभाल करने की शपथ ली। साथ ही विशेष अवसर पर अधिक से अधिक पेड़ लगाने का संकल्प लिया।

तांबे-पीतल के बर्तन के पानी से सुधर रहा पाचन तंत्र, बोतल में लोक कलाकृति बना रही और आकर्षक

कार्नर न्यूज

तांबा-पीतल के बर्तनों के पानी से सुधर रहा पाचन तंत्र बाजार में लोक कलाकृति से सजी बोतलें भी बनीं खास

रायपुर। आधुनिक जीवनशैली के प्रभाव में जहां एक ओर स्टील, जर्मन और फाइबर जैसे आधुनिक बर्तनों का चलन बढ़ा था, वहीं अब एक बार फिर लोग परंपरागत धातुओं, विशेष तौर पर तांबा और पीतल की ओर लौटते नजर आ रहे हैं। बीते दो से तीन वर्षों से लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी है, जिसके चलते वे औषधीय गुणों से युक्त तांबा और पीतल के बर्तनों को अपनी दिनचर्या में वापस शामिल कर रहे हैं। दुकानदारों के अनुसार, इस बदलाव के पीछे सोशल मीडिया और चिकित्सकीय सलाह की अहम भूमिका है। कोरोनाकाल के बाद से लोग प्राकृतिक जीवनशैली और स्वास्थ्यवर्धक विकल्पों को अपनाने लगे हैं, जिसका असर रसोई में उपयोग होने वाले बर्तनों की पसंद पर भी स्पष्ट दिख रहा है। इन दिनों हाईप्रोफाइल से लेकर मध्यवर्गीय परिवार, तांबा, कांसा और पीतल जैसे औषधीय गुणों वाले बर्तनों को अपनी दिनचर्या में शामिल करने लगे हैं। बाजार में बर्तनों की मांग इतनी बढ़ी है कि कंपनियां अब इन्हें आधुनिक डिजाइन और आकर्षक लुक के साथ पेश कर रही हैं। दुकानदारों के अनुसार, केवल तांबे के बर्तनों का वार्षिक टर्नओवर 4 से 5 लाख रुपए तक पहुंचने लगा है, जो बीते कुछ सालों में ही संभव हो सका है।

शरीर में एंटीऑक्सीडेंट की तरह कर रहे काम: हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ. गौरव त्रिपाठी ने बताया कि तांबा और पीतल के बर्तन हैवी मेटल की श्रेणी में आते हैं, जो शरीर में एंटीऑक्सीडेंट की तरह काम करते हैं। इन दिनों लोग पानी और भोजन के लिए इन बर्तनों का प्रयोग कर रहे हैं, जो उनके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। ये शरीर में मौजूद हानिकारक फ्री रेडिकल्स का विरोध करने में सहायता करते हैं।

बॉटल को नेचर थीम, मंडाला आर्ट और एथनिक प्रिंट से सजा रहे

लाखेनगर स्थित दुकान संचालक प्रकाश शर्मा ने बताया कि दुकान में तांबा, पीतल, कांसा, जर्मन, लोहा, स्टील और फाइबर से तैयार बर्तन क्लासी लुक के साथ उपलब्ध हैं। तांबा, पीतल, कांसे की सौ से अधिक डिफरेंट डिजाइन में बर्तन यहां हैं। इन दिनों तांबे की बॉटल और ग्लास की खरीदी सबसे अधिक हो रही है। बॉटल को रंगीन आकृतियों के साथ नेचर थीम, मंडाला आर्ट और एथनिक प्रिंट के साथ सजाया जा रहा, जिससे उनकी मांग और कीमत भी अधिक हो रही है। बढ़ती मांग के अनुसार, एक साल में तांबे के बर्तन का टर्नओवर लगभग 2-3 लाख रुपए तक पहुंच जाता है।

अहमदाबाद, मथुरा, मुरादाबाद अलीपुर से मंगाए जा रहे बर्तन

पिछले 2-3 सालों में तांबा, पीतल और कांसा के बर्तनों की डिमांड तेजी से बढ़ रही है। पहले दुकान में 800 स्क्वेयर फीट जगह तांबा के बर्तनों के लिए तय थी, लेकिन लोगों की बढ़ती डिमांड को देखते हुए इसे 1500 स्क्वेयर फीट कर दिया गया है। ब्राह्मणपारा चौक स्थित दुकान संचालक उत्कर्ष गुप्ता ने बताया कि दुकान में तांबे के डिजाइनर जग, ग्लास, बॉटल और जार की खरीदी सबसे अधिक हो रही। बर्तनों को अहमदाबाद, मथुरा, मुरादाबाद, अलीपुर जैसे भारत के विभिन्न क्षेत्रों से मंगाया जाता है। ऐसे में एक साल का लगभग टर्नओवर 4-5 लाख रुपए केवल तांबे के बर्तनों का होता है। बाजार में सबसे अधिक चलन कांसे की थाली का सेट है, लोग गृहप्रवेश या त्योहार में उपहार की तरह इसकी खरीदी कर रहे हैं। दुकान में 300 से लेकर 6 हजार रुपए तक के बर्तन उपलब्ध हैं, जिसमें शाही लुक जग सेट भी है।

धर्म लाइव

850 श्रद्धालुओं को लेकर अयोध्या रवाना हुई ट्रेन, लोकसंगीत से किया स्वागत

रायपुर। श्री रामलला दर्शन योजना' के अंतर्गत मंगलवार को रायपुर रेलवे स्टेशन से रायपुर संभाग के 850 श्रद्धालु विशेष ट्रेन से अयोध्या धाम के दर्शन के लिए रवाना हुए। यात्रा के शुभारंभ पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। योजना के अंतर्गत सरकार ने मार्च 2024 तक 20000 श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम भेजने का लक्ष्य निर्धारित किया था, किंतु प्रदेशवासियों की अद्वितीय आस्था, उत्साह, और सरकार की प्रतिबद्धता के चलते यह संख्या 22000 से अधिक हो चुकी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में इस योजना के लिए 36 करोड़ का बजट स्वीकृत किया गया है। अब तक बीते डेढ़ वर्षों में 27 विशेष ट्रेनें छत्तीसगढ़ के विभिन्न संभागों से श्रद्धालुओं को लेकर अयोध्या धाम तक पहुंचा चुकी हैं।

पारंपरिक छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य की प्रस्तुति

इस अवसर पर राजस्व, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा ने दोपहर 1 बजे हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया। ट्रेन के प्रस्थान के दौरान रायपुर रेलवे स्टेशन का प्लेटफॉर्म नंबर 7 जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा। तीर्थयात्रियों और उनके परिजनों में विशेष उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। यात्रियों का पारंपरिक छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य एवं लोकवाद्य से स्वागत किया गया, वहीं आईआरसीटीसी के प्रतिनिधियों द्वारा तिलक लगाकर अभिवादन किया गया। इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, गुरु खुशवंत साहेब, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा, नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज, सचिव संस्कृति एवं पर्यटन डॉ. रोहित यादव, पर्यटन बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य, कलेक्टर रायपुर डॉ. गौरव सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सिटी लाइव

स्कूल को भेंट किए प्रिंटर व स्टेशनरी बच्ची की पढ़ाई का खर्च भी उठाया

रायपुर। गहोई यूथ रायपुर ने मंगलवार को धनेली स्थित शासकीय मिडिल व प्राइमरी स्कूल में प्रिंटर और कॉपियों का वितरण किया। बहुत दिनों से स्कूल में प्रिंटर की परेशानी हो रही थी, लेकिन जब यह बात गहोई यूथ रायपुर को पता चली तो उन्होंने बच्चों की मदद के लिए तुरंत प्रिंटर एव कॉपियों की व्यवस्था कराकर उनको भेंट की। कार्य में गहोई यूथ रायपुर के संयोजक व प्रभारी संतोष सेठ, साकेत निखरा, गौरव बरसैंया, आलोक बरसैंया, मुकेश गुप्ता, ऋषि निगौती सहित अन्य युवाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर धनेली ग्राम पंचायत की शाला विकास समिति की अध्यक्ष, लायंस क्लब कैपिटल रायपुर की पूर्व अध्यक्ष प्रीति पांडेय व स्कूल की प्राचार्य समेत सभी शिक्षकों की उपस्थिति रही। एक गरीब अनाथ बच्ची का एक साल का पूरा स्कूल खर्चा जैसे कॉपी, किताबें, कपड़े सभी का खर्चा प्रीति पांडेय उठाएंगी। बच्चों को खेलकूद का सारी सामग्री देने की घोषणा संतोष सेठ द्वारा की गई है।

● श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की तैयारी शुरू, खरीदे जा रहे पोशाकों से मेल खाते झूले

सावन के श्रृंगार में रंगी लड्डू गोपाल की पोशाकें, जन्माष्टमी के लिए महीनेभर पहले ही डिजाइन करा रहे मुकुट-पगड़ी और बांसुरी

सावन और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के नजदीक आते ही शहर के बाजारों में लड्डू गोपाल की पोशाकों की खरीदारी शुरू हो चुकी है। भगवान को नए व आकर्षक रूप से सजाने के लिए भक्त अब नए वस्त्र खरीदने पहुंच रहे हैं। बाजार में जरी, गोटा, मोती, लेस और रंगबिरंगे धागों से सजी पोशाकें खरीद रहे हैं।

रायपुर। इस वर्ष पोशाकों में भगवान श्रीकृष्ण के विभिन्न स्वरूपों की झलक देखने को मिल रही है, इनमें खाटू श्याम बाबा, बांके बिहारी, राधा-कृष्ण, बांसुरी, मोरपंख और बाल स्वरूप में तैयार की गई पोशाक खास आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इन दिनों पोशाकों के साथ मेल खाते मुकुट, पगड़ी, बांसुरी और झूले भी खरीदे जा रहे हैं।

कस्टमाइज पोशाक और ज्वेलरी रंगों के कपड़े पहली पसंद

बाजारों में लड्डू गोपाल की कस्टमाइज पोशाक और आभूषणों की जबरदस्त मांग देखने को मिल रही हैं। ऐसे में श्रद्धालु रेडीमेड के अलावा पोशाक में मनपसंद डिजाइन कराना पसंद कर रहे। इन दिनों पोशाक, पगड़ी, बांसुरी और ज्वेलरी एक ही डिजाइन में खरीदी जा रही हे, ऐसे में चटकदार रंगों में गोल्डन-सिल्वर धागों का वर्क, स्टोन और सफेद मोतियों से सजी पोशाकें अधिक पसंद की जा रही हैं। चौबे कॉलोनी स्थित बुटिक की संचालिका मिथिलेश अग्रवाल बताया कि लोग सूती और नेट फैब्रिक में डिजाइनर पोशाक पसंद कर रहे हैं, ऐसे में पायल, माला, कमरबंध, चूड़ी, बाजूबंद और कुंडल भी पोशाक के अनुसार ही तैयार किए जा रहे। ऐसे में 100 रुपए से 3 हजार तक की पोशाक सजाई जा रही है।

गोल्डन-सिल्वर जरी वर्क में हाथी बनाया

पारंपरिक और हैवी वर्क में हैंडमेड पोशाकों को प्राथमिकता दे रहे हैं। गीतांजलि नगर स्थित दुकान संचालिका पूजा अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष विशेष रूप से राजस्थानी, मारवाड़ी, शाही डिजाइन और वृंदावन की तर्ज पर कस्टमाइज पोशाक तैयार की जा रही है। इनमें खास डिजाइन के लिए कोलकाता से मंगाई गई रंगबिरंगी लेस का उपयोग किया जा रहा है। पोशाकों पर मोती और रंगबिरंगे धागों से मोर का चित्र उकेरा गया है, वहीं गोल्डन-सिल्वर जरी वर्क में हाथी, पारंपरिक मारवाड़ी और राजस्थानी थीम पर पोशाक तैयार की है। इसकी कीमत 150 रुपए से 1500 तक तय की गई है।

राजस्थानी-मारवाड़ी स्टाइल में डिजाइनर पोशाक, मुकुट

श्रद्धालु खासतौर पर रंगीन, कढ़ाईदार और पारंपरिक फ्रैब्रिक की पोशाक की खरीदी भी कर रहे हैं। ऐसे में गुलाबी, नीला, मेहरून, हरा, लाल रंग पहली पसंद है। साथ ही मुकुट को भी पोशाक की तरह हैवी लुक के साथ तैयार किया जा रहा है। इन दिनों मोती, स्टोन, कुंदन, राजवाड़ी व मारवाड़ी डिजाइन में लड्डू गोपाल के लिए ज्वेलरी भी तैयार की जा रही है।

धर्म साधना की अनूठी मिसाल, 100 से अधिक श्रद्धालु करेंगे शत्रुंजय महातप, 29 दिन चलेगा कठिन तप

रायपुर। शत्रुंजय महातप को लेकर धर्म अनुयायियों में भारी उत्साह देखा गया। श्री विमलनाथ जैन मंदिर ट्रस्ट व भाव उल्लास चातुर्मास समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस विशेष तप में 100 से अधिक श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लिया। मंगलवार को इस तप का उत्तर पारणा नाकोड़ा भैरव समिति के सामुदायिक भवन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ साधु भगवंत जयपालश्री, प्रियदर्शीश्री, तीर्थ प्रेम विजयजी और साध्वी भगवंत अक्षय निधि आदिठाणा के आशीर्वाद से हुआ। पिछले वर्ष भी साधु भगवंत के सानिध्य में सिद्धि तप का आयोजन हुआ था, जिसमें 100 से अधिक तपस्वियों ने भाग लिया था। इस वर्ष शत्रुंजय महातप 16 जुलाई से प्रारंभ होगा, जिसमें 2 तेला, 7 बेला व 9 व्यसना सहित कुल 29 दिवसीय तप किया जाएगा। इसका पारणा 15 अगस्त को अत्यंत श्रद्धा व भव्यता के साथ संपन्न होगा। नाकोड़ा भैरव सोसायटी में स्थित विमलनाथ मंदिर ट्रस्ट के रवि दोशी व सुरेश बाघमार ने बताया, ट्रस्ट के लिए यह पहला अवसर है कि इतनी बड़ी संख्या में इस महत्वपूर्ण और कठिन तप को करने के लिए श्रावकों में भारी उत्साह है।

मनुष्य जीवन हाथ से निकल गया तो दोबारा प्राप्त नहीं होगा

दादाबाड़ी में आत्मोत्थान चातुर्मास 2025 के अंतर्गत चल रहे प्रवचन श्रृंखला के दौरान शनिवार को हंसकीर्ति श्रीजी ने कहा कि कोई भी चीज, चाहे वह सांसारिक वस्तु हो, राजनीतिक पद हो या स्वयं मनुष्य जीवन, एक बार हाथ से निकल जाने के बाद दोबारा वैसे ही रूप में प्राप्त नहीं होता। दुनिया का सुख भी वैसा ही है, जैसे किसी पराई वस्तु को कुछ समय के लिए धारण कर लेना, यह केवल क्षणिक खुशी देता है, स्थायी सुख नहीं। असली सुख तब मिलता है, जब हम अपने पास उपलब्ध साधनों में ही संतोष करना सीख लेते हैं। संतोष ही वह कुंजी है, जो हमें भीतर से शांति और संतुलन प्रदान करती है। हम अक्सर बाहर सुख की तलाश में भटकते हैं, कभी भौतिक वस्तुओं में, कभी रिश्तों में और कभी किसी ऊंचे पद या प्रतिष्ठा में, लेकिन सच्चाई यह है कि सुख बाहर नहीं, हमारे भीतर ही छिपा होता है। हमारे पास जो कुछ है, अगर हम उसी में संतुष्ट रहना सीख जाएं तो वही साधन हमें गहराई से शांति का अनुभव करा सकते हैं। बाहर की कोई भी वस्तु, व्यक्ति या परिस्थिति हमें स्थायी रूप से सुखी नहीं कर सकती। असली सुख हमारे भीतर के भावों, विचारों और दृष्टिकोण से उत्पन्न होता है।

शिवपुराण की कथा सर्वप्रथम सनत कुमारों को भगवान शिव ने सुनाई

रायपुर। श्रीशंकराचार्य आश्रम बोरियाकला में श्रीचातुर्मास प्रवचन माला के अंतर्गत शिव पुराण की दिव्य अमृतमयी कथा विस्तार हुआ। शिवपुराण की दिव्य अमृतमयी कथा विस्तार में शंकराचार्य आश्रम के प्रभारी दंडी स्वामी डॉ. इंदुभवानंद तीर्थ महाराज ने कहा कि शिवपुराण संहिता है। संहिता का अर्थ होता है, जो मनुष्य के हित की बात करे, वह संहिता कहलाती है। जीव के कल्याण की बात जिसमें निहित होती है, उसको संहिता कहते हैं। संहिता साक्षात वेद का ही स्वरूप मानी जाती है, वेद का अनुगमन करने वाले शास्त्र संहिता कहलाते हैं। इसलिए संस्कृत में उसकी व्याख्या करते हुए बताया गया है कि सम्यक हित जिसमें छिपा हो, वह संहिता होती है। सम्यक हित की बात केवल वेद ही करता है, वेद ही मनुष्य के कल्याण की बात करता है।

जीव का परम लक्ष्य परमात्मा से मिलना है। जीव की यात्रा तब तक चलती रहती है, जब तक उसे परमात्मा की प्राप्ति नहीं होती है। परमात्मा की प्राप्ति ही जीव का मूलभूत लक्ष्य है। उसे इस लक्ष्य की प्रति मनुष्य योनि में होती है। इस प्रकार का उपदेश जिन शास्त्रों में निहित होता है, उसको संहिता कहते हैं। इसलिए शिवपुराण भी संहिता है। भगवान शंकर ने स्वयं शिवपुराण की कथा सर्वप्रथम सनत कुमारों को सुनाई थी। भगवान शिव दक्षिणामूर्ति के रूप में एक वटवृक्ष के नीचे विराजमान हुए और मौन व्याख्यान के रूप में शिष्यों को आत्मबोध करा रहे थे। इस ग्रंथ का नाम शिवपुराण है, अतः शिवपुराण की कथा सर्वप्रथम शिवजी द्वारा सनकादियों ने ही श्रवण की थी।

आरती, पोथी पूजन और कथा श्रवण के साक्षी बने श्रद्धालु

सुधि वक्ता ने आगे कथा का विस्तार करते हुए बताया कि बिन्दुग जैसे निकृष्ट पापी और चंचुला जैसी कुमार्गामी स्त्री भी भगवान शिव की कथा सुनकर मुक्त हो गए, यानी बड़े से बड़ा पापी भी भगवान शिव की शरण लेता है, उनकी कथा सुनता है तो पाप से मुक्त हो जाता है। भगवान शंकर जैसा दयालु कोई भी देवता नहीं है, इसलिए समस्त देव, यक्ष, नाग, किन्नर, गंधर्व वा मनुष्य भगवान शंकर की शरण ग्रहण करते हैं। भगवान शंकर सबको उनके मनोनुकूल इच्छाओं को पूर्ण करते हैं और अंत में अपने स्वरूप को देखकर अपना पार्षद बनाकर शिवलोक में रखते हैं। कथा के शंकराचार्य आश्रम के आचार्यों ने वेदों का मंगलाचरण किया तथा आरती करके पोथी का पूजन किया। तत्पश्चात सभी श्रोताओं को स्वामीजी महाराज ने शिवपुराण की दिव्य अमृतमयी कथा सुनाई।

भाव के भूखे होते हैं भगवान तो भगवान को ही मांग लो

शंभूशरण लाटा महाराज के प्रवचन

रायपुर। भोलेनाथ के मंदिर हम जब कभी जाएं या जो भक्त रोज जाते हों, वे भगवान भोलेनाथ से कहें, बाबा राम राम। इससे भगवान भोलेनाथ भक्तों से और ज्यादा प्रसन्न होंगे, क्योंकि भगवान भोलेनाथ खुद भगवान राम की तपस्या में लीन रहते हैं। भगवान भोलेनाथ के मन में भगवान राम का ध्यान होता है और जिस प्रभु का भगवान भोलेनाथ ध्यान करते हैं, ऐसे में हम बाबा भोलेनाथ के पास जाकर यदि उनके आराध्य की जय बुला दें या उनका नाम स्मरण कर दें तो निश्चित ही बाबा की प्रसन्नता भक्तों के ऊपर ज्यादा बढ़ेगी।

श्रीराम कथा प्रचार समिति द्वारा महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज के ऑडिटोरियम में आयोजित श्रीराम कथा में अंतर्राष्ट्रीय संत शंभूशरण लाटा महाराज ने भक्तों को कथा का रसपान कराते हुए यह बातें कहीं। उन्होंने कथा के दौरान कहा, वे खुद भी भक्तों से बाबा राम राम बाबा राम राम बुलवाते हैं, जिससे राम कथा सुन रहे भक्तों पर भगवान भोलेनाथ की कृपा बरस सके। श्री रामकथा में भक्तों को कथा का अमृतपान कराते हुए भगवान राम की बाललीला का वर्णन पुष्पवाटिका और धनुष यज्ञ की कथा का वर्णन संतश्री ने किया। श्रीराम कथा प्रचार समिति के प्रचार-प्रसार प्रभारी ईश्वर प्रसाद अग्रवाल, कर्तव्य अग्रवाल और अरुण अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि महाराजश्री के मुखारविंद से भगवान श्रीराम की अमृतमय धारा प्रवाहित हो रही है, जिसे सुनने के लिए और अमृत रूपी कथा का रसपान करने के लिए दूर-दूर से भक्त श्रीराम कथास्थल पहुंच रहे हैं। पुनीत कथा के दौरान प्रमुख रूप से अरुण अग्रवाल, ईश्वर प्रसाद अग्रवाल, नवल अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, विजय अग्रवाल, लोकेश अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, सुमित अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, आनंद अग्रवाल,महेंद्र वर्मा, रमेश अग्रवाल के साथ प्रदेशभर से भारी संख्या में पहुंचे भक्तों की उपस्थिति रही।

'चालीहा महोत्सव' आज से शुरू संत साईं शेहरावाले कल आएंगे

रायपुर। सिंधी समाज में 40 दिनों का उपवास और आराधना का पर्व चालीहा महोत्सव 16 जुलाई से शुरू हो रहा है। यह पर्व भगवान झूलेलाल को समर्पित है और सिंधी समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक उत्सव है। इस दौरान भक्त 40 दिनों तक उपवास रखकर घर में जोत जलाकर भगवान झूलेलाल की पूजा-अर्चना करते हैं। साथ ही मनोकामना पूर्ति के लिए आस की मटकी अपने घर में रखेंगे, जिसमें जल भरकर विधि-विधान से 40 दिनों तक पूजा-अर्चना की जाएगी। सेवादारी महेश रोहरा, मुकेश थवानी, सुभाष बजाज और तनेश आहूजा ने बताया कि अहमदाबाद के साईं शेहरा वाले 17 जुलाई को रायपुर पहुंचेंगे तथा समाजजनों को आस की मटकी घर में रखने के लिए स्वयं अपने हाथों से वितरित करेंगे, साथ ही पूजा एवं संपूर्ण विधि-विधान की जानकारी समाजजनों को देंगे। उनके आगमन पर समाज द्वारा उनका भव्य स्वागत किया जाएगा और विभिन्न आयोजन दो दिनों तक रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव में किए जाएंगे।

सिटी स्पोर्ट्स

जिला क्रिकेट संघ का ट्रायल जारी अंडर-19 के 166 ने लिया भाग

रायपुर। रायपुर जिला क्रिकेट संघ ने वर्ष 2026-27 हेतु सभी वर्गों के ट्रायल 11 जुलाई से शुरू कर दिए है। इसके पहले एक जुलाई से 07 जुलाई तक सभी वर्गो के खिलाडियों का पंजीयन किया गया। इसके उपरांत वर्गवार खिलाडियों का ट्रायल 11 जुलाई से प्रारंभ हो गया है।मंगलवार को आर डी सी ए इंडोर स्टेडियम, तेलीबांधा रायपुर में अंडर-19 वर्ग के लगभग 166 खिलाडियों का ट्रायल हुआ। ट्रायल 3 स्लॉट में लिया गया। पहला स्लॉट सुबह 8.30 बजे से प्रारंभ हुआ। खिलाडियों को क्रमशः प्रारंभिक बल्लेबाज, मध्यक्रम बल्लेबाज, तेज गेंदबाज तथा स्पिन गेंदबाज वर्ग में विभाजित कर ट्रायल लिया गया। 16 जुलाई को अंडर 19 वर्ग के खिलाडियों का ट्रायल जारी रहेगा, जो 3 स्लॉट में संपन्न होगा।

टेटे संघ का कैलेंडर तय, कई जिलों में होंगी प्रतियोगिताएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ की वार्षिक आमसभा पंडरी, रायपुर में संपन्न हुयी। जिसकी अध्यक्षता रायपुर उत्तर के पूर्व विधायक एवं छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा ने की। बैठक में छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ की वार्षिक प्रतियोगिता के आयोजन एवं राज्य में टेबल टेनिस के प्रचार एवं विकास पर विस्तृत चर्चा हुयी। बैठक में वार्षिक प्रतियोगिता का कैलेण्डर निर्धारित किया गया जिसमें प्रथम राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता माह अगस्त में दुर्ग, द्वितीय राज्य रैंकिंग़ टेबल टेनिस प्रतियोगिता तथा प्रथम मास्टर्स राज्य रैंकिंग़ टेबल टेनिस प्रतियोगिता माह सितंबर में क्रमशः कोंडागांव एवं रायपुर, 23वीं छत्तीसगढ़ राज्य एवं अंतर जिला टेबल टेनिस प्रतियोगिता माह अक्टूबर में रायपुर, राज्य पैरा टेबल टेनिस प्रतियोगिता तथा द्वितीय मास्टर्स राज्य रैंकिंग़ टेबल टेनिस प्रतियोगिता माह नवंबर में रायपुर, तृतीय मास्टर्स राज्य रैंकिंग़ टेबल टेनिस प्रतियोगिता माह दिसंबर में रायपुर को आबंटित किया गया।

इसके साथ ही पिछले वर्ष आयोजित राज्य प्रतियोगिता के सफल आयोजन करने पर बिलासपुर जिला टेबल टेनिस संघ को प्रथम राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता हेतु स्मृति चिन्ह दिया गया। छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा ने छत्तीसगढ़ ओलम्पिक संघ के पर्यवेक्षक विजय अग्रवाल को ससम्मान मोमेंटो भेंट किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष शरद शुक्ला, संघ के पूर्व मुख्य सलाहकार डा. मानिक चटर्जी, छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष किशोर जादवानी, सुरेश चन्नावार, उपाध्यक्ष अनिल पुसदक, विनय बैसवाडे, गिरिराज बागड़ी, सचिव सार्थक शुक्ला, कोषाध्यक्ष सौरभ शुक्ला एवं पदाधिकारीगण, जिला संघों के अध्यक्ष एवं सचिव आदि उपस्थित थे। मंच संचालन सह सचिव प्रेमराज जाचक ने किया। उपरोक्त जानकारी छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के उपाध्यक्ष विनय बैसवाड़े ने दी।

राज्य स्तरीय कुश्ती स्पर्धा में दम दिखाया नौजवानों ने

रायपुर। राज्य स्तरीय कुश्ती चयन प्रतियोगिता का आयोजन एमजी क्लब दुर्ग द्वारा 13 जुलाई को आयोजित किया गया था। प्रतियोगिता में बिलासपुर जिले के कुल 7 पहलवानों ने भाग लिया। राष्ट्रीय कुश्ती कोच सागर धीवर ने बताया कि बालक वर्ग के फ्रीस्टाइल कुश्ती के 57 किलोग्राम भार वर्ग में करण धीवर गोल्ड मेडल, 65 किलोग्राम भार वर्ग में रुपेश धीवर ने भी गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। वहीं बालिका वर्ग में अंजली यादव ने 59 किलोग्राम भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीती। पावनी यादव ने 62 किलोग्राम भार वर्ग में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। फ्रीस्टाइल कुश्ती के ही 86 किलोग्राम में हर्ष सोनी ने सिल्वर मेडल, ग्रीको रोमन शैली में भागवत साहू ने भी सिल्वर मेडल जीते। जिले के टीम मैनेजर के रूप में उस्ताद विनोद सारथी एवं कोच सागर धीवर उपस्थित रहे। पहलवानों की इस जीत के अवसर पर सिद्ध पीठ गिरजा बंद हनुमान मंदिर अखाड़ा रतनपुर के संरक्षण महंत तारकेश्वर पुरी महाराज, गजेंद्र दुबे,अनिल यादव, शंकर राव मराठा और हर्ष पटेल जिला कुश्ती संघ के सचिव अध्यक्ष ने भी बधाई दी है।

बदलती लाइफ स्टाइल का सीधा असर होता है आपकी हड्डियों पर

इन बातों पर कम उम्र से ही दिया ध्यान तो 'स्टील स्ट्रॉन्ग' बनी रहेंगी हड्डियां, उन्हें जरूर अपनाएं

आजकल के भागदौड़ भरे जीवन, फास्ट फूड की आदत, धूप से दूरी, घंटों बैठकर काम करना और व्यायाम की कमी की वजह से हड्डियों से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। कम उम्र में ऑस्टियोपोरोसिस, जोड़ों में दर्द, कमर और पीठ की तकलीफ आम हो गई है। इससे कैसे बचें? क्या आप जानते हैं कि हमारी हड्डियां हर दिन बदलती हैं? बचपन में ये तेजी से बढ़ती हैं, युवावस्था में मजबूत होती हैं और उम्र बढ़ने पर धीरे-धीरे कमजोर होने लगती हैं। यही कारण है कि 40 की उम्र आते-आते हड्डियों से संबंधित दिक्कतें आपको परेशान करने लग जाती हैं। अब तो कई मामले ऐसे भी देखे गए हैं जिनमें 20 की उम्र के लोग भी हड्डियों से संबंधित दिक्कतों से परेशान देखे जा रहे है। हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाए रखने के लिए कैल्शियम सबसे जरूरी पोषक तत्व माना जाता है। इसके लिए कम उम्र से ही आहार में कैल्शियम से भरपूर चीजों- जैसे डेयरी उत्पाद, हरी पत्तेदार सब्जियों, मछलियों को जरूर शामिल किया जाना चाहिए।

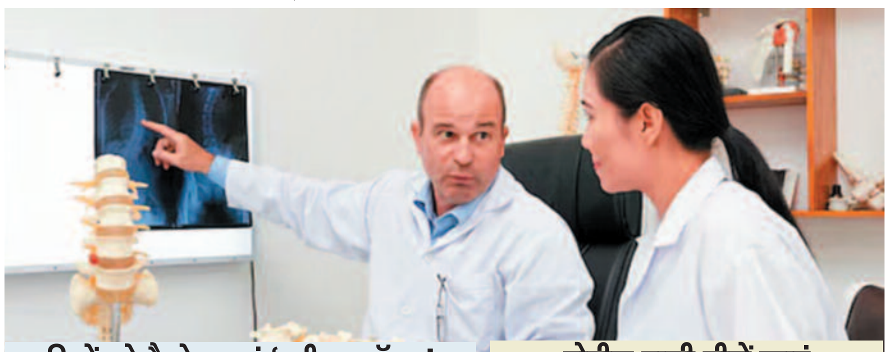

हड्डियों को कैसे बनाएं 'स्टील स्ट्रॉन्ग'?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आजकल के भागदौड़ भरे जीवन, फास्ट फूड की आदत, धूप से दूरी, घंटों बैठकर काम करना और व्यायाम की कमी की वजह से हड्डियों से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। कम उम्र में ऑस्टियोपोरोसिस, जोड़ों में दर्द, कमर और पीठ की तकलीफ आम हो गई है। खासकर महिलाओं और बुजुर्गों में यह खतरा ज्यादा देखा जाता है। लेकिन चिंता मत कीजिए, कुछ सरल आदतें अपनाकर और जरूरी पोषक तत्वों को अपने आहार में शामिल करके आप अपनी हड्डियों को 'स्टील स्ट्रॉन्ग' बनाए रख सकते हैं।

प्रोटीन वाली चीजें खाएं

हड्डियों का मजबूत बनाए रखने के लिए कैल्शियम और विटामिन्स के साथ-साथ प्रोटीन वाली चीजें भी जरूरी हैं। हड्डियों के टिशू और मांसपेशियों की मरम्मत और वृद्धि में प्रोटीन मदद करता है। डेयरी उत्पाद, अंडे, नट्स, और बीन्स अच्छे प्रोटीन स्रोत हैं।इसके अलावा मैग्नीशियम हड्डियों में कैल्शियम के स्तर को नियंत्रित करता है और पोटैशियम हड्डियों में मिनरल्स को बनाए रखने में मदद करता है। ये तत्व हरी पत्तेदार सब्जियों, नट्स, और फलियों में मिलते हैं।

हड्डियों की मजबूती के लिए क्या खाएं

हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के लिए कैल्शियम वाली चीजें जैसे दूध, दही, पनीर और छाछ, हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे ब्रोकली और पालक, सोया और टोफू के साथ मछलियों को आहार का हिस्सा जरूर बनाएं। इसके साथ कैल्शियम के अवशोषण को बढ़ाने के लिए फैटी फिश, अंडे की जर्दी और मशरूम का सेवन करना चाहिए। विशेषज्ञों ने बताया बेहतर स्वास्थ्य और मजबूत हड्डियों के लिए कैल्शियम और विटामिन-डी का संतुलन बनाकर रखा जाना चाहिए।

हड्डियों को मजबूत रखने के लिए इन बातों का भी ध्यान रखें

विटामिन-डी के बिना शरीर कैल्शियम का सही से उपयोग नहीं कर पाता। इसके लिए रोज सुबह की धूप (10-15 मिनट) लें या डॉक्टर की सलाह से सप्लीमेंट्स लें। अधिक कैफीन और कोल्ड ड्रिंक्स कैल्शियम के अवशोषण में बाधा डालते हैं। इनका सेवन सीमित रखें। स्मोकिंग और अल्कोहल, दोनों ही हड्डियों को कमजोर करने वाले सबसे बड़े दुश्मन हैं। इससे बोन डेंसिटी तेजी से गिरती है। बहुत ज्यादा या बहुत कम वजन दोनों ही हड्डियों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। संतुलित वजन हड्डियों को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है।

सिर्फ मसल्स बनाने ही प्रोटीन की जरूरत नहीं और भी हैं इसके काम

हम सभी प्रोटीन के बारे में जानते हैं। प्रोटीन मसल्स, स्किन, बालों और नाखूनों के साथ-साथ एंटीबॉडीज, हार्मोन और सेलुलर स्ट्रक्चर्स का एक महत्वपूर्ण कंपोनेंट है। विज्ञान यह कहता है कि कोई भी व्यक्ति यह सुनिश्चित नहीं कर सकता कि वो कितना कार्बोहाइड्रेट कंज्यूम सकता है। इस मामले में प्रोटीन सबसे आम मैक्रोन्यूट्रिएंट के रूप में सामने आता है।

हम में से ज्यादातर लोग जानते हैं कि प्रोटीन केवल मसल्स के डेवलपमेंट में मदद करता है। हमारा शरीर प्रोटीन को अमीनो एसिड में तोड़ देता है और मसल्स के रिस्टोरेशन और रिकंसट्रक्शन के लिए अमीनो एसिड का उपयोग करता है। लेकिन कई लोगों का यह मानना है कि प्रोटीन सिर्फ मसल्स के निर्माण से ज्यादा कुछ नहीं करता है।

प्रोटीन तीन प्राइमरी फूड ग्रुप्स में से एक है और अमीनो एसिड से बना है, जो ₹बिल्डिंग ब्लॉक्सर₹ सेल्स के रूप में काम करता है। इन सेल्स को अपने विस्तार और मरम्मत के लिए प्रोटीन की आवश्यकता होती है। अपनी डाइट में प्रोटीन जोड़ने के कुछ नैचुरल सोर्स भी हैं। मछली, मुर्गी, अंडे,

फलियां और डेयरी प्रोडक्ट जैसे खाद्य पदार्थ प्रोटीन से भरे होते हैं और इन्हें हम अपनी डेली डाइट में शामिल कर सकते हैं। हम आपको कुछ जबरदस्त प्रोटीन रिच स्नैक्स के बारे में बताने जा रहे हैं प्रोटीन मसल्स के लिए बेहद फायदेमंद है। यह महत्वपूर्ण घटक आपके शरीर ये जुड़े सभी दैनिक कार्यों और उपयोगों के लिए आवश्यक है। आपको कितनी मात्रा में प्रोटीन का सेवन करना चाहिए या नहीं करना चाहिए, इस बारे में मिथकों और धारणाओं के बावजूद, आपको अपने प्रोटीन इनटेक का बाकी न्यूट्रिशनल इनटेक के साथ मिलान करना महत्वपूर्ण है। बहुत से लोग प्रोटीन को मसल्स मास के साथ भी जोड़ते हैं। प्रोटीन और अमीनो एसिड आपके शरीर में मसल्स के टिश्यूज का निर्माण करते हैं। साधारण भाषा में कहें तो यदि आपकी मसल्स एक इमारत हैं, तो ईंटें प्रोटीन हैं। आपका शरीर कई प्रकार के अमीनो एसिड का निर्माण करता है। लेकिन 9 अन्य आवश्यक अमीनो एसिड भी होते हैं और उनका निर्माण शरीर में नहीं होता है। बीन्स, नट्स और सोया जैसे फूड प्रोडक्ट्स से आपको ईएए मिलता है। मिश्रित अमीनो एसिड युक्त डाइट मसल्स के प्रोटीन के उत्पादन को अधिकतम करने में मदद कर सकती है। ल्यूसीन नामक अमीनो एसिड कई एनाबॉलिक (मांसपेशियों के निर्माण) प्रक्रियाओं के लिए जिम्मेदार है। इसे ₹ल्यूसीन ट्रिगर सिद्धांत₹ के रूप में जाना जाता है, क्योंकि उचित मात्रा में ल्यूसीन लेना मसल्स के प्रोटीन प्रोसेस को ट्रिगर करता है। मसल्स के निर्माण में प्रोटीन विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि अमीनो एसिड (प्रोटीन बिल्डिंग ब्लॉक्स) मसल्स के टिश्यूज के पुनर्निर्माण और बनाए रखने में मदद करते हैं। वर्कआउट के बाद प्रोटीन आपको एक्सरसाइज से ठीक होने में मदद करता है, क्योंकि एक्सरसाइज के दौरान मसल्स थोड़ी फट जाती हैं। लेकिन आपके लिए यह जानना भी आवश्यक है कि केवल ज्यादा प्रोटीन खाने का मतलब यह नहीं है कि आप मसल्स को जोड़ने जा रहे हैं। आपको एक्सरसाइज और वेट ट्रेनिंग के साथ-साथ फलों, सब्जियों और कार्बोहाइड्रेट वाली स्वस्थ और संतुलित डाइट की आवश्यकता होती है।

सब्जी में हो गया ज्यादा तेल तो कटोरी वाला हैक आएगा काम

अक्सर जब हम सब्जी या ग्रेवी बनाते हैं, तो अंदाजे से डाला गया तेल पकने के बाद ज्यादा दिखने लगता है। सब्जी में तेल ऊपर से दिखने लगे, तो उसे खाने का मन किसी का भी नहीं करेगा। सब्जी का स्वाद खराब किए बिना आप उसमें तेल को निकाल सकती हैं।

कटोरी वाला हैक

यह सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका एक बेहद स्मार्ट और आसान हैक है, जिसे आप ग्रेवी वाली सब्जियों से तेल बगैर किसी हाई-फाई टूल कर सकती हैं।

कैसे करें: जब आपकी सब्जी या ग्रेवी पूरी तरह पक जाए और ऊपर तेल की एक परत तैरने लगे, तो एक छोटी स्टील या एल्यूमीनियम की कटोरी लें।

इस कटोरी को उल्टा करके धीरे-धीरे सब्जी के ऊपर रखें और हल्का-सा दबाएं।

उल्टी कटोरी की बाहरी सतह पर तैरता हुआ तेल चिपकने लगता है और कुछ ही सेकंड में आपको उसका असर दिखने लगेगा। लगभग 10–15 सेकंड बाद कटोरी को निकालें और एक कटोरी या प्लेट में वह तेल गिरा दें। यह प्रक्रिया तब तक दोहराएं जब तक कि एक्सेस ऑयल हट न जाए। अगर आप कटोरी को पहले कुछ मिनटों के लिए फ्रिज में ठंडा कर लें, तो उसका ठंडा मेटल तेल को और तेजी से खींच लेता है। इससे यह ट्रिक और कारगर हो जाती है।

बर्फ से हटाएं एक्सेस ऑयल

अगर आप कटोरी का झंझट नहीं करना

चाहते हैं, तो कोई बात नहीं। आप फ्रिज से आइस क्यूब्स लेकर उसका इस्तेमाल कर सकती हैं। यह भी उपयोगी हैक है-

कैसे करें: एक साफ मलमल या कॉटन के कपड़े को लें और उसमें 2–3 बर्फ के टुकड़े लपेटें। अब इस बर्फ-लपेटे कपड़े को सब्जी की सतह पर हल्के-हल्के चलाएं।बर्फ की ठंडक से ऊपर तैर रहा तेल धीरे-धीरे जमने लगता है और कपड़े से चिपक जाता है। आप देखेंगे कि सब्जी के ऊपर तेल नहीं तैरेगा।

पेपर टॉवल ट्रिक से हटाएं तेल

अगर आपके पास कम समय है और सब्जी पर तेल बहुत ज्यादा है, तो यह सबसे तेज और आसान तरीका है। आप तेल निकालने के लिए पेपर टॉवल का उपयोग कर सकते हैं।

किचन में टाइल्स लगाने से पहले लें वास्तु की सलाह, घर में रहेगी बरकत

घर की किचन में टाइल्स के कलर को लेकर कन्फ्यूज हैं, तो ऐसे में आप वास्तु के अनुसार कलर चुनें। इससे आपकी घर का वास्तु अच्छा बना रहेगा। साथ ही, आपके घर में बरकत बनी रहेगी।

बेज कलर की टाइल्स को किचन में लगवाएं

आप अपनी किचन के वास्तु को अच्छा रखना चाहते हैं, तो ऐसे में आप बेज कलर का ज्यादा इस्तेमाल करें। ऐसा इसलिए क्योंकि इस रंग से आपकी किचन में लाइट बनी रहती है। साथ ही, आपकी किचन में पॉजिटिव एनर्जी बनी रहती है। इसलिए आपको ज्यादातर इस कलर की टाइल्स का इस्तेमाल करें। इसमें आप लाइट कलर का इस्तेमाल अच्छे से करें।

ब्राउन कलर की टाइल्स लगाएं

किचन के वातावरण को पॉजिटिव बनाने के लिए आप ब्राउन कलर की टाइल्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। ब्राउन कलर की टाइल्स से आपके घर का वातावरण बदल जाएगा। साथ ही, रंगों को देखकर आपके घर में बने खाने से हर किसी का मन अच्छा लगेगा। इसके लिए आप लाइट ब्राउन कलर या ऑफ ब्राउन कलर को चूज करें। इससे आपकी किचन का ओरा बदल जाएगा।

किचन में टाइल्स लगाते समय किन बातों का रखें ध्यान

इसके लिए सही कलर को चूज करना है, ताकि आपके घर की किचन का वातावरण सही रहे। जब भी किचन में टाइल्स लगाएं तो एक ही रंग की लगाएं। टाइल्स को हमेशा प्लेन डिजाइन में खरीदें, ताकि आपकी किचन अच्छी लगे। साथ ही, आपके घर का वातावरण अच्छा बना रहे। इन कलर्स के टाइल्स को लगाने के बाद आपकी किचन में पॉजिटिविटी बनी रहेगी।

बारिश में डेट पर जाने से पहले जान लें कुछ जरूरी बातें, वरना रोमांस की जगह झेलनी होगी परेशानी

चाहें पहली डेट हो या कई बार मिल चुके हों, मानसून की एक छोटी सी तैयारी आपकी मुलाकात को यादगार बना सकती है। इसलिए अगर आप भी बारिश में डेट पर जाने की सोच रहे हैं, तो कुछ बातें ज़रूर ध्यान रखें। बारिश का मौसम प्यार और रोमांस के लिए सबसे प्यारा मौसम माना जाता है। कितना अच्छा हो न कि हल्की-हल्की फुहारें, भीगी हवा और चाय की चुस्की के साथ एक खास शख्स का साथ मिल जाए।

सही कपड़ों चुनें

बारिश में भारी और ट्रांसपेरेंट कपड़े पहनना ठीक नहीं होता है। हल्के रंगों और कॉटन के बजाय सिंथेटिक या जल्दी सूखने वाले फैब्रिक चुनें। लड़कियों के लिए पलाज़ो या लॉन्ग कुर्ती और लड़कों के लिए ट्राउजर या नायलॉन जींस बेहतर रहेगी।

वॉटरप्रूफ फुटवियर पहनें

बारिश में रोमांस तभी रहेगा जब आप फिसलेंगे नहीं। चमड़े के जूते या हील्स की जगह फ्लैट्स,

स्नीकर्स या रबर सैंडल्स पहनें। बारिश में ये पहनने में सहज और आरामदायक होते हैं।

छाता या रेनकोट न भूलें

कभी भी ₹बस हल्की बारिश है₹ सोचकर घर से न निकलें। एक स्टाइलिश छाता या कॉम्पैक्ट रेनकोट साथ रखें।ये आपको भी बचाएगा और रोमांटिक पल भी बना सकता है!

डेट के लिए सही जगह

खुली छत या सड़क किनारे कैफे मानसून में रोमांटिक जरूर लगते हैं, लेकिन अचानक आई तेज बारिश से मूड बिगड़ सकता है। इसलिए ऐसी जगह चुनें जो बारिश प्रूफ और कम भीड़ वाली हो।

रायपुर बाजार
Contact For Advertisement
79871 19756
90981 38778

पैसा चाहिए ? हमारे पास आइए
(केवल बिजनेस लोन) एजेंट आमंत्रित
न्यूनतम कागजी कार्यवाही
5 हजार से 5 लाख तक बिजनेस लोन
आज लोन लीजिए 100 किश्तों में पटाइये
मोटवानी फायनेंस
93404-44755
गली नं. 03, सिंधी कॉलोनी, तेलीबांधा, रायपुर

पटेल बोरवेल्स
मोटर वाइंडिंग किया जाता है
Kirloskar
TEXMO
C.R.I. PUMPS
रिंग रोड नं. -1 संतोषी नगर चौक, बोरिया रोड रायपुर (छ.ग.)
9200003357 ★ 7999898750

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

एक्ट्रेस वेनेसा ने साझा की खुशखबरी, दोस्तों की बधाई

हॉलीवुड एक्ट्रेस वेनेसा हजेंस ने अपने फैंस के साथ बड़ी खुशखबरी साझा की है। वह दूसरी बार मां बनने वाली हैं। इस बात से वेनेसा, उनके पति और बेसबॉल प्लेयर कोल टकर काफी खुश हैं। वेनेसा हजेंस ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिसमें वह अपना बेबी बंप दिखाती नजर आईं। इन तस्वीरों में उनके साथ पति कोल टकर भी नजर आ रहे हैं। दोनों ने मैचिंग व्हाइट कलर की ड्रेस पहनी है। अपनी तस्वीरों के साथ एक्ट्रेस ने कैप्शन- 'राउंड टू।' वह तस्वीरों में काफी खुश नजर आ रही हैं।

साल 2024 में जुलाई माह में वेनेसा ने अपने पहले बच्चे को जन्म दिया था। अब वह दूसरी बार प्रेग्नेंट हुईं। दूसरी बार मां बनने की खुशखबरी सुनकर वेनेसा के दोस्तों ने भी बधाई दी है। डिज्नी स्टार एली मिशलका ने लिखा, 'बधाई हो। वहीं एक्ट्रेस जेना ने कमेंट किया, 'बधाई हो, मेरी प्यारी दोस्त।' ब्रॉडवे एक्टर कोरी कॉट ने वेनेसा को बधाई दी है।

प्रेग्नेंसी की खबर वाली पोस्ट से पहले वेनेसा ने अपने पति के नाम भी एक पोस्ट साझा की थी। पति के जन्मदिन पर एक्ट्रेस ने प्यार भरा मैसेज भी लिखा था। वेनेसा ने पोस्ट में लिखा, 'मेरे बेस्ट फ्रेंड और लाइफपार्टनर तुम मेरे लिए सबकुछ हो। तुमसे बेहतर कोई नहीं हो सकता है।'

हॉलीवुड एक्ट्रेस वेनेसा हजेंस और बेसबॉल प्लेयर कोल टकर की मुलाकात एक मेडिटेशन ग्रुप के जरिए हुई। न्यू यॉर्क पोस्ट के अनुसार वेनेसा और कोल टकर ने 2020 में एक जूम मेडिटेशन ग्रुप ज्वाइन किया। यही पर इनकी मुलाकात हुई, इसके बाद डेटिंग शुरू हुई। साल 2021 में दोनों ने अपने रिश्ते को मीडिया के सामने स्वीकार किया। तीन साल बाद मैक्सिको में शादी की।

टॉलीवुड

विजय की 'किंगडम' रिलीज होगी तय तारीख पर, हिंदी में नाम होगा अलग

विजय देवरकोंडा की आगामी एक्शन ड्रामा फिल्म 'किंगडम' हिंदी में भी रिलीज होगी, लेकिन हिंदी में फिल्म का नाम अलग होगा। साउथ अभिनेता विजय देवरकोंडा की बहुप्रतीक्षित एक्शन ड्रामा फिल्म 'किंगडम' को लेकर एक अहम जानकारी सामने आई है। इस फिल्म को गौतम तिन्नानुरी ने निर्देशित किया है। यह फिल्म अपनी निर्धारित तारीख 31 जुलाई को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। खबर के अनुसार, हाल ही में फिल्म किंगडम के अगले गाने ₹अन्ना एंटेनर₹ का अपडेट साझा किया गया था और यह भी पुष्टि हुई कि फिल्म हिंदी में भी रिलीज होगी, जिसका नाम 'साम्राज्य' है। पहले लोग सोच रहे थे कि हिंदी संस्करण रद्द हो गया, क्योंकि रिलीज की घोषणा में इसका जिक्र नहीं था। लेकिन अब यह साफ है कि हिंदी संस्करण उसी दिन रिलीज होगा। हालांकि, नेटफ्लिक्स के नियमों के कारण हिंदी संस्करण मल्टीप्लेक्स में नहीं, बल्कि केवल सिंगल स्क्रीन थिएटरों में दिखाया जाएगा।

विजय देवरकोंडा की एक्शन ड्रामा से भरी फिल्म किंगडम में भाग्यश्री बोरसे, सत्य देव और बाकी कलाकार भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। इसे सीथारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून फोर सिनेमाज ने बनाया है। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है।

भोजपुरी

शिव भक्ति में लीन दिखीं एक्ट्रेस रानी चटर्जी, फैंस को भी दीं शुभकामनाएं

फिल्मी दुनिया में तमाम ऐसे सितारे हैं जो हर धर्म को समान भाव से देखते हैं और खुद भी मानते हैं। भोजपुरी अभिनेत्री रानी चटर्जी का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। रानी चटर्जी ने आज सोमवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने अपनी फोटोज शेयर की हैं, जिनमें वे शिव भक्ति में लीन नजर आ रही हैं। रानी चटर्जी लाल रंग की पोशाक में सजी-संवरी नजर आ रही हैं। वे शिवलिंग को बड़े ही श्रद्धा-भाव के साथ हाथ में थामे दिख रही हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा है, 'सावन की शुभकामनाएं, भोले बाबा सबकी मनोकामना पूर्ण करें'।

रानी चटर्जी के पोस्ट पर यूजर्स के कमेंट्स आ रहे हैं। नेटिजन्स 'हर हर महादेव' के जयकारे लगा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'महादेव आप पर कृपा बनाए रखें'। रानी चटर्जी के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे इन दिनों फिल्म 'परिणय सूत्र' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इससे पहले उनकी फिल्म 'अम्मा' हाल ही में रिलीज हुई और दर्शकों से इसे अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। रानी भोजपुरी इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्रियों में शुमार हैं। वे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। इंस्टाग्राम पर उन्हें 2.2 मिलियन लोग फॉलो करते हैं। रानी ने भोजपुरी इंडस्ट्री में 'ससुरा बड़ा पईसावाला' से डेब्यू किया। इसके अलावा उन्होंने 'देवरा बड़ा सतावेला' और 'रानी नंबर 786' जैसी चर्चित फिल्मों में काम किया है।

लाइफ स्टाइल

> आज के दौर में फैशन के क्षेत्र में कल्पनाशीलता का कोई जवाब नहीं। डिजाइनर रॉबर्ट वुन ने अपने कॉउचर कलेक्शन के लिए मंच पर ही बारिश का माहौल बना दिया। गीले से लगते डिज़ाइन, चमकदार कपड़ों और मोतियों की कारीगरी के साथ उन्होंने बारिश का एसा भ्रम रचा कि दर्शकों ने बरसते-टपकते पानी का असली प्रभाव ही समझ लिया।

सावन में पहनें दुपट्टा सूट सेट के ट्रेंडी डिजाइंस, हर मौके पर लगेंगी खास

सावन के महीने में शिव की पूजा का बेहद खास महत्व है, और यही वजह है कि इस दौरान महिलाएं ट्रेडिशनल लुक में नजर आती हैं। इन दिनों खूबसूरत दिखने के लिए ज्यादातर महिलाएं सूट पहनना पसंद करती हैं। लेकिन, अगर आप कुछ न्यू ट्राई करने का सोच रही हैं, तो आप ये दुपट्टे वाले सूट सेट ट्राई कर सकती हैं। दुपट्टा सूट सेट के ये ट्रेंडी डिजाइंसआपके लुक में चार चांद लगाने का काम करेंगे, और इन्हें स्टाइल करने के बाद आपका लुक भी खूबसूरत नजर आएगा।

इस आर्टिकल में हम आपको दुपट्टा सूट सेट के ये ट्रेंडी डिजाइंस दिखा रहे हैं। ये आउटफिट सावन के मौके पर पहनने के लिए बेहतरीन हैं, और इन्हें स्टाइल करने के बाद आपका लुक बेहद सुंदर नजर आएगा।

प्रिंटेड दुपट्टा सूट सेट

सावन के मौके पर अट्रैक्टिव लुक पाने के लिए आप इस तरह के प्रिंटेड दुपट्टा सूट सेट का चुनाव कर सकती हैं। इस सूट में प्रिंटेड डिजाइन बनाया गया है, साथ ही, इसके साथ जो दुपट्टा है वह आपके लुक को स्पेशल टच देने का काम करेगा। इस तरह के सूट को आप कपड़ा लेकर दर्जी से बनवा सकती हैं, साथ ही, यह आपको ऑनलाइन भी सस्ते कीमत में मिल जाएगा। इस सूट के साथ आप पर्ल इयररिंग्स पहनकर अपने लुक को गॉर्जियस बना सकती हैं।

सिल्क सूट

अपने लुक को न्यू और स्पेशल टच देने के लिए आप सावन के मौके पर इस तरह के सिल्क सूट का चुनाव कर सकती हैं। इस सिल्क सूट में बेहद ही खूबसूरत डिजाइन बनाया गया है, साथ ही, इसके साथ जो दुपट्टा है वह अलग कलर में है जो आपके लुक को स्टाइलिश बनाएगा। यह सूट आप ऑनलाइन ले सकती हैं, साथ ही, आपको यह बाजार में भी सस्ते कीमत में मिल जाएगा। इस सूट के साथ आप मिरर वर्क झुमके पहन सकती हैं जो आपके लुक को स्टाइलिश टच देंगे।

एम्ब्रॉयडरी वर्क सूट

सावन के मौके पर अपने लुक को स्पेशल टच देने के लिए आप इस तरह के एम्ब्रॉयडरी वर्क सूट का चुनाव कर सकती हैं। यह सूट आपके लुक में चार चांद लगा देगा। इस सूट को आप कई सारे कलर और डिजाइन ऑप्शन्स के साथ ले सकती हैं।

मुल्तानी मिट्टी से जुड़े मिथक हैं चलन में, जान लें सच्चाई

मुल्तानी मिट्टी को स्किन के लिए काफी अच्छा माना जाता है। लेकिन अक्सर लोग इससे जुड़े मिथक को सच मानकर अपनी स्किन को नुकसान पहुंचा लेते हैं। जानिए ऐसे ही कुछ मिथक। आज के समय में हम सभी अपनी स्किन की केयर करने के लिए नेचुरल इंग्रीडिएंट्स का इस्तेमाल करना काफी पसंद करते हैं। इन्हीं नेचुरल इंग्रीडिएंट्स में से एक है मुल्तानी मिट्टी। ऐसा माना जाता है कि मुल्तानी मिट्टी स्किन के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यह ना केवल स्किन को ठंडक पहुंचाती है, बल्कि इससे गंदगी व अतिरिक्त ऑयल दोनों से छुटकारा मिलता है।

रोज लगाने से मिलता है फायदा

सच्चाई- अगर आप भी यह सोचती हैं कि मुल्तानी मिट्टी हर दिन लगाने से स्किन को काफी फायदा मिलता है तो आप एक भ्रम में जी रही हैं। इसे रोज़ लगाने से स्किन और भी ज़्यादा रूखी हो सकती है। जब स्किन की नेचुरल नमी भी चली जाती है तो आपको रेडनेस से लेकर स्किन पीलिंग हो सकती है। इससे आपको फायदा कम और नुकसान ज्यादा हो सकता है।

हर स्किन टाइप पर इस्तेमाल

सच्चाई- अक्सर लोग सोचते हैं कि मुल्तानी मिट्टी नेचुरल है, इसलिए इसे किसी भी स्किन पर इस्तेमाल किया जा सकता है। जबकि ऐसा नहीं है। अगर आपकी स्किन रूखी या संसेटिव है तो इसके इस्तेमाल से बचें। दरअसल, मुल्तानी मिट्टी स्किन से अतिरिक्त ऑयल को सोख लेती है, जिसकी वजह से स्किन और भी ज्यादा रूखी हो सकती है।

साथ ही, सेंसिटिव स्किन में जलन का अहसास हो सकता है। कभी-कभी इसकी वजह से स्किन में रैशेज व जलन की समस्या का सामना भी करना पड़ सकता है।

ब्लैकहेड्स पर हल्का असर

सच्चाई- बहुत से लोग यह सोचकर भी मुल्तानी मिट्टी को स्किन केयर रूटीन में शामिल करते हैं, क्योंकि इससे ब्लैकहेड्स हटाना आसान हो जाता है। ब्लैकहेड्स के लिए सिर्फ मुल्तानी मिट्टी ही काफी नहीं है। यह सच है कि मुल्तानी मिट्टी स्किन को टाइटन करने और ऑयल कम करने में मददगार है। लेकिन ब्लैकहेड्स हटाने के लिए सही एक्सफोलिएशन या बीएचए जैसे एसिड की जरूरत होती है। एक स्टडी के अनुसार, क्ले मास्क ब्लैकहेड्स पर बहुत हल्का असर करते हैं। बेहतर होगा कि ब्लैकहेड्स के लिए आप रेटिनॉइड या सैलिसिलिक एसिड का इस्तेमाल करें।

प्लेन टॉप के साथ ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी सेट

प्लेन टॉप के साथ आप अलग-अलग डिजाइन वाले ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी सेट को स्टाइल कर सकती हैं। इससे लुक अच्छा लगेगा। साथ ही, आप सुंदर नजर आएंगी।

अलग-अलग डिजाइन में

आप सुंदर नजर आएंगी। जब आप प्लेन टॉप के साथ ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी सेट को वियर कर सकती हैं। इस तरह के ज्वेलरी सेट में आपको डिजाइन अलग-अलग मिलेंगे। जिसे आप अपने टॉप के हिसाब से मैच करके वियर करें। इससे लुक काफी अट्रैक्टिव नजर आएगा।

लेयर नेकलेस सेट

आप अपने प्लेन टॉप के साथ कुछ लाइट वर्क वाले ज्वेलरी सेट को स्टाइल करना चाहती हैं, तो ऐसे में आप इस फोटो में नजर आने वाले नेकलेस सेट को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के नेकलेस सेट पहनने के बाद अच्छे लगेंगे। इसमें आपको चेन के साथ थोड़े-थोड़े हिस्से में झुमकी का डिजाइन मिलेगा। वहीं नीचे की तरफ पेंडेंट सेट मिलेगा। इससे सेट पहनने के बाद अच्छा लगेगा। इसे पहनकर आप भीड़ में भी अलग नजर आएंगी।

सिक्के के डिजाइन वाला सेट

अच्छी दिखाई देंगी जब आप वियर करेंगी ज्वेलरी सेट। ऐसे में आप अपने प्लेन टॉप के साथ पहनने के लिए चोकर नेकलेस सेट को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के चोकर सेट पहनने के बाद अच्छा लगेगा। इसमें आपको सिक्के का डिजाइन मिलेगा। इसके साथ आपको इसमें टेंपल डिजाइन मिलेगा। इससे ज्वेलरी सेट और भी अच्छा लगेगा। इसे आप किसी भी टॉप के साथ वियर कर सकती हैं।

सिंपल, दिखने में एलीगेंट

सिंपल लेकिन दिखने में एलीगेंट ज्वेलरी सेट को आप वियर कर सकती हैं। इसमें छोटे-छोटे बॉल का डिजाइन दिया गया है।

बारिश के इस मौसम में ऑयली फोरहेड ने कर दिया है परेशान, ये हैक्स आएंगे काम

बारिश के दिनों में अधिकतर महिलाओं को ऑयली फोरहेड की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, कुछ आसान हैक्स को अपनाकर आप इस समस्या से बच सकती हैं।

जेल बेस्ड फेसवॉश

मानसून के दिनों में अगर आपको फोरहेड पर ऑयल व चिपचिपेपन की शिकायत है तो ऐसे में आप जेल बेस्ड फेसवॉश का इस्तेमाल करें। यह आपकी स्किन को फ्रेश बनाए रखती है। आप अपने फेस वॉश में नीम, सैलिसिलिक एसिड या टी ट्री ऑयल जैसे इंग्रीडिएंट्स को चुनें। इससे आपकी स्किन को काफी फायदा मिलता है। साथ ही, यह भी ध्यान रखें कि आप दिन में सिर्फ दो बार ही फेस वॉश करें।

चेहरा को बार-बार छूने से बचें

चेहरे को बार-बार छूने से भी फोरहेड पर ऑयल बढ़ सकता है, क्योंकि आपके हाथ उतने साफ नहीं होते जितना देखने में लगते हैं। इतना ही नहीं, अगर बाल बार-बार माथे पर आ रहे हों और बार-बार उन्हें ठीक कर रही हो तो इससे भी स्किन और ज्यादा ऑयली हो

जाती है। इसलिए, बाल बांधकर रखो जब तक जरूरी न हो।

क्ले मास्क का करें इस्तेमाल

मानसून के दिनों में फोरहेड के अतिरिक्त ऑयल को कम करने के लिए क्ले मास्क का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। यह स्किन पोर्स को डीप क्लीन करने के साथ-साथ ऑयल को कम करने में मददगार है। इस पैक को बनाने के लिए आप मुल्तानी मिट्टी के साथ गुलाब जल व हल्दी को मिक्स करके लगाएं। करीबन 15-20 मिनट बाद चेहरे को धो लो। मानसून में स्किन की केयर करने और फोरहेड के अतिरिक्त ऑयल को मैनेज करें।

कार्नर न्यूज

ओवरसाइज कपड़े पहनने का ट्रेंड पिछले कुछ दिनों में खूब चल रहा

ओवरसाइज ट्रेंड को करना है फॉलो तो कुछ टिप्स का भी रखें खयाल, आपको मिलेगा परफेक्ट लुक

ओवरसाइज कपड़े का ट्रेंड हिप-हॉप फैशन के साथ ही आया है और कॉलेज गोअर्स के बीच खूब पसंद किया जा रहा है। अब तो बड़े-बड़े स्टार्स भी इस ट्रेंड को फॉलो कर रहे हैं।

दरअसल इसमें आराम भी मिलता है और स्टाइलिंग भी हो जाती है। ओवरसाइज टी-शर्ट तो काफी स्मार्ट दिखती हैं साथ में ऐसी शर्ट भी काफी अच्छी लगती है। पुरुष ओवरसाइज पैंट भी खूब पहनते हैं और जींस भी।

लेकिन ये ट्रेंड किसी पर भी कभी भी अच्छा लगे ये जरूरी नहीं है। बल्कि कई बातें ध्यान रखनी होती हैं, जो ओवरसाइज ट्रेंड को परफेक्टली फॉलो करने में आपकी मदद करती हैं। कौन सी हैं ये बातें, जानते हैं-

मौका क्या है?

मौका क्या है? ओवरसाइज ट्रेंड को पहनते हुए सबसे बड़ा सवाल यही होता है। दरअसल ये ऐसा ट्रेंड नहीं है, जिसे कभी भी पहना जा सके। इसको खास मौकों पर ही पहना जा सकता है।

ओवरसाइज हो बड़ा नहीं

ओवरसाइज फैशन में हाथ आजमाना है तो आपको साइज का ही ध्यान रखने की जरूरत होती है। इसमें आपको जरूरत से ज्यादा बड़ी ड्रेस नहीं बल्कि ओवरसाइज ड्रेस ही लेनी है। मतलब ऐसा न हो कि ओवरसाइज के चक्कर में आप अपने साइज से कई साइज बड़े कपड़े ले लें।

कंधे और कमर पर ओवरसाइज

याद रखिए कपड़े ओवरसाइज ही लेने का एक तरीका ये है कि इनके कंधे और कमर देखिए। ये दोनों अगर ओवरसाइज हैं तो समझिए आप सही कपड़े चुन रहे हैं। वरना ऐसा लगेगा मनो आपके कपड़े हैंगर पर टंगे हैं।

बैलेंस है जरूरी

ओवरसाइज कपड़ों के साथ बैलेंस बहुत जरूरी है। जैसे आप ओवरसाइज कोट के साथ ओवरसाइज पैंट नहीं पहन सकते हैं। बल्कि आपको ओवरसाइज कोट के साथ फिटेड पैंट पहननी चाहिए। लेकिन ये सुपर स्किनी नहीं होनी चाहिए।

ओवर साइज टी-शर्ट चुनें ऐसे

ओवरसाइज कपड़े पहनने की बारी आती है तो सबसे पहले टी-शर्ट पहनने का ही ख्याल आता है। इसके लिए आप ऐसी टी-शर्ट लीजिए जो बाईसेप के बीच तक आए।

आमतौर पर स्मार्ट और परफेक्ट लुक पाने में कपड़ों का अहम योगदान रहता है। बेस्ट ड्रेस का सेलेक्शन अमूमन आपको कॉन्फीडेंट और कंफर्टेबल फील कराने का काम करता है। वहीं ड्रेस का चुनाव करते समय कई लोग ट्रेंड को ध्यान में रखना पसंद करते हैं। ओवरसाइज ड्रेस ट्रेंड भी इन्हीं में से एक है। ऐसे में अगर आप चाहें तो कुछ टिप्स की मदद लेकर ओवरसाइज ड्रेस ट्रेंड को आसानी से फॉलो कर सकते हैं।

दरअसल ओवरसाइज यानी अपनी साइज से बड़ी ड्रेस पहनने का ट्रेंड आजकल काफी बढ़ गया है।

ओकेजन का रखें खास ख्याल

ओवरसाइज ड्रेस कैरी करने से पहले ओकेजन को ध्यान में रखना न भूलें। ध्यान रहे कि ओवरसाइज ड्रेस को आप हर खास मौके पर कैरी नहीं कर सकते हैं। इसलिए पर्सनल और कैजुअल गेटअप के लिए ओवरसाइज ड्रेस पहनना बेस्ट च्वॉइस हो सकती है। मगर ट्रेडिशनल अवसर पर इसे पहनने से बचना चाहिए।